THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 181 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.4 2082 शुक्रवार, 26 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

प्रिया कपूर ने हाई कोर्ट में लगाई अर्जी

पति संजय कपूर की संपत्तियों की लिस्ट के संबंध में की ये मांग

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की पत्नी प्रिया कपूर ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में एक नई अर्जी दायर की। इसमें उन्होंने मांग की है कि उनके दिवंगत पति की निजी संपत्तियों और देनदारियों की सूची अदालत में सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने की अनुमति दी जाए और सभी पक्षों को गोपनीयता बनाए रखने के लिए बाध्य किया जाए। प्रिया कपूर ने वैकल्पिक तौर पर अदालत से "गोपनीयता क्लब" गठित करने की भी अपील की है। उनका कहना है कि मामले में वित्तीय पहलू जुड़े हुए हैं और दलीलें मीडिया में लीक हो रही हैं।

न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले को शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया। प्रिय कापुर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील शैल त्रेहन ने अदालत को आश्वस्त किया कि वे शुक्रवार को इस संबंध में व्यापक और व्यावहारिक सुझाव लेकर आएंगी।

रामलीला रुकवाने वाले को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमकर फटकार

इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर लगी रोक

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के टूंडला में स्कूल ग्राउंड में चल रही 80 साल पुरानी रामलीला के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा दखल दिया है। परिषद के स्कूल में रामलीला उत्सव की इजाजत दी है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने शर्त लगाई कि स्कूली बच्चों को इससे कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रामलीला बंद करने के फैसले पर भी सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से कहा कि वो प्रशासन को रामलीला उत्सव को लेकर कोई वैकल्पिक जगह तलाशने को कहे।

अचानक आप हाईकोर्ट क्यों गए?

जस्टिस सूर्य कांत ने शिकायतकर्ता पर सवाल उठाते हुए पूछा, जब रामलीला 80 साल से चल रही थी तो अचानक आप हाईकोर्ट क्यों गए? रामलीला को लेकर स्कूल, बच्चों या पैरेंट्स को कोई परेशानी नहीं थी तो आपको क्या दिक्कत हुई? आप रामलीला से पहले शिकायत कर सकते थे। आपको पहले से जाकर प्रशासन से व्यवस्था करने के लिए कहने से किसने रोका? आप छात्र या छात्र के अभिभावक नहीं हैं? आप संपत्ति के मालिक नहीं हैं? हम स्कूल के खेल के मैदान का किसी भी तरह से इस्तेमाल करने की मंजूरी नहीं देते, लेकिन हमें इस बारे में की गई कोई भी शिकायत दिखाएं।

शिकायतकर्ता के आरोप

वहीं रामलीला आयोजन समिति की ओर से कहा गया कि 80 साल से रामलीला चल रही है। स्कूल को भी कोई आपत्ति नहीं थी। अचानक इसे बंद कर दिया गया। रामलीला उत्सव 14 सितंबर से ही शुरू हो चुका है। वहीं शिकायतकर्ता ने कहा कि बच्चों को वहां दिक्कत हो रही है। इसको लेकर शिकायतकर्ता ने हाईकोर्ट में दाखिल याचिका कर दावा किया था कि 18 दिनों तक रामलीला के मंचन के दौरान शिक्षण गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित होंगी। इसके अलावा बच्चों को खेल के मैदान से वंचित होना पड़ेगा। इस पर हाईकोर्ट ने रामलीला पर रोक लगा दी थी।

सुप्रीम कोर्ट क्यों पहुंचा मामला

इलाहाबाद हाईकोर्ट के रोक आदेश को चुनौती देने वाली रामलीला आयोजन समिति पहुंची थी। रामलीला आयोजन समिति की ओर से मामला उठाने वाले वकील ने कहा कि हाईकोर्ट ने बिना सुनवाई किए यह एकपक्षीय आदेश दिया। दरअसल, फिरोजाबाद के टूंडला में, हाई कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने शहर के 80 साल पुराने प्रसिद्ध श्री नगर रामलीला महोत्सव को बंद कर दिया। रामलीला महोत्सव बंद होने से दर्शक नाराज हो गए। हिंदू संगठन भी इस फैसले से बेहद नाराज हैं। तब हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई।

पेपर लीक मामले में असिस्टेंट प्रोफेसर सुमन निलंबित

एक दरोगा सहित दो पुलिसकर्मी भी हटाए गए

हरिद्वार, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूके एसएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा का पेपर सेंटर से बाहर भेजने के मामले में हरिद्वार पुलिस कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने परीक्षा केन्द्र आदर्श बाल सदन इंटर कॉलेज, बहादरपुर जट में ड्यूटी पर तैनात रहे दो पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके अलावा असिस्टेंट प्रोफेसर सुमन को भी निलंबित कर दिया गया है। निलंबित पुलिसकर्मियों में सब इंस्पेक्टर रोहित कुमार और कांस्टेबल ब्रह्मदत्त जोशी शामिल हैं। दोनों पर परीक्षा ड्यूटी के दौरान संवेदनशीलता और सतर्कता न बरतने का आरोप है। एसएसपी ने इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश पारित किया है।

मामले की जांच सीओ रुड़की नरेन्द्र पंत को सौंपी गई है। एसएसपी ने निर्देश दिए हैं कि एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। एसएसपी डोबाल ने साफ कहा कि पेपर लीक जैसे संवेदनशील मामलों में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों की सुरक्षा और निगरानी में तैनात पुलिसकर्मी अगर अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार नहीं रहेंगे तो सीधे तौर पर उन पर कड़ी कार्रवाई होगी।

जेल में रहा बीजेपी से निष्कासित नेता बना रीवा जिला-उपाध्यक्ष

बीजेपी की जिला कार्यकारिणी को लेकर विवाद बढ़े

भोपाल, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मप्र में घोषित हो रहीं बीजेपी के 62 संगठनात्मक जिलों में से अब तक 30 से ज्यादा जिलों की कार्यकारिणी घोषित हो चुकी हैं। जिला कार्यकारिणी की घोषणा के बाद लगातार विवाद भी सामने आ रहे हैं। अब रीवा में जनपद सीईओ से मारपीट के मामले में 4 महीने जेल में रहे और बीजेपी से निष्कासित मनीष चंद्र शुक्ला को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के भतीजे विवेक गौतम को जिला महामंत्री बना दिया।

जबकि सबसे पहले घोषित हुए मऊगंज जिले की कार्यकारिणी में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के बेटे राहुल गौतम को उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी ने उनका इस्तीफा ले लिया था। इसके बाद मंडला में मौजूदा संपतिया उइके की बेटी और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की बहनों को जिला पदाधिकारी बनाए जाने के बाद इस्तीफे ले लिए गए थे। इन मामलों के सामने आने के बाद भी जिलों की कार्यकारिणी को लेकर लगातार विवाद सामने आ रहे हैं।

केजरीवाल के घर के लिए कोर्ट में बहस आप क्यों बोली हम बसपा नहीं?

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की, जिसमें अरविंद केजरीवाल को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में नई दिल्ली में आवास आवंटित करने की मांग की गई थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि अरविंद केजरीवाल के लिए आज से 10 दिनों के भीतर उचित आवास का आवंटन कर दिया जाएगा। इस याचिका पर सुनवाई जस्टिस सचिन दत्ता की कोर्ट ने की। सुनवाई के दौरान आम आदमी पार्टी की ओर से सीनियर एडवोकेट राहुल मेहरा ने दलील दी, तो वहीं केंद्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने दलील पेश की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुनवाई के दौरान वर्चुअली रूप से जुड़े। कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को आज से 10 दिनों के भीतर उचित आवास आवंटित कर दिया जाएगा। कोर्ट ने इस मामले को लेकर पक्षकार को मंत्रालय से संपर्क करने की स्वतंत्रता दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अंतिम आदेश बयान दर्ज होने के बाद ही पारित किया जाएगा।

सुनवाई के दौरान आम आदमी पार्टी के वकील राहुल मेहरा ने बंगले के टाइप को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें जो सरकारी बंगला मिला है वह टाइप 7 या 8 रहा है और अब वे मुझे टाइप 5 में डाउनग्रेड नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मैं पक्षपाती नहीं हूं और न ही मैं बहुजन समाज पार्टी का हूं। वकील के द्वारा जताई गई आपत्ति को लेकर कोर्ट ने कहा कि अगर आप खुश नहीं हैं, तो इसे न लें। उन्होंने कहा कि समाधान एसजी से बात करने में ही है। एसजी तुषार मेहता ने कहा कि केजरीवाल अपने आप को आम आदमी बोलते हैं, तो कोई भी आम आदमी कभी टाइप 8 बंगले के लिए नहीं लड़ता। राहुल मेहरा ने इस बात की प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चुनाव के दौरान ये सारी नारेबाजी जायज थी, लेकिन ये अदालत है यहां ऐसी नारेबाजी उचित नहीं। अरविंद केजरीवाल के एक राष्ट्रीय पार्टी के संयोजक होने के नाते नई दिल्ली में उचित आवास आवंटन करने की याचिका दाखिल की थी, जिस पर कोर्ट ने सुनवाई की।

सबरीमाला विवाद : कांग्रेस नेता बोले

किसी समुदाय या संगठन से मतभेद नहीं एलडीएफ पर परंपराएं तोड़ने का आरोप

सबरीमाला मुद्दे पर सत्तारूढ़ एलडीएफ (एलडीएफ) का समर्थन किया। वीडी सतीसन ने कहा कि हमारे और एनएसएस या एसएनडीपी के विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन इसका मतलब टकराव नहीं है। हम अपने निर्णय पर कायम हैं, और यह सही था। मामले में सतीशन ने आगे केरल की एलडीएफ सरकार पर आरोप लगाया कि उसने सबरीमाला की परंपराओं की रक्षा नहीं की, बल्कि महिलाओं की एंट्री को पुलिस सुरक्षा के साथ लागू करवाकर परंपराओं का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि हम ही वे जिन्होंने इन परंपराओं की रक्षा की कोशिश की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर राज्य सरकार सच में भक्तों के साथ थी, तो महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ विरोध करने वाले हजारों एनएसएस कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामलों को अब तक क्यों नहीं हटाया गया, जैसा सरकार ने वादा किया था। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर चुनावी मौके पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने अल्पसंख्यकों को खुश किया, अब राज्य में होने वाले चुनाव से पहले बहुसंख्यकों को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं।

तिरुवनंतपुरम, 25 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर में इन दिनों केरल में स्थित सबरीमाला मंदिर को लेकर चर्चा तेज है। ऐसे में जारी बहस के बीच कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने साफ किया है कि उनकी किसी भी धार्मिक संगठन या समुदाय से कोई मतभेद नहीं है। केरल में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने गुरुवार को कहा कि 'ग्लोबल अयप्पा संगम' में हिस्सा न लेने का फैसला एक राजनीतिक निर्णय था, किसी समुदाय के खिलाफ नहीं। बता दें कि सतीशन की यह टिप्पणी उस वक्त आई जब दो प्रमुख हिंदू संगठन नायर सर्विस सोसाइटी (एनएसएस) और नारायण धर्म परिपालना (एसएनडीपी) योगम ने

सतीशन ने इस बात की भी आलोचना की कि अयप्पा संगम के पोस्टरों में मुख्यमंत्री विजयन और देवस्वम मंत्री वीएन वसावन की तस्वीरें थीं, लेकिन भगवान अयप्पा की नहीं जो उनके अनुसार, इस आयोजन को राजनीतिक रूप से भुनाने की कोशिश थी।

इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थिरुवंचूर राधाकृष्णन ने भी कहा कि यूडीएफ और एनएसएस के बीच कोई टकराव नहीं है और दोनों सबरीमाला की परंपराओं की रक्षा के लिए एक ही दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का रुख ही बदला है, एनएसएस का नहीं। गौरतलब है कि मामले में एनएसएस के महासचिव जी सुकुमारन नायर पहले ही कह चुके हैं कि वे अब सरकार पर भरोसा करते हैं, जिसने सबरीमाला की परंपराओं को बनाए रखने का वादा किया है। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू वोटों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया।

मलबे में दबे लोगों का पहला वीडियो

3 घंटे तक फंसी रही थी महिला; डॉक्टरों को घुटने के नीचे का हिस्सा काटना पड़ा

इंदौर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के रानीपुरा के कोष्ठी मोहल्ला में हुए मकान हादसे का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो उस समय का है, जब लोग घर के मलबे के नीचे दबे हुए थे। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महिला का एक पैर मलबे में दबा हुआ है, जबकि दूसरा बाहर है। ये देखकर रेस्क्यू करने वाले रहवासी भी सकते में आ गए थे। महिला करीब तीन घंटे तक इसी तरह दबी रही। कलेक्टर शिवम वर्मा ने रेस्क्यू में मदद करने वाले रहवासियों की तारीफ की थी। महिला का नाम अफरीन पति फहीमुद्दीन (32) है।

हादसे के बाद देर रात सबसे आखिरी में उसे रेस्क्यू कर एमवाय अस्पताल लाया गया था। डॉ. अरविंद शुक्ला ने बताया कि महिला का एक पैर घुटने के नीचे से दबकर पूरी तरह खराब हो गया था। इसके साथ ही इंफेक्शन का बड़ा खतरा था। उसी रात ढाई घंटे की सर्जरी की गई और घुटने के नीचे के हिस्से को काटना पड़ा। महिला की हालत अब अच्छी है।

फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी से भारतीयों और नेपालियों के 148 पासपोर्ट बरामद, सरगना गिरफ्तार

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की आईएससी टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, फर्जी भर्ती एजेंसी चलाने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी इमरान खान उत्तम नगर के मटियाला गांव का रहने वाला है। इमरान आइके मैनपावर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से फर्जी भर्ती एजेंसी चला रहा था। इस एजेंसी का कोई वैध पंजीकरण विदेश मंत्रालय या श्रम मंत्रालय से नहीं था। पुलिस ने छापेमारी में 148 पासपोर्ट (145 भारतीय और 3 नेपाली नागरिकों के) बरामद किए हैं।

साथ ही कई आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य सबूत भी जब्त किए गए। एजेंसी का ऑफिस नांगली जलीब, जनकपुरी ईस्ट मेट्रो स्टेशन के पास से संचालित हो रहा था। आरोपी के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12, प्रवासन अधिनियम 1983 की धारा 24 और आईपीसी की धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई एक पीड़िता की शिकायत से शुरू हुई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि इमरान खान ने उसे विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 75,000 रुपये की ठगी की। उसे कुवैत भेजा गया, जहां वह फंस गई। बाद में भारतीय दूतावास की मदद से उसकी भारत वापसी संभव हो सकी। शिकायत के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम सक्रिय हुई। एसीपी रमेश लाम्बा की देखरेख में इंस्पेक्टर सतेंद्र पूनिया और इंस्पेक्टर सोहनलाल के नेतृत्व में टीम गठित की गई। इस टीम में एसआई नीरज, राकेश, राकेश शर्मा, संजय और एचसी अशोक, रविंद्र, विक्रम, दलवीर सहित कॉन्स्टेबल रवि और अंकित शामिल थे। त्वरित कार्रवाई करते हुए एजेंसी के दफ्तर पर छापा मारा गया और इमरान खान को गिरफ्तार कर लिया गया। उस समय उसके साथ दो टेली-कॉलर भी काम कर रहे थे।

पूछताछ में इमरान ने खुलासा किया कि वह सोशल मीडिया और ऑनलाइन विज्ञापनों के जरिये खाड़ी देशों सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत, बहरीन, ओमान, ईरान और इराक में नौकरी का झांसा देता था। इच्छुक लोग फोन पर संपर्क करते थे, जहां उसके नियुक्त टेली-कॉलर उन्हें बातों में फंसाकर पैसे ऐंठते थे।

राशन घोटाला, 132 उपभोक्ताओं के ई-राशन कार्ड निरस्त

उज्जैन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने 132 उपभोक्ताओं का ई-राशन कार्ड (पात्रता पर्ची) निरस्त कर दिया है। ये उन लोगों के राशन कार्ड हैं, जिनकी वार्षिक आय छह लाख रुपये से अधिक थी, फिर भी कंट्रोल से राशन लेकर यह लोग गरीब का हक मार रहे थे। अभी प्राप्त आपत्तियों का परीक्षण जारी है, ऐसे में संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

खाद्य अधिकारी शालू वर्मा ने बताया कि दो महीने पहले खाद्य विभाग ने सरकारी उचित मूल्य की दुकानों (कंट्रोल) से हर माह मुफ्त राशन लेने वाले उज्जैन जिले के 5629 उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किया था। नोटिस में कहा गया था कि आयकर विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार उनकी वार्षिक आय छह लाख रुपये से अधिक है। ऐसे में उनकी पात्रता संदिग्ध है और क्यों न उन्हें जारी पात्रता पर्ची (ई-राशन कार्ड) निरस्त कर दिया जाए। इसमें कुछ उन उपभोक्ताओं के नाम भी थे, जिन्होंने 25 लाख रुपये से अधिक जीएसटी फाइल किया था।

20,000 की रिश्वत लेते पकड़े गए इंजीनियर साहब

घर में पड़े छापे तो निकले नोटों के बंडल ही बंडल

भुवनेश्वर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई सामने आई है। ओडिशा विजिलेंस विभाग ने टाटा पावर सेंट्रल ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीसीओडीएल) के एक एग्जीक्यूटिव इंजीनियर तुषारकांत राय को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत एक ठेकेदार से ट्रांसफॉर्मर की फाइनल इंस्पेक्शन रिपोर्ट देने के बदले में ली जा रही थी। जानकारी के अनुसार, एक इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि तुषारकांत राय पिछले दो महीनों से उसकी फाइनल इंस्पेक्शन रिपोर्ट नहीं दे रहे थे, जो एक अपार्टमेंट बिल्डिंग में लगाए गए ट्रांसफार्मर से जुड़ी थी। यह रिपोर्ट मिलने के बाद ही ठेकेदार को अपने बिल का भुगतान मिल सकता था। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद रिपोर्ट नहीं दी जा रही थी। इसके बजाय, राय ने 20,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। मजबूर होकर ठेकेदार ने ओडिशा विजिलेंस विभाग से संपर्क किया।

विजिलेंस टीम ने बनाई योजना

शिकायत के बाद विजिलेंस टीम ने पूरी योजना तैयार की। रात तुषारकांत राय ने ठेकेदार को अपने घर बुलाया और बाहर एक पार्क में पैसे देने को कहा। जैसे ही ठेकेदार ने रिश्वत की राशि उन्हें सौंपी, वहां पहले से मौजूद विजिलेंस की टीम ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। रिश्वत का 20,000 रुपये का पैसा उनके पास से बरामद कर जब्त कर लिया गया।

राय से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी

रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद विजिलेंस टीम ने तुषारकांत राय से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। यह तलाशी पूरी रात चलती रही और सुबह तक राय के घर से 9,53,200 नकद बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर जब्त कर लिया गया। इस पूरी कार्रवाई के बाद भुवनेश्वर विजिलेंस पुलिस स्टेशन में मामला संख्या 21 दिनांक 24.09.2025 के तहत भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 2018 की धारा 7 के तहत केस दर्ज किया गया है। फिलहाल, इस मामले की जांच जारी है, और यह भी देखा जा रहा है कि राय पहले से किसी अन्य भ्रष्टाचार गतिविधि में शामिल रहे हैं या नहीं।

इस बार मानसून ने तोड़ा 15 साल का रिकॉर्ड

समान्य से 23 फीसदी अधिक हुई बारिश

देहरादून, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में लगभग 96 दिन से सक्रिय रहा मानसून अब विदाई की ओर दिखाई दे रहा है। मानसून हरिद्वार एवं इसके आसपास के इलाकों से विदा हो गया है। अगले दो से तीन दिन में पूरे प्रदेश में मानसून की विदाई की स्थिति बनती हुई दिखाई दे रही है। इस बार मानसून प्रदेश में आफत बनकर बरसा है। राजधानी देहरादून में तो एक दिन में बारिश का 101 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया, प्रदेश में 21 जून को मानसून ने दस्तक दी थी। पूरे उत्तराखंड की अगर बात करें तो अब तक प्रदेश में मानसून में सामान्य 1147.4 से 23 फीसदी ज्यादा 1411.5 एमएम बारिश हुई है, जो प्रदेश में साल 2010 के बाद सर्वाधिक बारिश है।

साल 2010 में मानसून में उत्तराखंड में 1680 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। उत्तराखंड मौसम विभाग के निदेशक डॉक्टर तोमर के मुताबिक, उत्तराखंड में साल 2000 में 1590, साल 2007 में 1560 एमएम बारिश हुई थी। जबकि साल 1998 और 2003 में भी 1400 एमएम से ज्यादा बारिश हुई थी। उधर पिछले साल मानसून में सामान्य 1162.7 से 9 फीसदी ज्यादा 1273.0 एमएम बारिश हुई थी।

ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व में बाघ का हमला

युवक की ली जान; 20 दिन में 6 लोगों को बनाया शिकार

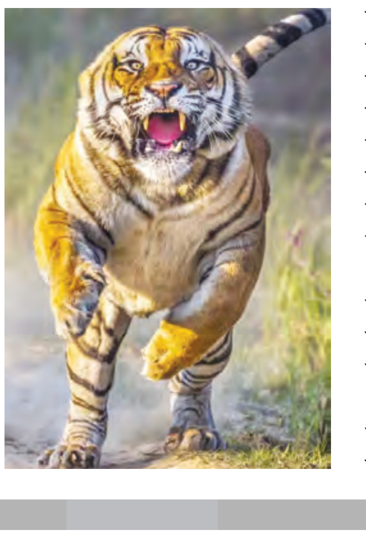

चंद्रपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में बाघ के हमले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। बीते 20 दिनों में छह लोगों की मौत बाघ के हमले में हुई है तो वहीं एक बुरी तरह घायल हो गया है। वहीं बाघ के हमले की एक और घटना सामने आई है।

ताडोबा-अंधारी व्याघ्र परियोजना के बफर क्षेत्र में सुबह बाघ के हमले में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान भामडेली निवासी 37 वर्षीय अमोल बबन नन्नावरे के रूप में हुई, जो ताडोबा में जिप्सी चालक के रूप में कार्यरत था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11:30 बजे अमोल खेत में कीटनाशक छिड़काव के लिए मोटर पंप अपने पिता को देने गया था। उसी दौरान शिकार की तलाश में घूम रहे बाघ ने अचानक उन पर झपट्टा मार दिया। बाघ उसे लगभग 50 फीट तक घसीटकर ले गया।

यह भयावह घटना उसके पिता की आंखों के सामने घटी। पिता के शोर मचाने पर बाघ शव को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। मृतक की गर्दन पर गहरे घाव पाए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भद्रावती उप जिला अस्पताल भेज दिया।

घटना संदर्भ में वन परिक्षेत्र अधिकारी संतोष थीपे ने बताया कि मृतक ताडोबा टाइगर रिजर्व में जिप्सी चालक के तौर पर काम करता था। घटना की जानकारी मिलते ही भद्रावती पुलिस, वन अधिकारी, पीटीआर टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण बड़ी मौजूद थे।

मृतक अमोल अपने पीछे पत्नी और एक छोटे बेटे को छोड़ गया। वहीं इस घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बाघ को पकड़कर बंदोबस्त किया जाए, ताकि आगे और जनहानि टल सके।

सीएए-दिल्ली दंगों पर इंदौर में बनी फिल्म, सभी याचिकाएं खारिज

जल्द रिलीज होगी; दंगों के आरोपियों ने हाईकोर्ट में की थी रोक लगाने की अपील

इंदौर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर में शूट की गई भारत की पहली वन-शॉट हिंदी फीचर फिल्म '2020 दिल्ली' 14 नवंबर 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म को लेकर कई विवाद और राजनीतिक विरोध भी सामने आए, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने इसे रचनात्मक स्वतंत्रता का समर्थन देते हुए सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। दिल्ली दंगों के 7 आरोपियों ने हाईकोर्ट में फिल्म पर रोक लगाने की अपील की थी। वहीं, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की फिल्म बनती रहना चाहिए। सीएए का मुद्दा तो उस दौरान भी सही था और आज भी सही है। जनवरी 2025 में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई थी। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने इसे 'भाजपा का प्रोपगेंडा' बताते हुए चुनाव आयोग से इस पर बैन लगाने की मांग की थी। शरजील इमाम समेत दिल्ली दंगों के सात आरोपियों ने हाईकोर्ट में कुल 7 याचिकाएं दायर कर फिल्म पर रोक लगाने की अपील की थी। उनका तर्क था कि फिल्म से जनमानस में उनके खिलाफ पूर्वाग्रह पैदा हो सकता है। हालांकि, कोर्ट ने इन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। सेंसर बोर्ड से फिल्म को यूए 16 प्लस सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म को देवेंद्र मालवीय ने लिखा, निर्देशित और निर्मित किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 181 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.4 2082 शुक्रवार, 26 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चुनाव आयोग ने ई-साइन वाला नया फीचर किया लॉन्च

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने अपने ईसीआईएनईटी पोर्टल और ऐप से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने, नाम डिलीट करवाने या वोटर लिस्ट से संबंधित अन्य वोटर लिस्ट कोई काम में ऑनलाइन कराने के लिए आवेदन करने एक नया फीचर के लिए ई-साइन शुरू किया गया है।

इसमें आवेदन करने वालों को अपना आधार से जुड़े मोबाइल नंबर का ही इस्तेमाल करना होगा। दावा किया जा रहा है कि यह नया फीचर हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक की आलंद सीट पर बड़ी संख्या में वोटरों के नाम हटाने की कोशिश का खुलासा करने के बाद आयोग ने शुरू किया है।

'गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए'

ट्रेड शो में बोले पीएम

ग्रेटर नोएडा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आज से आगाज हो गया है। ग्रेटर नोएडा में हो रहे इस ट्रेड शो में प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आज उद्घाटन किया। उनके साथ सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

सीएम योगी और सरकार के सभी सहयोगियों को बधाई :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी-2025 (यूपीआईटीएस-2025) में कहा, आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है। उन्होंने हमें अंत्योदय का मार्ग दिखाया। अंत्योदय का अर्थ है, सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान, सबसे गरीब व्यक्ति तक विकास पहुंचना, सभी भेदभाव समाप्त हो, यही अंत्योदय है, और अंत्योदय में ही सामाजिक न्याय को बल मिलता है। आज भारत विकास के इसी मॉडल को दुनिया को दे रहा है।

मुझे खुशी है कि 2,200 से ज्यादा प्रदर्शक यहां अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस व्यापार मेले का कंट्री पार्टनर रूस है, यानी इस व्यापार मेले में हम एक समय-परीक्षित साझेदारी को और मजबूत कर रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार के सभी सहयोगियों को बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, आज सरकार मेक इन इंडिया, मैन्युफैक्चरिंग पर इतना जोर दे रही है। हम चिप से लेकर जहाज तक, सब कुछ भारत में बनाना चाहते हैं, इसलिए हम आपके व्यापार में आसानी के लिए काम कर रहे हैं। सरकार आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है, लेकिन सरकार की कुछ अपेक्षाएं भी हैं कि आप जो भी निर्माण कर रहे हैं, वह सर्वोत्तम गुणवत्ता का हो। आज देशवासियों के मन में ये बात है कि स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता निरंतर बेहतर हो, इसलिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

समीर वानखेड़े ने शाहरुख खान पर मानहानि का केस किया-2 करोड़ मुआवजा मांगा

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। आर्यन खान ड्रग केस के जांच अधिकारी समीर वानखेड़े ने शाहरुख खान और उनकी प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज पर 2 करोड़ रुपये का मानहानि का केस दायर किया है। आरोप हैं कि आर्यन खान ने अपनी डायरेक्टोरियल सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिए समीर वानखेड़े की इमेज खराब की है।

समीर वानखेड़े ने एक बयान जारी कर कहा है कि उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में ये मानहानि का केस किया है। यह केस शाहरुख खान और गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और कुछ अन्य के खिलाफ दायर किया गया है।

भाजपा ने बिहार चुनाव के लिए धर्मेंद्र प्रधान को बनाया प्रभारी

> यूपी के डिप्टी सीएम को भी मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में गुरुवार को पार्टी ने चुनाव प्रभारी और सह प्रभारियों का एलान किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बिहार में प्रदेश चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। उधर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल को प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी का जिम्मा सौंपा गया है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही भाजपा ने अगले साल होने वाले तमिलनाडु चुनाव के लिए पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ सहकारिता और उड्डयन मंत्रालय में राज्यमंत्री का पद संभाल रहे मुरलीधर मोहोल को सह-प्रभारी बनाया गया है। पार्टी ने केंद्रीय पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रभारी बनाया है, जबकि सांसद बिप्लब कुमार देव को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि बिहार में इसी साल के अंत में चुनाव होने हैं।

फलस्तीन को लेकर सरकार की चुप्पी मानवता के खिलाफ : सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक बार फिर फलस्तीन मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने मोदी सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत जैसे देश को इस मसले पर नेतृत्व दिखाना चाहिए, लेकिन केंद्र सरकार की इस मामले में प्रतिक्रिया गहरी चुप्पी और मानवता व नैतिकता से पीछे हटने जैसी रही है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार का रुख भारत के संवैधानिक मूल्यों या रणनीतिक हितों पर नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की निजी दोस्ती पर आधारित है। कांग्रेस नेता ने मामले में चेताया कि इस तरह की व्यक्तिगत कूटनीति भारत की विदेश नीति का आधार नहीं बन सकती। सोनिया गांधी ने ये बातें एक लेख के माध्यम से कही है। इस लेख में सोनिया गांधी ने याद दिलाया कि भारत ने 1988 में फलस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी थी और ऐतिहासिक रूप से फलस्तीन की जनता के अधिकारों का समर्थन किया है।

सिकंदराबाद छावनी के निवासियों को नोटिस

हवाई अड्डे के पास ऊंची इमारतों के दस्तावेज मांगे गए

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने सिकंदराबाद छावनी के अन्ना नगर और आसपास के इलाकों में रहने वाले निवासियों को नोटिस जारी किया है। इसमें हवाई अड्डे के पास बनी ऊंची इमारतों के निर्माण की अनुमति और 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' (एनओसी) जमा करने के लिए कहा गया है। यह कदम अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें हवाई अड्डों के पास सुरक्षा संबंधी खतरों को ध्यान में रखा गया। नोटिस में कहा गया कि एएआई की टीम ने संपत्ति का निरीक्षण किया और अब संबंधित दस्तावेज़ जमा करना अनिवार्य किया गया है।प्रभावित इलाकों के निवासी इस अचानक नोटिस और दस्तावेज जमा करने की मांग को लेकर चिंतित हैं। एक निवासी ने कहा कि वे कई सालों से यहां रह रहे हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि अचानक नोटिस क्यों भेजा गया। साथ ही, नोटिस में कोई अंतिम तिथि भी नहीं दी गई? सिकंदराबाद छावनी के रसूलपुरा, अन्ना नगर, इंदिराम्मा नगर और सीबीएन नगर सहित कई इलाके बेगमपेट हवाई अड्डे के पास स्थित हैं, जहां लगभग एक लाख लोग रहते हैं। एससीबी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह नोटिस सुरक्षा और प्रशासनिक कारणों से जारी किया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अहमदाबाद दुर्घटना के बाद देशभर के हवाई अड्डों के पास इमारतों और पेड़ों से उत्पन्न बाधाओं पर नियम बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति के संबंध में सीजेआई गवई को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की न्यायपालिका में नियुक्तियों को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट बार असोसिएशन (एससीबीए) ने सीजेआई बी.आर. गवई और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को पत्र लिखकर नियुक्तियों के लिए न्यायपालिका में ज्ञापन (एमओपी) को प्रक्रिया अंतिम रूप देने और सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए पारदर्शी, न्यायसंगत और योग्यता-आधारित ढांचा तैयार करने की मांग की है। एससीबीए अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने 12 सितंबर को सीजेआई और मेघवाल को पत्र लिखते हुए मौजूदा कलीजियम प्रणाली की संरचनात्मक खामियों को उजागर किया और कहा कि सुधारों में हो रही देरी न्यायपालिका की निष्पक्षता और जनता के विश्वास दोनों को कमजोर कर रही है। एससीबीए ने अपने पत्र में मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर (एमओपी) को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। संगठन का कहना है कि न्यायपालिका को यदि वास्तव में स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाना है, तो सबसे पहले उसकी नियुक्ति प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया जाना चाहिए।

सीबीआई जांच के दायरे में आया सोनम वांगचुक का संस्थान

> विदेश से अवैध तरह से फंड जुटाने का आरोप

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। लद्दाख के चर्चित शिक्षा सुधारक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के संस्थान के खिलाफ विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) उल्लंघन को लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच शुरू कर दी है।

सोनम वांगचुक ने खुद बताया कि करीब 10 दिन पहले सीबीआई की टीम उनके संस्थान हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ आल्टरनेटिव्स, लद्दाख (एचआईएएल) पहुंची थी। वांगचुक के मुताबिक, सीबीआई ने बताया कि यह जांच गृह मंत्रालय की शिकायत पर की जा रही है और आरोप लगाया कि संस्थान कथित तौर पर बिना एफसीआरए अनुमति के विदेशी फंड प्राप्त कर रहा है। बताया गया है कि मामले में जांच जारी है, हालांकि कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

वांगचुक ने कहा, हम विदेशी फंड पर निर्भर नहीं रहना चाहते। हम अपना ज्ञान निर्यात कर राजस्व जुटाते हैं। तीन ऐसे मामलों को विदेशी योगदान समझ लिया गया, जबकि वे सेवा समझौते थे जिन पर सरकार को टैक्स भी चुकाया गया था। ये समझौते संयुक्त राष्ट्र, एक स्विस विश्वविद्यालय और एक इटैलियन संगठन से जुड़े थे।

सोनभद्र में यूरेनियम के लिए खोदाई

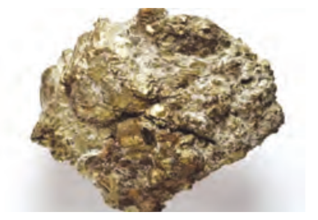

म्योरपुर के नकटू में 785 टन मौजूदगी के सबूत; 31 अन्य स्थान भी चिह्नित

सोनभद्र, 25 सितंबर (एजेंसियां)। देश में यूरेनियम के भंडार की खोज में जुटे परमाणु ऊर्जा विभाग को सोनभद्र में बड़ी संभावना मिली है। म्योरपुर ब्लॉक के नकटू में 785 टन यूरेनियम ऑक्साइड की मौजूदगी के साक्ष्य मिले हैं। इसकी विस्तृत खोज शुरू की गई है। इसके अलावा कूदरी, अंजनगिरा के पहाड़ी-जंगली क्षेत्र में यूरेनियम की खोज के लिए अनुसंधान चल रहा है।

परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने नकटू के अलावा भी 31 ऐसे स्थान चिह्नित किए हैं, जहां यूरेनियम के भंडार होने की संभावना है। सर्वेक्षण के नतीजे अनुकूल रहे तो भारत सरकार के न्यूक्लियर एनर्जी मिशन में यूपी का सोनभद्र बड़ी भूमिका निभा सकता है। भारत को 2047 विकसित राष्ट्र का दर्जा दिलाने के लिए सरकार न्यूक्लियर एनर्जी मिशन पर काम कर रही है। गत जुलाई माह में 12 राज्यों के 47 जगहों पर यूरेनियम का बड़ा भंडार पाए जाने की जानकारी सामने आई थी। इनमें सोनभद्र का नकटू भी शामिल है, जहां 785 टन यूरेनियम होने की संभावना जताई गई है। यहां विस्तृत सर्वेक्षण का काम चल रहा है।

इरफान सोलंकी की जेल से रिहाई का रास्ता साफ, गैंगस्टर एक्ट में हाई कोर्ट से मिली जमानत

कानपुर की सीसामऊ सीट से सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को इलाहाबाद हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने गैंगस्टर के मुकदमे में इरफान सोलंकी की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। कोर्ट ने जमानत अर्जी मंजूर करते हुए जेल से रिहा करने का भी आदेश दिया है। इसके अलावा इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इरफान सोलंकी के भाई रिजवान सोलंकी और इजरायल आटेवाला की भी जमानत अर्जियों को मंजूर कर लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 2 सितंबर को जजमेंट सुरक्षित कर लिया था। जस्टिस समीर जैन के सिंगल बेंच ने तीनों की जमानत अर्जियों पर यह फैसला सुनाया है।

सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी और इजरायल आटेवाला की जमानत अर्जियों पर अधिवक्ता इमरान उल्ला और अधिवक्ता विनीत विक्रम ने दलीलें पेश की थी। वहीं राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जमानत अर्जी का पुरजोर विरोध किया था। सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के अधिवक्ता इमरान उल्ला के मुताबिक इरफान सोलंकी खिलाफ पहले एक मुकदमा 7 नवंबर 2022 को कानपुर के डिफेंस कॉलोनी में रहने वाली एक महिला नजीर फातिमा की झोपड़ी जलाने का दर्ज हुआ। इसके बाद फर्जी आधार कार्ड बनवाने का मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद 2 दिसंबर 2022 को इरफान सोलंकी ने अदालत में सरेंडर कर दिया था। इसी महीने में 26 दिसंबर 2022 को कानपुर के जाजमऊ थाने में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया। यह मुकदमा तत्कालीन इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे की ओर से दर्ज कराया गया था। इस मुकदमे में आरोप लगाया गया था कि इरफान सोलंकी गैंग बनाकर आर्थिक लाभ के लिए जनता को भयभीत करता है। इसी मुकदमे में भाई रिजवान सोलंकी और इजरायल आटेवाला को भी अभियुक्त बनाया गया था।

अधिवक्ता इमरान उल्ला के मुताबिक सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ गैंगस्टर के मुकदमे को इलाहाबाद हाईकोर्ट में तीन आधारों पर चुनौती दी गई थी। डीएम या कमिश्नर ने गैंग चार्ट का जो अनुमोदन दिया था, उसमें नियमों का पालन नहीं किया गया था। दूसरा यह था कि गैंगस्टर एक्ट में कम से कम 2 साल की सजा का प्रावधान है और अधिकतम 10 साल की सजा का प्रावधान है। जबकि पूर्व विधायक इरफान सोलंकी इस केस में 2 साल 7 माह से जेल में बंद है। तीसरा ग्राउंड यह था कि गैंगस्टर एक्ट लगाने में महिला के घर जलाने के मुकदमे को आधार बनाया गया था। लेकिन इस केस में डिवीजन बेंच ने यह लिख दिया था कि अभियोजन आरोप साबित करने में विफल रहा है। अधिवक्ता इमरान उल्ला के मुताबिक अदालत में उनकी दलीलों से सहमत होते हुए तीनों की जमानत मंजूर कर ली है। उन्होंने कहा है की जमानत मिलने के बाद 2 साल 7 माह से महाराजगंज जेल में बंद इरफान सोलंकी बाहर आ जाएंगे।

इमरान उल्ला के मुताबिक इस बीच इरफान सोलंकी के ऊपर 6 और मुकदमे दर्ज कराए गए थे। उनके मुताबिक सभी मुकदमों में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अलग-अलग तारीखों में जमानत दे दी है। गैंगस्टर के आखिरी बचे मुकदमे में भी जमानत मिलने के बाद अब इरफान सोलंकी के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने बताया है कि इरफान सोलंकी के भाई रिजवान सोलंकी और इसी मामले में आरोपी बनाए गए इजरायल आटेवाला की भी जमानत अर्जियां मंजूर हुई हैं। वह दोनों भी अब जेल से बाहर आ जाएंगे। उनके मुताबिक इरफान सोलंकी के खिलाफ 2022 से अब तक कुल 10 मुकदमे दर्ज हुए थे। इसमें से कुछ मुकदमे पहले के थे। कुछ मुकदमे आचार संहिता उल्लंघन के थे। जेल जाने के बाद छह गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कराए गए थे। जिनमें सभी में अब इरफान सोलंकी को जमानत मिल चुकी है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में इरफान को जमानत याचिका पर राहत प्रदान की, हालांकि सजा पर रोक लगाने की मांग को खारिज कर दिया। जमानत मिलने के बाद पूर्व विधायक की मां खुर्शीदा बेगम बेहद उत्साहित नजर आ रही हैं, जबकि जाजमऊ इलाके में समर्थकों के बीच जश्न का माहौल है।

साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

हापुड़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जनपद में थाना हाफिजपुर पुलिस ने साइबर ठगी के एक शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। जिसमें गेमिंग एप और ट्रेडिंग के नाम पर भारत के विभिन्न राज्यों में करीब एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपी के पास से नकदी, मोबाइल फोन, चेकबुक, बैंक पासबुक और अवैध तमंचा सहित कई सामान बरामद किए हैं। तीनों को जेल भेज दिया गया है। ये गैंग फर्जी फर्म के नाम पर करंट अकाउंट खुलवाते थे। यही नहीं अब तक ये लोग एक करोड़ से अधिक की ठगी कर चुके हैं। एएसपी हापुड़ विनीत भटनागर ने बताया कि हाफिजपुर थाना पुलिस को स्थानीय निवासियों की शिकायत मिली थी कि फर्जी फर्म के नाम पर चालू खाता खुलवाकर गेमिंग एप और ट्रेडिंग के बहाने लोगों को ठगा जा रहा है।

प्रिय बेटा बड़कू, किस मजबूरी में मां ने मुंह खोला

बड़े बेटे शिवराज के आरोपों पर राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ये क्या बता गईं!

प्रतापगढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के कुंडा से विधायक और बाहुबली नेता राजा भैया के घर में मचा पारिवारिक बवाल दिन-ब-दिन तीखा होता जा रहा है। पहले मामला राजा भैया और भानवी सिंह तक ही संबंधित था पर अब राजा भैया के दोनों बेटे शिवराज प्रताप सिंह और बृजराज भी इस विवाद में एंट्री ले चुके हैं। दोनों बेटों ने मां-पिता के बीच के इस झगड़े में पिता का पक्ष लेते हुए अपनी मां को पहले ही गलत ठहराया था। इस बीच भानवी सिंह ने जब एक्स पर कुछ नए वीडियो और आरोप पोस्ट कर दिए तो बड़े बेटे शिवराज का एक नया एक्स पोस्ट सामने आ गया। इस पोस्ट में शिवराज ने एक वीडियो भी लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि इस वीडियो में भानवी सिंह हैं जो चप्पल चला रही हैं।

अब बेटे का ये नया पोस्ट सामने आने के बाद भानवी सिंह ने एक और एक्स पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने बेटों की कथित एक पुरानी तस्वीर भी लगाई है और दावा किया है कि उनके साथ दोनों बेटों को भी घर से निकाला गया था। भानवी सिंह ने इस पोस्ट में इमोशनल तरीके से और बेटे को निशाना बनाते हुए अपनी बात रखी है।

भानवी सिंह ने बेटे को संबोधित करते हुए कहा है कि पूत कपूत सुने हैं पर माता कुमाता नहीं सुनी गई है। उन्होंने इमोशनल होकर लिखा कि एक मां ने मजबूरी में अपना मुंह खोला है। उन्होंने ये भी कहा कि उनके बेटे करियर और सुख के लिए उनके खिलाफ हैं और राजा भैया के साथ दे रहे हैं। भानवी ने शिवराज को प्रिय बेटा बड़कू कहते हुए संबोधित किया है और कहा कि वो चाहती हैं कि दुनिया के सारे सुख उनके बेटों को मिलें लेकिन कोई ये न कहे कि उनके बेटे नालायक हैं।

अखिलेश यादव के सीएम योगी पर शैंपू वाले तंज पर बहस तेज

सोशल मीडिया पर उठे सवाल बताया आपत्तिजनक

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इन दिनों पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी और निजी हमले जोर पकड़ते दिखाई दे रहे हैं। हाल में जीएसटी सुधार के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो एक प्रोडक्ट को हाथ में दिखा रहे हैं। जिस पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने अंदाज में तंज कसा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से जब जीएसटी दरों में कमी किए जाने पर सवाल किया गया तो उन्होंने हंसते हुए तंज कसा और पत्रकारों से कहा कि कल मुख्यमंत्री एक बोतल उठाकर दिखा रहे थे। कई जगहों पर वो तस्वीर है उस बोतल में क्या था? अखिलेश यादव ने आगे कहा कि आपमें से ही कोई साथी बता रहा था कि शैंपू सस्ता हो गया है इसलिए मुख्यमंत्री जी शैंपू ले रहे हैं। उन्होंने हंसते हुए कहा, अच्छा उन्हें शैंपू की क्या जरुरत है बताओ।।

तभी किसी पत्रकार ने कहा कि वो बॉडी लोशन था। इस पर अखिलेश ने कहा संत लोग बॉडी लोशन नहीं लगाते। वो तो भभूत मतलब भस्म वगैरह लगाते हैं। अखिलेश यादव ने इस दौरान जीएसटी को लेकर भी जबरदस्त निशाना साधा और कहा कि सरकार को ये समझने में आठ-नौ साल लग गए, कि रोटी और दूध पर जीएसटी हैं। आपको इतने साल लग गए ये समझने में कि ग़रीब को आप महंगा दे रहे हैं।

बीएसए प्रकरण: स्कूल खुलवाने पहुंची विधायक आशा मौर्या, क्लास का ताला तुड़वाया, बच्चों ने पढ़ने से किया इंकार

सीतापुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महमूदाबाद के प्राथमिक विद्यालय नदवा में बृहस्पतिवार सुबह भाजपा की महमूदाबाद विधायक आशा मौर्य पहुंची। उन्होंने अपने सुरक्षाकर्मियों से ईंट से क्लास का ताला तुड़वाया। इसके बाद उन्होंने बच्चों से पढ़ने के लिए कहा। इसके बावजूद बच्चों ने पढ़ने से इनकार कर दिया। विधायक आशा मौर्य ने कहा कि प्रधानाध्यापक की कोई शिकायत थी तो वह सही ढंग से अपनी बात रखते। सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि प्रधानाध्यापक ने बेल्ट निकाल कर पीटा है, यह बेहद गलत है। सीतापुर के सांसद राकेश राठौर ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सीतापुर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और प्राथमिक विद्यालय नदवा के प्रधानाध्यापक के बीच हुआ विवाद तूल पकड़ता जा रहा है।

शिक्षा का मंदिर जहां संचालित होता हो, बच्चों को शिक्षा मिलती है, वहां यह घटना होना बेहद निंदनीय है लेकिन इसके पीछे के आक्रोश को भी समझने की बेहद जरूरत है कि आखिर एक शिक्षक इतना आक्रोशित क्यों हो गया। मुझे सूचना मिली है कि शिक्षक को भी पीटा गया। उनकी भी एफआईआर दर्ज हो। इस मामले में बीएसए ही सबसे ज्यादा राजनीति करते हैं। मैं दिल्ली जा रहा हूं, लौटकर आऊंगा तो रणनीति बनाकर काम करूंगा। कार्यवाही कराऊंगा। इस मामले में अब तक चुप्पी साधे प्रधानाध्यापक का परिवार भी अब मुखर हुआ है।

होने वाली दुल्हन ने बताया डार्क सीक्रेट

बोली- वो मेरे साथ रोज मंगेतर ने भी दिया साथ, पहुंचाया दोनों सालों को जेल

हरदोई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भाई को बहन का रक्षक कहा जाता है। पिता के बाद अगर एक लड़की किसी पर आंख मूंदकर विश्वास करती है, तो वो होता है उसका भाई। मगर क्या हो अगर वही भाई रक्षक की जगह भक्षक बन जाए? सुनने में अजीब लगा ना? मगर उत्तर प्रदेश के हरदोई में ऐसा सच में ही हुआ है। यहां दो भाई अपनी ही छोटी बहन से रेप करते थे। बहन ने ये बात मां-बाप को बताई तो उन्होंने बेटों को डांट कर मामला शांत करवा दिया। भाई फिर भी करतूत से बाज नहीं आए। तब बहन ने अपने मंगेतर को पूरी बात बताई। मंगेतर ने उसका साथ नहीं छोड़ा। बल्कि, होने वाले दोनों सालों को जेल पहुंचाया। मामला अलवल क्षेत्र का है। यहां एक बुजुर्ग किसान अपने परिवार के साथ रहता है।

किसान के 5 बेटे और दो बेटियां हैं। 20 साल की सबसे छोटी बेटी का रिश्ता कन्नौज में तय हुआ था। फोन पर युवती रोज अपने मंगेतर से बातें किया करती थी। एक दिन उसने मंगेतर कुछ ऐसा बताया, जिससे उसे होश फाख्ता हो गए। वो तुरंत अपनी होने वाली दुल्हनिया को लेकर थाने पहुंचा। वहां होने वाले सालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई और उन्हें जेल भिजवाया।

राहुल गांधी के वोट चोरी आरोप पर बीजेपी का पलटवार

रोहन गुप्ता बोले- 'जनता फिर से एनडीए सरकार लाएगी'

पटना, 25 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा बिहार में वोट चोरी के आरोप लगाने के बाद बीजेपी प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह इस तरह के बयान दे रही है। बीजेपी प्रवक्ता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने इससे पहले बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर राजनीति की थी, लेकिन उनके साथी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने उनका साथ छोड़ दिया। अब कांग्रेस सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की बातें कर रही है, लेकिन यह केवल राजनीतिक दावा है। रोहन गुप्ता ने राहुल गांधी के ट्वीट और दावों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पहले कहा था कि 6,018 वोट डिलीट किए गए थे, और बाद में दावा किया गया कि ऐसा करने की कोशिश हुई। इससे साफ है कि कथित वोट चोरी का कहीं कोई ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि कहीं भी कोई वोट चोरी नहीं हुई है। यह सच है और सच रहेगा। जनता ने कांग्रेस को पहले ही नकार दिया है। ऐसे बयान देना सही नहीं है। बीजेपी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि विपक्ष को तथ्य और सही जानकारी के बिना इस तरह के आरोप नहीं लगाने चाहिए। जनता अब सब समझ चुकी है और बिहार चुनाव में कांग्रेस को इसका जवाब मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार में विकास की गति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

क्या शाहरुख खान के कारण

बिहार में एनडीए को मिलेगा मुसलमानों का वोट?

पटना, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच इसमें बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख ख़ान की एंट्री हुई है। इन्हें मिले नेशनल अवॉर्ड को आगामी चुनाव से जोड़कर कांग्रेस ने विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस ने इस अवॉर्ड को सीधे तौर पर बिहार की राजनीति और मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने की भाजपा की रणनीति से जोड़ दिया है।

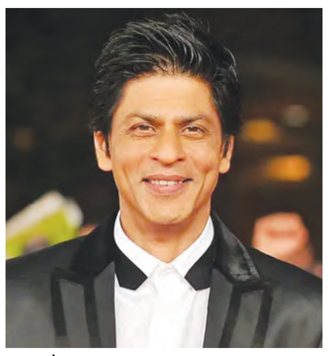

कांग्रेस के इस तीखे आरोप से बिहार की चुनावी पिच पर एक नया राजनीतिक मुद्दा गरमा गया है। दरअसल, महाराष्ट्र कांग्रेस के विधायक भाई जगताप ने यह कहकर विवाद को जन्म दिया कि शाहरुख खान को दिया गया यह सम्मान बिहार चुनाव से प्रेरित है। जगताप का स्पष्ट आरोप है कि भाजपा की अगुवाई वाला एनडीए गठबंधन चुनावी लाभ लेने और अल्पसंख्यक समुदाय के मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए शाहरुख खान को माध्यम बना रही है। उन्होंने कहा कि "शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड चुनाव की वजह से दिया गया है," और यह "मुस्लिमों को लुभाने के लिए" किया गया है। कांग्रेस का तर्क है कि बिहार के सीमांचल और अन्य मुस्लिम बहुल इलाकों में अल्पसंख्यक वोटरों को प्रभावित करने के लिए भाजपा ऐसे बड़े मुस्लिम चेहरे का इस्तेमाल कर रही है, जिनकी राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी लोकप्रियता है। कांग्रेस यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि भाजपा 'सांस्कृतिक तुष्टीकरण' के जरिए राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। हालांकि, कांग्रेस विधायक के इस बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है और उन्हें तुरंत निशाने पर ले लिया है।

भाजपा नेताओं ने इसे पुरस्कारों का अपमान और तुच्छ राजनीति करार दिया है। भाजपा का कहना है कि एक राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित कलाकार को मिले सम्मान को चुनावी चश्मे से देखना कांग्रेस की निम्न-स्तरीय मानसिकता को दर्शाता है। भाजपा नेताओं ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा हर चीज में सांप्रदायिकता ढूंढती है और देश के सम्मान को राजनीति के तराजू पर तौलती है।

डॉ रोहिणी घावरी ने चंद्रेशखर आजाद को बताया बेवड़ा, आखिर उस कांच की ग्लास में क्या था?

बिजनौर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर एक युवती न्याय की गुहार लगा रही है। डॉ। रोहिणी घावरी ने एक्स पर सांसद चंद्रशेखर आजाद से जुड़े वीडियो पोस्ट किए हैं। इस वीडियो में नगीना सांसद कोई ड्रिंक पीते नजर आ रहे हैं। रोहिणी ने वीडियो पोस्ट करते हुए चंद्रशेखर आजाद को बेवड़ा बताया है वहीं, भीम आर्मी चीफ के समर्थकों का दावा है कि वो ग्रीन टी पी रहे हैं। फिलहाल इसको लेकर सोशल मीडिया पर बहस जारी है। इससे पहले रोहिणी घावरी ने चंद्रशेखर आजाद के नाम का जहर खाने की भी धमकी दी थी। दौर की पीएचडी स्कॉलर डॉ। रोहिणी घावरी नगीना सांसद पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा चुकी है। वह फिलहाल स्विट्जरलैंड में रह रही हैं। रोहिणी ने चंद्रशेखर पर कार्रवाई न करने को लेकर पुलिस और बीजेपी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। उन्होंने एक-दो नहीं बल्कि कई पोस्ट किए है। रोहिणी ने ताजा पोस्ट में लिखा है- 'इस अय्याश बेवड़े आदमी को मैं बहुजन आंदोलन के लायक बना रही थी, यही मेरी गलती है। इसने मुझे ही समाज के सामने बदनाम किया। पुलिस मेरी सुन नहीं रही है क्योंकि बीजेपी इसको बचा रही है। लेकिन समाज के सामने मैं साबित करूंगी की गलत मैं नहीं बल्कि ये है। बहुजन वाल्मीकि समाज की बेटी के साथ हुए षड्यंत्र का पर्दाफाश करती रहूंगी।' डॉ। रोहिणी घावरी ने पीएम नरेंद्र मोदी को टैग करके न्याय की गुहार लगाई है। रोहिणी ने लिखा है- 'पीएम मोदी जी आपके कार्यकाल का यह सबसे बड़ा कलंक होगा, जब एक वाल्मीकि दलित भारत की बेटी आपसे न्याय की गुहार लगाते हुए थक कर यूनाइटेड नेशन के मंच से अपना जीवन समाप्त करेगी। अपने ही देश में मुझे आत्मसम्मान की लड़ाई नहीं लड़ने दिया गया। जबकि आरोपी को लगातार दिल्ली पुलिस बचाती रही।' रोहिणी ने कहा कि मैं एक एफआईआर तक नहीं करा पाई। इसकी वजह है गंदी राजनीति। स्वाभिमानी बेटियों की आवाज कौन सुनेगा। मेरे अंतिम अलविदा का इंतजार करना। शायद मेरे मरने के बाद देश की बेटियों की आवाज सुनी जाए। वहीं, एक दूसरे पोस्ट के जरिये रोहिणी ने कहा कि बीजेपी चाहे तो दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल भेज सकती है।

रिकॉर्ड लाइए जरा: सिंगल बेंच के स्टे आर्डर पर डबल बेंच हैरान

क्या है हाईकोर्ट लखनऊ बेंच का यह पूरा मामला

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में खुर्रम नगर इलाके के कथित अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण से जुड़े मामले ने नया मोड़ ले लिया है। डबल बेंच ने सिंगल बेंच द्वारा पारित स्टे ऑर्डर पर गहरी नाराजगी जताई है और मामले के पूरे रिकॉर्ड को तलब कर लिया है। कोर्ट ने सवाल उठाया कि याचिका दाखिल होने के उसी दिन इमरजेंसी के आधार पर सुनवाई क्यों हुई, जबकि डबल बेंच ध्वस्तीकरण आदेश के अनुपालन न होने पर पहले से ही सख्त रुख अपना रही थी।

डबल बेंच ने कहा कि हम देखना चाहते है कि ऐसी क्या अर्जेंसी थी कि जिस दिन सिंगल बेंच के समक्ष याचिका दाखिल हुई, उसी दिन सुनवाई भी हो गई। अब मामले की अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को होगी। दरअसल, यह आदेश जस्टिस राजन रॉय व जस्टिस प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने हेमंत कुमार मिश्रा की ओर से वर्ष 2016 में दाखिल जनहित याचिका पर दिया। याचिका में कहा गया है कि सक्षम अधिकारी द्वारा 10 मई 2016 अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था। आदेश को दरकिनार करते हुए अवैध निर्माण को शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बना लिया गया।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिवक्ता ने बताया कि 2016 के आदेश के बाद बिल्डर की तरफ से कपाउंडिंग प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसे 2022 में ख़ारिज करते हुए नया ध्वस्तीकरण आदेश जारी किया गया। इस मामले में कोर्ट के 13 अगस्त 2025 के धवस्तिकरण आदेश को अमल में लाया जाता, इससे पहले ही 13 सितंबर को बिल्डर फारूक सिद्दीकी व एक अन्य की तरफ से याचिका दाखिल की गई और मांग की गई कि एलडीए वीसी के समक्ष धवस्तिकरण के विरुद्ध दाखिल याचिका के निस्तारण तक रोक लगा दी जाए। जिस पर सिंगल बेंच ने स्टे ऑर्डर पारित कर दिया।

इसके बाद कहा गया कि जिस दिन याचिका दाखिल हुई, उसी दिन अर्जेंसी के आधार पर उस पर सुनवाई भी हो गई इस मामले में डबल बेंच ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि ध्वस्तीकरण का आदेश पारित हुए तीन साल बीत चुके थे। ऐसे में मामले में क्या अर्जेन्सी थी कि उसी दिन याचिका पर सुनवाई हो गई। इतना ही नहीं यह याचिका एकल पीठ के समक्ष पोषणीय कैसे थी, यह भी चर्चा का विषय है। कोर्ट ने एलडीए वीसी से पिछले आदेश के अनुपालन की कॉपी भी तलब की है अस्थि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अगली सुनवाई में उपस्थित रहने को कहा है।

पटना हाईकोर्ट ने जजों के निजी वाहनों पर 'जज' बोर्ड लगाने पर दिखाई सख्ती, सरकार से मांगा जवाब

पटना, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य की निचली अदालतों के न्यायिक पदाधिकारियों द्वारा निजी वाहनों पर जज, न्यायाधीश, सब-जज, एडीजे जैसे बोर्ड/नेम प्लेट लगाने के मामले में पटना हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। मुख्य न्यायाधीश पी।बी।बजंतरी और न्यायाधीश आलोक कुमार सिन्हा की खंडपीठ ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। यह आदेश कानून के छात्र केशव कुमार झा की ओर से दायर लोकहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रफुल्ल कुमार झा ने अदालत को बताया कि 2019 में हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि किसी भी न्यायिक अधिकारी को अपनी निजी गाड़ी पर जज या अन्य किसी पदनाम वाला बोर्ड लगाने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में न्यायिक पदाधिकारी इस आदेश की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

याचिका में कहा गया है कि ऐसे बोर्ड का इस्तेमाल कर कई न्यायिक अधिकारी खुलेआम ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हैं और पुलिस अधिकारी भी उनके खिलाफ कार्रवाई करने से बचते हैं। इससे न केवल कानून का मज़ाक बनता है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा भी प्रभावित होती है। इस मामले में याचिकाकर्ता ने राज्य के विधि सचिव, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्रार (प्रशासन), बिहार ज्यूडिशियल अकादमी के निदेशक, बिहार स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के अध्यक्ष, परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव और राज्य परिवहन आयुक्त सहित कई अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया है।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) को आदेश दिया है कि वह आवेदिका रेबेका बर्धन की इंटरमीडिएट परीक्षा (2001) से संबंधित आंतरिक रिकार्ड में सुधार करे और सही अंक विवरण दिल्ली मेडिकल काउंसिल को तीन माह के भीतर उपलब्ध कराए।

न्यायाधीश पार्थ सारथी की एकलपीठ ने यह आदेश सुनाते हुए कहा कि बोर्ड ने कभी भी रेबेका के प्रमाणपत्रों की प्रामाणिकता पर सवाल नहीं उठाया। रेबेका ने 2001 में प्रथम श्रेणी से इंटर की परीक्षा पास की थी, जिसके आधार पर उन्होंने रूस से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की और भारत लौटने पर विदेशी मेडिकल स्नातकों की परीक्षा पास कर अस्पतालों में इंटर्नशिप भी पूरी की।

युवक ने नाबालिग प्रेमिका को मार डाला... फिर खुद ने भी दी जान

बुलंदशहर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर से लापता किशोरी को पकड़ने पहुंची मुजफ्फरनगर पुलिस की दबिश के दौरान गुरुवार तड़के डिबाई में दिल को दहला देने वाली वारदात हुई। हाईवे स्थित मोहल्ला सराय किशन चंद में पुलिस से घिर जाने पर प्रेमी और प्रेमिका ने छतों के रास्ते भागने की कोशिश की। लेकिन, तीन घरों की छत के बाद रास्ता न दिखने पर प्रेमी ने तमंचे से पहले प्रेमिका को सिर में गोली मारी और फिर खुद को भी गोली मार आत्महत्या कर ली। काफी देर तक को आवाज ना आने पर पुलिस ने छानबीन की तो दोनों के शव पड़ोसी की छत पर मिले।

पुलिस की मौजूदगी में हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। मुजफ्फरनगर के थाना छपार इलाके के एक गांव निवासी शख्स की 15 वर्षीय पुत्री 20 सितंबर को घर से लापता हो गई थी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की। जांच में सामने आया कि किशोरी को युवक प्रिंस (25) निवासी गांव फकरेड़ा, थाना भगवानपुर, जनपद हरिद्वार अपने साथ ले गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: क्रोध से भ्रम पैदा होता है और भ्रम से बुद्धि नष्ट होता है

मंत्री श्रीधर बाबू ने अनुसंधान की प्रगति का निरीक्षण किया

> लड़ाकू विमान 'सिम्युलेटर' निर्माण में हैदराबाद एक नवाचार की तैयारी में

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ड्रोन, मिसाइल, विमान के पुर्जे और रक्षा उत्पादों से देश का ध्यान आकर्षित करने वाला हैदराबाद एक और बड़े नवाचार की तैयारी में है। राज्य सरकार के अधीन टी-वर्क्स परिसर में एक लड़ाकू विमान उड़ान सिम्युलेटर विकसित किया जा रहा है। वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमान पायलटों के प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सिम्युलेटर अब तक अमेरिका और यूरोप से भारी कीमत पर आयात किए जाते थे, लेकिन अब इसकी आवश्यकता नहीं होगी।

इसके अलावा, हमारे पास शीर्ष देशों को निर्यात करने के लिए तकनीक भी होगी। वायुसेना में पायलट के रूप में चुने गए उम्मीदवारों को पहले उड़ान सिम्युलेटर का प्रशिक्षण दिया जाता है। ये सिम्युलेटर, विमान के उड़ान भरने के लिए एक कृत्रिम वातावरण बनाते हैं और विमान को वास्तव में हवा में उड़ाने का एहसास और अनुभव प्रदान करते हैं। कॉकपिट में बैठकर, बाहर से प्रशिक्षकों द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को नियंत्रित करना होगा। यह सिम्युलेटर टेक-ऑफ, लैंडिंग और उल्टी उड़ान जैसे सभी प्रकार के युद्धाभ्यासों का प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें लड़ाकू विमानों में पाए जाने वाले सभी इलेक्ट्रॉनिक और स्वचालित नियंत्रण प्रणालियां शामिल हैं। लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने के दृश्य सामने अर्धचंद्राकार स्क्रीन पर दिखाए जा रहे हैं। एक कंपनी ने इन सिमुलेटरों के निर्माण के लिए सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली हैं और व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। इसने रक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस के साथ अगले तीन वर्षों में पांच सिमुलेटरों की आपूर्ति के लिए बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। जहां हमारी वायु सेना द्वारा आयातित प्रत्येक लड़ाकू विमान सिम्युलेटर की लागत वर्तमान में 50 करोड़ रुपये तक है, वहीं एक्सियल एयरो इसे केवल 25-30 करोड़ रुपये में उपलब्ध कराता है। टी-वर्क्स में अनुसंधान कर रही यह कंपनी वायु सेना और नौसेना की आवश्यकताओं के अनुसार उड़ान सिमुलेटर बनाने के लिए तैयार है।

हाल ही में टी-वर्क्स का दौरा करने वाले आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने लगभग दो घंटे तक अनुसंधान की प्रगति का निरीक्षण किया और इंजीनियरों के साथ समीक्षा की। उन्होंने कम समय में जटिल अनुसंधान पूरा करने और ऑर्डर प्राप्त करने के लिए इंजीनियरों की विशेष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने सुझाव दिया कि अत्याधुनिक सिमुलेटर जल्द से जल्द डिज़ाइन किए जाएं और हैदराबाद के विश्व शहर की शान को जेट की गति से आसमान तक ले जाएं। इन सिमुलेटरों की एक और खास बात यह है कि ये आयातित सिमुलेटरों की तुलना में उच्च मानक के हैं।

आयातित सिमुलेटर नीचे के पैडस्टल से सभी दिशाओं में केवल 30 डिग्री तक झुक और उठ सकते हैं। एक्सियल एयरो द्वारा डिजाइन किए जा रहे सिमुलेटर में एक स्टीवर्ट प्लेटफॉर्म है जो 360 डिग्री घूम सकता है। इससे वे सभी युद्धाभ्यास करना संभव हो जाता है जो लड़ाकू जेट उड़ाने वाले पायलट युद्ध के मैदान में दुश्मन से बचने के लिए करते हैं। यदि सिमुलेटरों का व्यावसायिक उत्पादन शुरू होता है, तो सहायक उद्योग उभरेंगे जो स्पेयर पार्ट्स प्रदान करते हैं। एमएसएमई क्षेत्र को भी लाभ होगा।

नकली आईएसआई मार्क वाले पीई पाइप जब्त

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा ने बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से बीआईएस मानक चिह्न का उपयोग करने के आरोप में एक पॉलीएथिलीन पाइप निर्माण इकाई पर छापा मारा। अधिकारियों ने लगभग 3 लाख रुपये मूल्य के 2,485 मीटर पाइप जब्त किए हैं, जिन पर धोखाधड़ी से नकली आईएसआई मार्क लगा हुआ था। बीआईएस ने लोगों को मानक चिह्न वाले उत्पादों को बिना सोचे-समझे खरीदने से आगाह किया और उनसे बीआईएस वेबसाइट या बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से लाइसेंस की वैधता सत्यापित करने का आग्रह किया। ब्यूरो ने चिह्न का दुरुपयोग या जालसाजी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

तेलंगाना लोक सेवा आयोग ने ग्रुप-I भर्ती का अंतिम परिणाम घोषित

562 उम्मीदवारों का हुआ चयन

हैदराबाद, 25 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) ने बुधवार देर रात ग्रुप-I सेवाओं की भर्ती का अंतिम परिणाम जारी कर दिया। इस भर्ती में कुल 563 पद निकाले गए थे, जिनमें से 562 उम्मीदवारों का अनंतिम रूप से चयन हुआ है। एक पद का परिणाम न्यायालयीन मामले की वजह से रोक दिया गया है।

आयोग ने बताया कि चयनित उम्मीदवारों की सूची आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। साथ ही आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर बाद में किसी उम्मीदवार की ओर से गलत जानकारी देने या किसी चूक का मामला सामने आता है, तो उसका चयन रद्द किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में उम्मीदवार को चयन से जुड़ा कोई भी लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा आयोग ने कहा कि वह नियमों के तहत जरूरत पड़ने पर उचित कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

वरिष्ठ नागरिक शक्ति और बुद्धिमत्ता के सच्चे स्तंभ : पुलिस आयुक्त

वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'गोल्डन केयर' पहल

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट और राचकोंडा सुरक्षा परिषद (आरकेएससी) ने 'गोल्डन केयर- केयर फॉर दिस हू केयर अस' नामक एक अग्रणी पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य राचकोंडा कमिश्नरेट की सीमा के भीतर वरिष्ठ नागरिकों को देखभाल, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना है।

आरकेएससी के अध्यक्ष, पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू के नेतृत्व में, यह कार्यक्रम नियमित आउटरीच विज़िट, नैतिक समर्थन, साइबर सुरक्षा जागरूकता और एसओएस सेटअप के साथ-साथ अस्पतालों के साथ गठजोड़ के माध्यम से चिकित्सा और आपातकालीन सहायता प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, पेंशन, चिकित्सा सहायता और स्वास्थ्य बीमा सहित सरकारी कल्याणकारी योजनाओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। राचकोंडा पुलिस वित्तीय घोटालों की रिपोर्ट करने, शारीरिक या भावनात्मक शोषण के मामलों की जांच और हस्तक्षेप करने, उपेक्षा और परित्याग के मामलों को सुलझाने, और खोई हुई वस्तुओं का पता लगाने या लापता व्यक्तियों को खोजने में भी सहायता प्रदान करेगी। यह पहल कानूनी प्रावधानों द्वारा समर्थित है, जिसमें धारा 144 बीएनएसएस भी शामिल है, जो जवाबदेही सुनिश्चित करती है। आश्रितों की उपेक्षा या भरण-पोषण से इनकार, और भरण-पोषण अधिनियम (धारा 4 और 5), जो वरिष्ठ नागरिकों को अपने बच्चों से सहायता प्राप्त करने का अधिकार देता है।

वरिष्ठ नागरिक वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन (14567) या राचकोंडा व्हाट्सएप नंबर (8712662111) के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। जी. सुधीर बाबू ने इस पहल के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, हमारे वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज में शक्ति और बुद्धिमत्ता के सच्चे स्तंभ हैं। गोल्डन केयर के माध्यम से, हम न केवल सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि करुणा, गरिमा और सम्मान भी प्रदान कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम में राचकोंडा के सभी उपायुक्त और राचकोंडा सुरक्षा परिषद के संयुक्त सचिव शिवा कराडी, मुख्य समन्वयक सावित्री, सूर्यनारायण और अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति, साथ ही आरकेएससी के ट्रैफ़िक मार्शल भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस नेक कार्य में अपना सहयोग दिया। गोल्डन केयर के दायरे का विस्तार करने और ज़रूरतमंद प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचने के लिए नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी।

एसीबी ने रिश्वत लेने वाले साइट इंजीनियर को पकड़ा

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), वारंगल इकाई ने आज तेलंगाना राज्य शिक्षा एवं कल्याण अवसंरचना विकास निगम (टीजीईडब्ल्यूआईडीसी), जनगांव उप-मंडल, वारंगल जिले के कार्यालय में साइट इंजीनियर (आउटसोर्सिंग) समाला रमेश को उनके कार्यालय में रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता से आधिकारिक पक्षपात दिखाने के लिए 18,000 रुपये की मांग की थी- विशेष रूप से कोडकंडला स्थित जिला स्वास्थ्य सेवा में एक विज्ञान प्रयोगशाला के निर्माण के लिए "प्रधानमंत्री श्री अनुदान योजना" के तहत किए गए कार्यों के अंतिम बिल को संसाधित करने और अग्रेषित करने के लिए।

इससे पहले, आरोपी ने फोनपे के माध्यम से 10,000 रुपये का प्रारंभिक भुगतान स्वीकार किया था। 25 सितंबर को, उसने शेष 8,000 रुपये स्वीकार किए, जो उसके कब्जे से बरामद किए गए। इस तरह के भ्रष्ट आचरण में लिप्त होकर, आरोपी अधिकारी ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अनुचित और बेईमानी से काम किया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और वारंगल स्थित विशेष पुलिस और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसपीई) मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले की जाँच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता का विवरण गुप्त रखा गया है।

छात्रावास में छात्र ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 25 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके हयातनगर स्थित एक छात्रावास में बुधवार रात एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय अनिल कुमार हयातनगर के एक कॉलेज से डिप्लोमा द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। वह हयातनगर स्थित एक आईटी हॉस्टल में रह रहा था। बुधवार शाम को लड़का अपने कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया और उसे चिकित्सा सहायता के लिए पास के छात्रावास में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नए भवन का भूमिपूजन, 100 एकड़ में निर्माण कार्य शुरू

मुख्य न्यायाधीश ने परिसर का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह ने बुधवार को राजेंद्रनगर में नए उच्च न्यायालय भवन के निर्माण के लिए आवंटित परिसर का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर का विस्तृत निरीक्षण भी किया। राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए 100 एकड़ भूमि आवंटित की है। भूमिपूजन समारोह में उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता ए. सुदर्शन रेड्डी, मुख्य प्रधान सचिव (आर एंड बी) विकास राज, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और अन्य सदस्य, तथा डीईसी इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रबंध निदेशक अनिरुद्ध गुप्ता उपस्थित थे।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, डीईसी इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा 1,550 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से यह निर्माण कार्य किया जाएगा और इसे तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है।

स्मिता सभरवाल को तेलंगाना उच्च न्यायालय से अंतरिम राहत

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल को कालेश्वरम सिंचाई परियोजना मामले में अंतरिम राहत प्रदान की।

न्यायालय ने न्यायमूर्ति पी.सी. घोष आयोग की रिपोर्ट के आधार पर अधिकारियों को उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से रोक दिया। सभरवाल ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर आयोग के निष्कर्षों को चुनौती दी, जिसमें कथित तौर पर उन्हें करोड़ों रुपये की कालेश्वरम परियोजना में अनियमितताओं से जोड़ा गया था। उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि उनकी याचिका पर अन्य संबंधित मामलों के साथ सुनवाई की जाए और स्पष्ट किया कि मामले की पूरी तरह से जाँच होने तक उनके खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू नहीं की जानी चाहिए।

सचिवालय की महिला कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ बतुकम्मा मनाया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला कर्मचारियों ने गुरुवार को सचिवालय में बतुकम्मा का भव्य आयोजन किया। मंत्री सीतक्का और कोंडा सुरेखा मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने इस उत्सव में भाग लिया। बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों ने बतुकम्मा गतिविधियों में भाग लिया और आनंदपूर्वक हिस्सा लिया। मंत्री सीतक्का ने महिलाओं के साथ बतुकम्मा खेल खेला और सभी कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। मंत्रियों के साथ शिक्षा सचिव योगिता राणा, महिला एवं बाल कल्याण सचिव अनीता रामचंद्रन और सचिवालय महिला कर्मचारी कल्याण संघ की अध्यक्ष रामद भी मौजूद थीं।

किसानों के दर्द के प्रति सरकार संवेदनशील : पोंगुलेटी

मंत्री ने ग्रीन फील्ड हाईवे कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास और सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि खम्मम-देवरापल्ली ग्रीन फील्ड हाईवे का निर्माण तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि सरकार उन किसानों के दर्द के प्रति संवेदनशील है जो इस परियोजना के तहत अपनी जमीन खो देंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके भूमि अधिकारों को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने गुरुवार को पेनुबल्ली मंडल के मुतागुडेम में राजमार्ग कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर, उन्होंने एनएचएआई अधिकारियों को किसानों की मांग के अनुसार, जमीन खोने वाले किसानों को पहले से दी जा रही कीमत के अतिरिक्त 12 प्रतिशत मुआवजा देने का आदेश दिया। मंत्री ने सुझाव दिया कि राजमार्ग निर्माण के दौरान किसानों की जो जमीनें टुकड़ों में बची थीं, उनका भी मुआवजा दिया जाना चाहिए। (उन्होंने सर्विस रोड बनाने के निर्देश दिए ताकि किसानों की खेती में कोई बाधा न आए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जरूरी नालियां भी बनाई जाएं। इस कार्यक्रम में सतुपल्ली विधायक मट्टा रागमयी, वैरा विधायक रामदास नायक, ज़िला कलेक्टर अनुदीप दुरीसेट्टी, एनएचएआई के अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

22 वैज्ञानिक स्टैनफोर्ड/एल्सेवियर शीर्ष 2 प्रतिशत सूची में शामिल

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित एल.वी. प्रसाद नेत्र संस्थान (एलवीपीईआई) के 22 नैदानिक वैज्ञानिकों ने 2025 स्टैनफोर्ड/एल्सेवियर शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल होकर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

इसमें सात शोधकर्ताओं ने आजीवन रैंकिंग में और 15 ने 2025 की वार्षिक रैंकिंग में स्थान पाया। आजिवन रैंकिंग में शामिल एलवीपीईआई के सात नेत्र शोधकर्ता गुल्लापल्ली एन. राव, डॉ. सावित्री शर्मा, प्रोफेसर डी. बालासुब्रमण्यम, डॉ. मोहम्मद जाविद अली, डॉ. प्रशांत गर्ग, डॉ. ताराप्रसाद दास और डॉ. स्वाति कालिकि हैं। वार्षिक रैंकिंग में जगह बनाने वाले 15 शोधकर्ताओं में डॉ. मोहम्मद जाविद अली, डॉ. स्वाति कालिकी, डॉ. सावित्री शर्मा, डॉ. प्रशांत गर्ग, डॉ. सयान बसु, डॉ. रोहित खन्ना, डॉ. गुल्लापल्ली एन. राव, डॉ. स्वाति सिंह, डॉ. ताराप्रास, डॉ. जिल एलिजाबेथ कीफे, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. पावब कुमार वेरकिचार्ला, डॉ.डी. बालासुब्रमण्यम, डॉ. मिलिंदा नीलकांत नाइक और डॉ. सुभद्रा जलाली शामिल हैं।

जीएम ने स्वच्छता वॉकथॉन का नेतृत्व किया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रव्यापी 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान के तहत, दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल ने 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' थीम पर 'वॉकथॉन और श्रमदान अभियान' का आयोजन किया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने स्वच्छता शपथ दिलाई और सिकंदराबाद स्थित रेलवे खेल परिसर से कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (निर्माण) राजेश अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, स्काउट और गाइड, छात्र और खिलाड़ी इस पहल में शामिल हुए, जिसमें पौधारोपण अभियान भी शामिल था। यह अभियान पांच क्षेत्रों स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) का परिवर्तन- उपेक्षित क्षेत्रों की सफाई, स्वच्छ सार्वजनिक स्थान- स्टेशनों और अधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में स्वच्छता, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर- स्वास्थ्य शिविर और पीपीई वितरण, स्वच्छ हरित उत्सव- शून्य-अपशिष्ट, पर्यावरण-अनुकूल समारोह और वकालत अभियान- स्वच्छ सुजल गांव, अपशिष्ट से कला, स्वच्छ स्ट्रीट फूड, आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज़, रीसाइकिल) केंद्र पर केन्द्रित है। दक्षिण मध्य रेलवे ने 6,200 केंद्रीय अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों (सीटीयू) की पहचान की है, जिनमें से 2,150 का रूपांतरण हो चुका है। अब तक 118 जागरूकता कार्यशालाएँ और 64 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 4,531 पीपीई किट वितरित किए गए हैं। 4,300 से अधिक व्यक्तियों ने श्रमदान गतिविधियों में भाग लिया है।

अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र की स्थापना कर रहे हैं : कोमटिरेड्डी

> मंत्री ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने पर वरिष्ठ प्रशिक्षक को सम्मानित किया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने एनएसी की वरिष्ठ प्रशिक्षक नक्का स्नेहलता को भारत के राष्ट्रपति से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी है।

यह पुरस्कार कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में कौशल प्रशिक्षण और युवा सशक्तिकरण में उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदान किया गया। स्नेहलता ने गुरुवार को मंत्री आवास स्थित उनके कैंप कार्यालय में उनसे मुलाकात की, जहां उन्होंने उन्हें शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कोमटिरेड्डी ने कौशल विकास कार्यक्रमों में उनके असाधारण योगदान, विशेष रूप से बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें रोजगारपरक कौशल से लैस करने के उनके प्रयासों की सराहना की, जिससे उनके लिए रोजगार और आजीविका के महत्वपूर्ण अवसर खुले हैं। मंत्री ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनता की सरकार आर्थिक विकास और सामाजिक उत्थान के प्रमुख चालक के रूप में कौशल विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा, हमारे युवाओं को आधुनिक, उद्योग-अनुकूल कौशल से लैस करके उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाना इस सरकार के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है।

हम पूरे तेलंगाना में अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र स्थापित कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक युवा को सीखने, आगे बढ़ने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिले। उन्होंने घोषणा की कि नलगोंडा में जल्द ही एक नए, उन्नत कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन किया जाएगा, जो स्थानीय युवाओं को वैश्विक कार्यबल मानकों के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से अत्याधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने आगे कहा, यह आगामी केंद्र प्रतिभाओं को पोषित करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और रोजगार एवं उद्यमिता के मार्ग प्रशस्त करने के लिए आधुनिक सुविधाओं और उन्नत तकनीक से लैस होगा। स्नेहलता की समर्पित सेवा को याद करते हुए, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि एनएसी के माध्यम से, उन्होंने वारंगल, करीमनगर और जगतियाल सहित कई जिलों में प्रमाणपत्र और व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे हजारों बेरोजगार युवाओं को लाभ हुआ है। कोमटिरेड्डी ने कौशल संवर्धन और रोजगार सृजन के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में एनएसी को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, स्नेहलता की सफलता हमारे सभी प्रशिक्षकों और संकाय सदस्यों के लिए प्रेरणा है। उनकी मान्यता राष्ट्रीय स्तर पर तेलंगाना की कौशल विकास पहलों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है।

रूपसागर शॉपिंग माल का शुभारम्भ

हैदराबाद, सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। काँटेदान स्थित भाग्यनगर के हृदय स्थल पर बुधवार 24 सितम्बर को पंडित के मंत्रोच्चारण, पूजा-अर्चना कर अतिथियों द्वारा भव्य शुभारम्भ किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रबंधक केवलराम देवासी ने बताया कि बतौर मुख्य अतिथि राजेन्द्रनगर विधायक टी.प्रकाश गौड़, महेशवरम विधायक सबिता इन्द्रा रेड्डी, राजस्थान से आए रानीवाडा विधायक रतनदेवासी, पूर्व विधायक लूणी महेन्द्रसिंह बिश्नोई, प्रदेश संयोजक भाजपा पशुपालक प्रकोष्ठ राजस्थान जगदीश देवासी, ए.पी.महाजन बैंक डाइरेक्टर शंकरसिंह राजपुरोहित, पर्यायवरण वन एवं जलवायु संवर्धन परिषद चैयरमैन जामताराम चौधरी, ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

प्रबंधक केवलराम देवासी, जयराम देवासी ने अतिथियों का राजस्थानी शॉल, साफा व मोमेन्टो भेंटकर विशेष सम्मान किया । बतौर मुख्य अतिथि टी.प्रकाश गौड़ ने शोरुम के शुभारम्भ पर प्रबंधकों को शुभकामनाँए दी।

प्रबंधक केवलराम देवासी ने सम्मानित अतिथियों व शुभचिंतक ग्राहकों का हार्दिक आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि ग्राहकों की माँग व फैशन को मध्य नज़र रखते हुए एक ही छत के नीचे फैन्सी साडियाँ, शूटींग-शर्टिंग, राजस्थानी सूट एवं पोशाक, ओड़णी, धोती-कुर्ता अन्य आधुनिक डिजाईन के आईटम होलसेल एंड रिटेल दरों में उपलब्ध कराएंगे ।

शुभारम्भ कार्यक्रम में सीरवी समाज के मोहनलाल हाम्बड़, प्रकाश आगलेचा, पुखराज चोयल, आशाराम गहलोत, खंगारसिंह लचेटा, जसवंत देवड़ा, जगदीश काग,शंकरलाल चौधरी, अमित काग, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, सतपाल जाट, हीरालाल सेणचा, गोविंदराम पँवार, दिलीप आगलेचा, चेनाराम सीरवी, सोहनसिंह राजपुरोहित, कैलाश शर्मा, हरिकिशन, विशाल श्रीमाली, जितेन्द्र साँखला, रुपेश कच्छावा, कालूराम देवासी, माणक देवासी, जगदीश देवासी, किशनलाल देवासी, साँवल पटेल, भीकाराम, बहादुर गुर्जर व अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे राजलक्ष्मी टेक्सटाईल ग्रूप के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

लेह में हिंसा पर मीरवाइज उमर फारूक का बड़ा बयान

'उम्मीद है कि लद्दाख के लोगों से किए गए वादों का सम्मान किया जाएगा'

लेह, 25 सितंबर (एजेंसियां)। लद्दाख के लेह में बुधवार को हुई हिंसा के बाद प्रशासन सख्त है। इस बीच हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने गुरुवार (25 सितंबर) को कहा यह जम्मू कश्मीर को विभाजित करने और दर्जा घटाने के एकतरफा फैसले का नतीजा हैं। मीरवाइज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''लद्दाख में प्रदर्शनों में लोगों की जान जाने से बेहद दुखी हूं। जम्मू कश्मीर राज्य को विभाजित करने और उसका दर्जा घटाने के एकतरफा फैसले और उसके बाद वहां के लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं करने के ये दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम हैं।''उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार लद्दाख के लोगों से किए गए वादों को पूरा करेगी। मीरवाइज उमर फारूक ने कहा, ''उम्मीद है कि लद्दाख के लोगों से किए गए वादों का सम्मान किया जाएगा और लोगों की जानें बचेंगी।'' लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की तरफ से बुधवार को बंद के दौरान दिन भर हुई झड़पों में चार लोग मारे गए और कम से कम 80 लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी कार्यालय और कई वाहनों को आग लगा दी थी, साथ ही हिल काउंसिल मुख्यालय में तोड़फोड़ की थी। लेह एपेक्स बॉडी लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर किए गए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन का समर्थन कर रही है। हिंसा के बाद प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया और कम से कम 50 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं सोनम वांगचुक ने 15 दिन से जारी अपनी भूख हड़ताल बुधवार को समाप्त कर दी थी। एक पुलिस अधिकारी ने न्यूज़ एजेंसी पीटीआई को बताया कि कर्फ्यू ग्रस्त इलाकों में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

'बीजेपी में आना चाहें तो स्वागत है'

गोंडा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा में आज गुरुवार (25 सितंबर) को नंदनी नगर में आयोजित तीन दिवसीय सांसद खेल महोत्सव का उद्घाटन बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने किया। इस दौरान बीजेपी सांसद करण भूषण ने मीडिया से बात करते हुए सीतापुर जेल से जमानत पर बाहर आए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को लेकर भी बड़ा बयान दिया। बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण ने आजम खान को बीजेपी में आने पर स्वागत की बात कही है।

बालाजी नगर स्थित श्री आईमाताजी बडेर में नवरात्रि के पावन अवसर पर जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए जीतू प्रजापत, पुष्पा सीरवी, मनीषा सीरवी। अवसर पर भजनों व भोजन प्रसादी का लाभ लेते हुए अध्यक्ष जयराम पंवार,सचिव हीरालाल चोयल, सोहनलाल पंवार, राजूराम बर्फा, अनिल बर्फा, राजूराम चोयल, नवयुक मित्रमंडल के सदस्य, एवं समाज बन्धु।

गांधीनगर में नवरात्रि महोत्सव के दौरान बवाल

दो समुदायों में झड़प-पथराव और आगजनी

गांधीनगर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के गांधीनगर में बुधवार की देर रात गरबा कार्यक्रम के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हो गई। यह विवाद एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर शुरू हुआ जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। झड़प के दौरान पथराव, आगजनी, भगदड़ और पुलिस पर हमला जैसी घटनाएं सामने आईं। घटना गांधीनगर जिले के दहेगाम के बहियाल गांव में हुई। हिंसा की शुरुआत एक कथित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हुई, जिसमें एक गांव के हिंदू समुदाय के युवक ने 'आई लव मोहम्मद' ट्रेंड के जवाब में 'आई लव महादेव' ट्रेंड कराने की बात कही थी।

इस पोस्ट से दूसरे समुदाय में नाराजगी फैल गई। इस समुदाय के कुछ लोग उस युवक की दुकान पर पहुंचे, लेकिन युवक वहां से भाग निकला। गुस्साए लोगों ने उसकी दुकान में तोड़फोड़ की और उसे आग के हवाल कर दिया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग दुकान में घुसकर उसे नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दुकान को जलाया, पुलिस वाहनों पर भी हमला

हिंसा के दौरान आठ से अधिक वाहनों को नुकसान पहुंचा, एक दुकान को जला दिया गया और पुलिस के दो वाहन भी भीड़ की हिंसा का शिकार हुए। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों पर भी भीड़ ने हमला किया। घटना के वायरल वीडियो में कुछ लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते और लोहे की रॉड लेकर भागते नजर आ रहे हैं। एक महिला की चीख सुनाई देती है, जो घबराकर शायद अपने बेटे को रही है।

भारी तादाद में पुलिस बल तैनात

इस हिंसा के बाद बहियाल गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि हालात काबू में रहें और आगे कोई घटना न हो। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन कई लोग घायल हुए हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही है और गिरफ्तारी की कोशिश में जुटी है। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी तरह की भड़काऊ या विवादित पोस्ट न करें और जांच में सहयोग करें।

कुल्लू में क्यों हो रहा भूस्खलन, क्या है वजह ?

एक्सपर्ट्स करेंगे 89 गांवों की स्टडी

कुल्लू, 25 सितंबर (एजेंसियां)। इस बार मानसूनी बारिश ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों ने मानसूनी आफत झेली। इन जिलों में ही कुल्लू जिला भी शामिल है। कुल्लू में इस बार बारिश ने शहरों से लेकर ग्रामीण इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया है। कई गांव अब भी पूरी तरह खतरे में हैं। अब उपायुक्त कुल्लू तोरुल एस रवीश ने एक कमेटी गठित की है। सडीएम की अध्यक्षता वाली इस कमेटी में छह सदस्य शामिल हैं।

कमेटी में राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल के आपदा विशेषज्ञ इसमें जीबी पंत भी शामिल हैं। इस कमेटी द्वारा कुल्लू जिले के भूस्खलन प्रभावित 89 गांवों का अध्ययन किया जाएगा। साथ ही भूस्खलन की वजहों का पता लगाया जाएगा। अगले साल मानसून से पहले इसकी रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसके अलावा गांवों को संरक्षित करने के उपाय भी खोजे जाएंगे।

बरसात के कारण यहां भारी तबाही मची

लगभग ढाई महीने तक हुई बरसात के कारण यहां भारी तबाही मची। साल 2023 की बाढ़ और आपदा की घटनाओं के दौरान कुल्लू में कई इलाके भू-धंसाव से प्रभावित मिले थे। जिला प्रशासन ने ऐसे संवेदनशील गांवों की पहले ही पहचान कर ली थी। इस बार 2023 के साथ-साथ नए क्षेत्र और गांवों का पता चला है, जो भूस्खलन को लेकर संवेदनशील हैं।

कमेटी में एसडीएम के अलावा कौन-कौन

उपायुक्त कुल्लू द्वारा गठित की गई कमेटी में एसडीएम, वन विभाग से एसीएफ या डीएफओ, खंड विकास अधिकारी, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर लोक निर्माण विभाग, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर जल शक्ति विभाग और राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल के विशेषज्ञ जीबी पंत शामिल हैं। कूल्लू के 71 पटवार सर्कलों में 89 भूस्खलन प्रभावित गांवों में सबसे अधिक निरमंड खंड के गांव हैं, जिनकी संख्या 29 है। इसके अलावा बंजार के 24, आनी के 19 गांव इसमें शामिल हैं। कुल्लू के 12 और मनाली खंड में पांच गांव शामिल हैं।

बीएमडब्ल्यू की 70 की टंकी में डाल दिया 76 लीटर तेल

निकालने पर मिला 57 लीटर; करनाल में गजब हो गया

करनाल, 25 सितंबर (एजेंसियां)। जीटी रोड पर अल्फा सिटी के समीप तेजेंद्रा पेट्रोल पंप पर डीजल में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। दोपहर को बीएमडब्ल्यू कार की 70 लीटर की टंकी में चालक को पेट्रोल पंप पर कार्यरत महिला कर्मचारी ने 76 लीटर तेल की पर्ची थमा दी। पर्ची देख हैरानी जताते हुए चालक ने कहा कि उसकी गाड़ी की टंकी ही 70 लीटर की है, तो इसमें 76 लीटर तेल कैसे डाल दिया गया? विवाद इतना बढ़ा कि पुलिस को बुलाना पड़ा। पुलिस की मौजूदगी में गाड़ी की टंकी से तेल बाहर निकाला गया तो यह 57 लीटर ही मिला। करीब दो घंटे तक यह हाई वोल्टेज हंगामा होता रहा है। पूरा घटनाक्रम इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

पर्ची देख हैरान हो गया चालक, टंकी में पहले था पांच लीटर

डीजल चालक रविंद्र ने बताया कि वह पेट्रोल पंप पर कार में डीजल डलवाने के लिए पहुंचा। पेट्रोल पंप पर महिला कर्मचारी थी। उसने उसे कहा कि कार की टंकी फुल कर दो। महिला कर्मचारी ने टंकी फुल कर दी। महिला कर्मचारी ने 76.70 लीटर डीजल की पर्ची उसके हाथ में थमा दी। चालक ने कहा कि यह कैसे हुआ? कार की टंकी तो 70 लीटर की है, आपने 76.70 लीटर डीजल कैसे डाल दिया? इस बात को लेकर पेट्रोल पंप पर बहस हो गई और मामला बढ़ने पर पुलिस बुलानी पड़ी।

कार की टंकी से 20 लीटर कम डीजल निकला

कार चालक रविंद्र ने बताया कि कई घंटे के बाद पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने कार से तेल निकालने की बात मानी। जब कार की टंकी से तेल निकाला तो वह 57 लीटर निकाला। इसमें जब वह पेट्रोल पंप पर तेल डलवाने आया था तब उसकी कार में पहले से ही पांच लीटर से अधिक तेल था। ऐसे में पेट्रोल कर्मचारी ने करीब 20 लीटर तेल की गड़बड़ी की है।

शिकायत आई तो करेंगे जांच: डीएफएससी

पेट्रोल पंप मैनेजर का कहना है कि अभी कार की टंकी में तेल बाकी है। मैकेनिक ने कहा कि टंकी खोलने के बाद ही पूरा तेल बाहर आएगा। मौके पर पहुंचे जांच अधिकारी एसआई संदीप ने बताया कि कार चालक जो शिकायत देंगे उस पर कार्रवाई की जाएगी।

चाय के कारखाने में घुसा भालू, मजदूरों पर किया हमला, छतरी ने बचाई जान

कोयम्बटूर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयम्बटूर में एक भालू चाय के कारखाने में घुस गया। भालू ने मजदूरों हमला कर दिया। हालांकि, मजदूर जैसे-तैसे छाते की मदद से अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। घटना वालपराई हिल स्टेशन की है। वालपाराई के चाय बागान में घुसकर एक भालू ने बागान के मजदूरों पर अचानक हमला बोल दिया। मजदूर ने अपने हाथों में रखी छतरी की मदद से किसी तरह भालू से पीछा छुड़ाया। हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वालपाराई के पास अय्यरबाड़ी इलाके में एक सनसनीखेज घटना घटी है। एक भालू अचानक चाय बागान के कारखाने में घुस आया। इससे

कारखाने के मजदूर और स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए। उस समय कारखाने के सामने खड़े कुछ लोगों को भालू ने देखा और डर के मारे उन पर हमला कर दिया। मजदूरों ने अपने हाथों में रखी छतरी से उसे दूर खदेड़ दिया। भालू घबरा गया और कुछ सेकंड के लिए इधर-उधर भटकता रहा, यह देखकर मजदूर घबरा कर भाग गए। इसके बाद भालू कारखाने से निकलकर पास के एक बगीचे में गायब हो गया। यह दृश्य वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया और अब वायरल हो रहा है। इस घटना की सूचना पाकर वन विभाग के अधिकारी चाय कारखाने पहुंचे हैं और भालू को ढूंढ़ा जा रहा है।

अचानक गुरुग्राम के कैफे पहुंचे राहुल गांधी, दे गए बड़ा सियासी मैसेज

गुरुग्राम, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अचानक गुरुग्राम का दौरा करने पहुंचे। कांग्रेस जिला अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी के आने की भनक तक नहीं थी। राहुल गांधी एयरपोर्ट से सीधे गैलेरिया मार्केट के टिज़िरो कैफे पहुंचे, जहां उन्होंने आम लोगों के साथ बैठकर कॉफी पी। राहुल गांधी अपनी इस गोपनीय यात्रा के दौरान करीब 50 मिनट तक हरियाणा में ही रुके, जहां उन्होंने लोगों से हरियाणा की राजनीति और गुरुग्राम की समस्याओं पर भी चर्चा की। वह रात करीब 8:30 बजे गैलेरिया मार्केट पहुंचे थे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का यह हरियाणा दौरा इतना गुप्त था कि इसकी खबर कुछ चुनिंदा लोगों के अलावा किसी को भी नहीं थी। इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने प्रदेश प्रवक्ता मनीष खटाना को अपने एसपीजी के जरिए बुलाया था।

मिल सकता है नया प्रदेश अध्यक्ष

अपनी इस गुप्त यात्रा के जरिए राहुल गांधी ने हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष को लेकर भी कुछ संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का नया सीएलपी लीडर और प्रदेश अध्यक्ष जल्द नियुक्त होगा। राहुल गांधी की इस तरह अचानक एंट्री होने से गुरुग्राम में सियासी हलचल बढ़ गई है।

यह पहली बार नहीं था जब राहुल गांधी हरियाणा में अचानक पहुंचे हों। इससे पहले भी वह कई बार गोपनीय दौरा कर चुके हैं, जिसमें सोनीपत, झज्जर जैसे इलाके शामिल हैं।

बचपन से टॉर्चर, मां ने छोड़ा घर रोज दर्द देती थीं ये बातें

बेटे ने पापा-दादा को मार डाला

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में रोजाना कई अपराध होते रहते हैं। अब अंधेरी में एक युवक ने अपने चाचा, पिता और दादा पर जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना में पिता और दादा की मौत हो गई। बाद में युवक थाने पहुंचा। वहां उसने पुलिस के सामने सरेंडर किया और कहा- मैं यातनाओं से परेशान आ चुका था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस दोहरे हत्याकांड ने शहरवासियों को झकझोर कर रख दिया है। जानकारी के अनुसार, यह भयावह घटना मंगलवार आधी रात के आसपास अंधेरी में हुई। आरोपी का नाम चेतन भात्रे है और उसकी उम्र 23 साल है। वह डिलीवरी बॉय का काम करता था। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने वाले चेतन ने बुधवार तड़के पुलिस स्टेशन आकर अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि उसने यह कृत्य इसलिए किया क्योंकि वह बचपन से मिल रही प्रताड़ना से तंग आ चुका था और गुस्से में था। इस हमले में चेतन के पिता मनोज (उम्र 57) और दादा (उम्र 79) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, चाचा अनिल गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। चेतन ने बताया- मेरे दादा, पिता और चाचा मुझे और मेरी मां को लगातार परेशान और प्रताड़ित करते थे। इसी प्रताड़ना से तंग आकर मेरी मां घर छोड़कर चली गईं। लेकिन फिर भी, वो तीनों नहीं सुधरे। बाद में पिता, दादा और चाचा शराब पीकर मुझे पैसों के लिए परेशान करते थे। उसने बताया कि वो उसकी और उसकी बहन की तनख्वाह भी छीन लेते थे। लेकिन मंगलवार को तो हद ही हो गई।

9 साल के बेटे को कार से बाहर लटकाया

पुलिस ने पूछा तो बोला- मस्ती कर रहा था, वीडियो वायरल

उज्जैन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसने लोगों को हैरान कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक पिता अपने 9 साल के मासूम बेटे को चलती कार में खिड़की से बाहर लटकाकर ले जा रहा था। बच्चा पूरी तरह से बाहर की ओर झुका हुआ था और कभी भी किसी हादसे का शिकार हो सकता था। इस खतरनाक हरकत को देखकर वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी चौंक गया। उसने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी और बताया कि एक कार में बच्चा खतरनाक तरीके से बाहर लटक रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और कुछ ही देर में कार को रोक लिया गया। कार रुकते ही पुलिस ने पिता से इस तरह की हरकत की वजह पूछी। पिता ने बेहद लापरवाही भरा जवाब

दिया। उसने कहा कि वह तो बस मस्ती में ऐसा कर रहा था। यह सुनकर पुलिसकर्मी नाराज हो गए और पिता को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने समझाया कि इस तरह की लापरवाही उसके बेटे की जान के लिए खतरा बन सकती थी और किसी भी पल बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने चेतावनी दी कि बच्चों के साथ इस तरह का खिलवाड़ करना कानून के खिलाफ है और इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

दुर्गा पंडाल के पास करंट से दो मासूमों की मौत, जांच दल गठित

जबलपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के बरगी हिल्स इलाके में दुर्गा पंडाल के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। करंट लगने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में मातम का माहौल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तिलवारा थाना क्षेत्र के बरगी हिल्स में यह घटना उस समय हुई, जब बच्चे पंडाल के पास खेल रहे थे। मृतकों की पहचान आयुष झारिया (08 वर्ष) और वेद श्रीवास (10 वर्ष) के रूप में की गई है। दोनों बच्चे करंट से झुलस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राज्य के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि घटना अत्यंत गंभीर है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रम्प बोले- मैं यूएन में तीन साजिशों का शिकार हुआ

संयुक्त राष्ट्र से जांच की मांग की, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस भी शामिल होगी

वॉशिंगटन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में मंगलवार को उनके साथ तीन बड़ी गड़बड़ियां हुई थीं। ट्रम्प ने इन्हें साजिश करार दिया है।

ट्रम्प ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, यूएन को अपने आप पर शर्म आनी चाहिए। कल संयुक्त राष्ट्र में सिर्फ एक नहीं, दो नहीं, बल्कि तीन बेहद संदिग्ध घटनाएं हुई हैं। उन्होंने यूएन महासचिव को पत्र लिखकर तुरंत जांच की मांग की है और कहा है कि के एस्केलेटर के सभी सुरक्षा कैमरों और इमरजेंसी स्टॉप बटन की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाए, क्योंकि सीक्रेट सर्विस जांच में शामिल होगी।

ट्रम्प के साथ यूएन में 3 गड़बड़िया

पहली घटनाः मुख्य फ्लोर तक जाने वाला एस्केलेटर अचानक रुक गया। ट्रम्प ने कहा कि यदि वे और मेलानिया हैंडल पकड़े नहीं रहते, तो हादसा हो सकता था। उन्होंने इसे साजिश बताया और जिम्मेदारों की गिरफ्तारी की मांग की। 80वें यूएनजीए सत्र में भाषण शुरू करते समय टेलीप्रॉम्प्टर काम नहीं कर रहा था। ट्रम्प ने कहा, एस्केलेटर के बाद अब टेलीप्रॉम्प्टर भी खराब। यह क्या जगह है? इसके बावजूद उन्होंने बिना टेलीप्रॉम्प्टर के 57 मिनट का भाषण दिया।

भाषण के बाद सभा हॉल में साउंड सिस्टम बंद था, जिससे दुनिया के अन्य नेताओं को ट्रम्प की बात सुनने के लिए ट्रांसलेटर के ईयरपीस का सहारा लेना पड़ा। ट्रम्प ने बताया कि भाषण के बाद मेलानिया ने कहा, "मैंने एक शब्द भी नहीं सुना।"

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड 25 सितंबर 2018 को ट्रम्प संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भाषण दे रहे थे। उन्होंने दावा किया कि 2 साल से भी कम समय में उन्होंने बाकी सभी अमेरिकी राष्ट्रपतियों से ज्यादा काम किया है।

ट्रम्प की बात सुनकर सभा में मौजूद दुनियाभर के नेता हंसने लगे। ट्रम्प ने न्यूजीलैंड की तत्कालीन पीएम जैसिंडा अर्डन को देखकर कहा- "मुझे ऐसे रिएक्शन की उम्मीद नहीं थी।

भारतीय मूल के शख्स ने यौन अपराधी की हत्या की

बोला- कोई पछतावा नहीं, वो इसके लायक था

कैलिफोर्निया, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में 29 वर्षीय भारतीय मूल के वरुण सुरेश ने एक यौन अपराधी की चाकू मारकर हत्या कर दी। फ्रेमॉन्ट पुलिस ने इसे जानबूझ कर किया जुर्म बताया।

पुलिस के मुताबिक 18 सितंबर को दो लोगों के बीच झगड़े की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहां 71 साल का डेविड ब्रिमर जमीन पर गिरा हुआ था, जिसके शरीर पर चाकू के कई घाव थे।

पुलिस और मेडिकल टीम ने उनकी जान बचाने की कोशिश की, लेकिन ब्रिमर की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल से एक चाकू बरामद हुआ और संदिग्ध सुरेश को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस जांच में पता चला कि सुरेश ने कैलिफोर्निया की मेगन लॉ वेबसाइट पर यौन अपराधियों की लिस्ट देखकर ब्रिमर को निशाना बनाया। ब्रिमर को 1995 में एक नाबालिग के साथ यौन अपराध करने के लिए दोषी ठहराया गया था। इसके लिए उसने नौ साल जेल की सजा काटी थी।

सुरेश ने पुलिस को बताया कि वह लंबे समय से ब्रिमर को सजा देने की योजना बना रहा था, क्योंकि उसका मानना था कि ऐसे लोग बच्चों को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्हें जीने का हक नहीं है, वो इसे के लायक था।

पुलिस के अनुसार, हत्या से ठीक एक घंटे पहले सुरेश ने मेगन लॉ वेबसाइट पर ब्रिमर की जानकारी देखी और उनके प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट लिया। उसने खुद को एक चार्टर्ड अकाउंटेंट बताकर एक बैग और नोटबुक के साथ ब्रिमर के घर पहुंचा ताकि उसका भरोसा जीत सके।

ब्रिमर की पहचान करने के बाद सुरेश ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। गिरफ्तारी के बाद सुरेश ने पुलिस को बताया कि उसे कोई पछतावा महसूस नहीं हो रहा है। उसने कहा कि उसे उम्मीद थी कि पीड़ित एक अपराधी था, इसलिए उसे सजा नहीं मिलेगी।

जबरन नसबंदी केस में डेनमार्क पीएम ने माफी मांगी

60 साल पहले महिलाओं को जबर्दस्ती गर्भनिरोधक डिवाइस लगाई गई थी

न्यूक, 25 सितंबर (एजेंसियां)। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने बुधवार को ग्रीनलैंड महिलाओं से 60 पहले जबर्दस्ती की गई नसबंदी के लिए माफी मांगी है। इस नसबंदी का मकसद ग्रीनलैंड की जनसंख्या कंट्रोल करना था, जिसे अब नस्लीय भेदभाव का प्रतीक माना जाता है। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का ही एक स्वायत्त क्षेत्र है, जिसका अपना ही पीएम है।

दरअसल, 1960 और 1970 के दशक में, डेनमार्क के डॉक्टरों ने लगभग 4,500 ग्रीनलैंड की महिलाओं और लड़कियों को जबर्दस्ती गर्भनिरोधक डिवाइस (आईयूडी) लगाए थे। इसे स्पाइरल केस के नाम से जाना जाता है।

फ्रेडरिक्सन जब माफी मांग रहीं थीं उस दौरान एक महिला ने विरोध में अपनी पीठ उनकी ओर कर ली थी। उस महिला के चेहरे पर काले हाथ का निशान बना था।

नाजा लाइबर्थ जिन्होंने सबसे पहले इस घोटाले के खिलाफ आवाज उठाई थी, उन्होंने कहा- आगे बढ़ने के लिए माफी बहुत जरूरी है। हालांकि, उन्होंने इस

बात पर नाराजगी जताई कि जांच में मानवाधिकार उल्लंघन की बात को शामिल नहीं किया गया।

मामले की जांच में पता चला कि उस वक्त 12 साल की लड़कियों को भी इस तरह के डिवाइस लगाए गए थे। इन महिलाओं को बाद में भारी दर्द, खून बहना,और कुछ को बांझपन जैसी समस्याएं झेलनी पड़ीं।

कई महिलाओं ने बताया कि जब उन्होंने दर्द की शिकायत की, तो डॉक्टरों ने उनकी मदद नहीं की। कुछ ने खुद ही आईयूडी निकालने की कोशिश की, जिससे परेशानी और बढ़ गई।

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन ने इस पूरे मामले पर कहा- आपसे कुछ नहीं पूछा गया। आपको बोलने और सुने जाने का मौका नहीं दिया गया। यह हमारे इतिहास का सबसे काला अध्याय है।

समारोह में मौजूद एक महिला ने कहा कि 'फ्रेडरिक्सन की माफी अच्छी है, लेकिन हमें सच्चाई और इंसाफ चाहिए। इस भाषण मुआवजे का कोई जिक्र नहीं होने से मुझे निराशा हुई।'

डेनमार्क पीएम ने पीड़ित महिलाओं के लिए एक 'मुआवजा फंड' बनाने की बात की, लेकिन यह क्लियर नहीं है कि यह कब और कितनी महिलाओं को मिलेगा। 143 महिलाओं के एक ग्रुप ने 50 करोड़ रुपए के मुआवजे के लिए मुकदमा दायर किया है। 2025 में आई एक जांच रिपोर्ट ने इस घोटाले की पुष्टि की और कहा कि यह मानवाधिकारों का उल्लंघन हो सकता है। इस मामले से जुड़ी एक और जांच रिपोर्ट 2026 में आएगी, जो यह तय करेगी कि इसे नरसंहार कहा जाए या नहीं। 150 साल तक डेनमार्क की कॉलोनी रहने के बाद ग्रीनलैंड 1953 में डेनमार्क का हिस्सा बना।

अमेरिका बोला-भारत किसी से भी तेल खरीदे, रूस से नहीं

हम भारत को सजा नहीं देना चाहते, यूक्रेन जंग खत्म कराना मकसद

वॉशिंगटन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने भारत से अपील की है कि वह रूस से कच्चे तेल का आयात करने पर दोबारा सोचे।

न्यूयॉर्क में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राइट ने कहा, आप दुनिया के किसी भी देश से तेल खरीद सकते हैं, बस रूस से नहीं। अमेरिका भी तेल बेचता है और बाकी देश भी। हम भारत को सजा नहीं देना चाहते, बल्कि युद्ध खत्म करना चाहते हैं और भारत के साथ अपने रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा और व्यापार सहयोग में भारत के साथ बहुत उज्ज्वल भविष्य है, लेकिन हमें मिलकर ऐसा तरीका निकालना होगा जिससे रूस पर दबाव डाला जा सके और यह युद्ध बंद हो।

राइट ने बताया कि उन्होंने हाल ही में विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की और भविष्य में सहयोग पर बातचीत शुरू की है।

रूस ने कहा था- हमारे तेल का कोई विकल्प नहीं

रूस ने अगस्त में कहा था कि उसके कच्चे तेल का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि यह सबसे सस्ता है। सीनियर रूसी डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने उस समय बताया कि भारत को रूसी तेल पर लगभग 5% की छूट मिल रही थी, जिससे उसे बड़ा मुनाफा हो रहा था।

बाबुश्किन ने यह भी कहा था कि भारत समझता है कि तेल आपूर्ति बदलने का कोई विकल्प नहीं है और अमेरिका द्वारा लगाए गए दबाव को भी गलत बताया।

यह बयान ऐसे समय में आया था जब भारत और अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ रहा था। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के चलते भारत पर 50% टैरिफ लगाया था।

रूसी तेल खरीदने से भारत पर एक्स्ट्रा 25% टैरिफ

ट्रम्प प्रशासन अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगा चुका है। इससे पहले उसने 25% रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50% हो गया है।

सस्ते रूसी तेल से भारतीय तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़ा

वित्त वर्ष 2020 में भारत अपनी जरूरत का केवल 1.7% तेल रूस से आयात करता था। ये हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 35.1% हो गई है। रूस से सस्ता तेल खरीदने का फायदा ऑयल कंपनियों के मुनाफे पर भी दिखा है।

नक्सल ठिकाने पर कार्रवाई

एसएलआर राइफल, 113 कारतूस और डेटोनेटर समेत हथियार बरामद

गिरिडीह, 25 सितंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में पुलिस और सीआरपीएफ को नक्सल विरोधी अभियान में सफलता मिली है। मधुबन थाना क्षेत्र के सतकीरा और पारसनाथ की पहाड़ियों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के ठिकाने से हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ 203 और 154 बटालियन की टीम ने जोकाई नाला और चीरवाबेड़ा इलाके में छापेमारी की। सुरक्षाबलों को एक एसएलआर राइफल और एक 3.3 राइफल मिली है। इसके अलावा 113 जिंदा कारतूस, करीब 700 मीटर कोडेक्स वायर और 23 डेटोनेटर भी बरामद हुए हैं। डुमरी अनुमंडल में पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान और तेज किया जाएगा।

यूनुस बोले- भारत और बांग्लादेश के बीच समस्याएं हैं

वो हमारे खिलाफ फेक न्यूज फैलाते, मुझे तालिबानी की तरह दिखाते हैं

ढाका, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने माना है कि बांग्लादेश और भारत के बीच दिक्कतें हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क में गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि शेख हसीना का भारत में होना दोनों देशों के संबंधों को मुश्किल बना रहा है, क्योंकि वे उनकी मेजबानी कर रहे हैं जिन्होंने यह सारी दिक्कतें पैदा कीं।

यूनुस ने आरोप लगाया कि भारत को छात्र नेताओं का काम पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा- "भारत हमारे खिलाफ फेक न्यूज फैला रहा है। तरह-तरह का प्रचार किया जा रहा है कि जैसे कि यह एक इस्लामी आंदोलन है जिसने बांग्लादेश पर कब्जा कर लिया है। वे कहते हैं कि मैं भी तालिबानी हूं।"

यूनुस ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (एसएएआरसी) के बारे में बताते हुए कहा कि, एसएएआरसी का असल मतलब है, कि आप हमारे देश में इन्वेस्ट

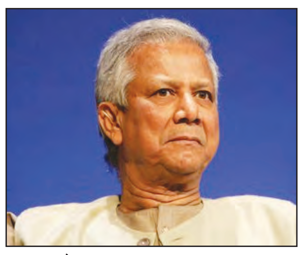

करे और हम आपके टेरिटरी में इन्वेस्ट करेंगे। एसएएआरसी ऐसे ही काम करता है। हम एक-दूसरे से बिजनेस के तौर पर जुड़े है। नेपाल अपने समुद्र के रास्ते से सामान इम्पोर्ट करता है, जिससे हम सभी को फायदा होता है।

उन्होंने आगे कहा, एसएएआरसी में हम सभी फैमिली की तरह हैं। एसएएआरसी का पूरा आइडिया ही बांग्लादेश की देन है, हमने इसे साउथ एशियन देशों में प्रमोट किया है। अब आप हमे इसका दुश्मन मान रहे है

यूनुस बोले कि एसएएआरसी में जितने भी देश हैं, वो एक दूसरे देश में घूमने जा सकते हैं, दोस्त बना सकते हैं, उन देशों के स्कूलों-कॉलेजों में पढ़ सकते हैं, बिजनेस कर सकते हैं। यहीं इसका पूरा आइडिया है। उन्होंने कहा कि ये 'एक देश की राजनीति में फिट नहीं बैठता' इसके लिए मुझे बुरा लगता है। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर किसी देश का नाम नहीं लिया। यूनुस ने 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। यह मुलाकात बुधवार को हुई, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों पर चर्चा हुई।

यह इन नेताओं की दूसरी मुलाकात थी, पहली मुलाकात पिछले साल यूएनजीए में हुई थी। बांग्लादेश में अगस्त 2024 में यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में नजदीकी बढ़ी है। पहले, शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के 15 साल के शासन में दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण थे। इसका कारण 1971 के नरसंहार, युद्ध अपराधों के मुकदमे और राजनीति मुद्दे थे।

पिछले महीने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने ढाका का दौरा किया, जो 13 साल में किसी पाकिस्तानी अधिकारी का पहला आधिकारिक दौरा था।

यूनुस ने न्यूयॉर्क में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब और कोसोवो की राष्ट्रपति वोजोसा ओस्मानी से भी मुलाकात की। यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने बताया कि ये मुलाकातें बहुत महत्वपूर्ण थीं और इनसे बांग्लादेश के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचे। फिनलैंड और इटली ने बांग्लादेश में अगले साल होने वाले चुनावों और लोकतांत्रिक बदलाव के लिए समर्थन का वादा किया।

डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा क्या कहा कि झट से तैयार हो गया रूस

बोला- हां! हम बिलकुल आपके साथ

मास्को, 25 सितंबर (एजेंसियां)। रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस मांग का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने जैविक हथियारों पर वैश्विक प्रतिबंध लगाने की वकालत की थी।

ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में कहा था कि वह हर देश से जैविक हथियारों के विकास को हमेशा के लिए समाप्त करने में हमारा साथ देने का आह्वान कर रहे हैं।

उन्होंने प्रस्ताव दिया कि अनुपालन की पुष्टि के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जा सकता है।

रूस ने खुलकर किया समर्थन

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने गुरुवार को कहा कि

रूस, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जैविक हथियारों पर व्यापक वैश्विक प्रतिबंध लगाने के आह्वान का समर्थन करता है। पेसकोव ने कहा कि रूस ट्रंप के बेहद महत्वपूर्ण आह्वान का स्वागत करता है और इसे एक शानदार पहल बताता है।

बोले- रूस जैविक हथियारों को छोड़ने को तैयार

उन्होंने कहा, स्वाभाविक रूप से, रूसी पक्ष जैविक हथियारों के त्याग की ऐसी प्रक्रिया, जैविक हथियारों के सामान्य त्याग में भाग लेने के लिए तैयार है, और निश्चित रूप से, इसे किसी तरह औपचारिक रूप देना, फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, अच्छा होगा।

अमेरिका-रूस में जैविक हथियारों को लेकर तनाव

रूस ने लगातार आरोप लगाए हैं कि अमेरिका ने यूक्रेन को जैविक हथियारों की लैब के रूप में इस्तेमाल किया है।

हालांकि, इसे लेकर रूस ने अभी तक कोई सबूत पेश नहीं किया है। रूसी सरकार का कहना है कि अमेरिका ने लंबे समय से अपने-अलग एजेंसियों के जरिए यूक्रेन में इन बायो लैब को स्थापित किया है, जो इंसानों को नुकसान पहुंचाने वाले हथियार विकसित करते हैं।

कनाडा पुलिस की खालिस्तानियों पर बड़ी कार्रवाई

पन्नू के राइट हैंड गोसल समेत 3 गिरफ्तार, डोभाल की बैठक का असर

ओटावा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा पुलिस ने खालिस्तानी आर्तकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कनाडा पुलिस ने पिछले हफ्ते तीन खालिस्तानियों को गिरफ्तार किया है। इनमें गुरपतवंत सिंह पन्नू का करीबी सहयोगी इंद्रजीत सिंह गोसल शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि तीनों को 19 सितंबर को ओंटारियो में ट्रैफिक स्टॉप ऑपरेशन के दौरान पकड़ा है। इन पर खतरनाक हथियार रखने का मामला दर्ज किया गया है। कनाडा में खालिस्तानियों के खिलाफ हालिया समय में की गई ये सबसे बड़ी कार्रवाई है। यह कार्रवाई अजित डोभाल की कनाडा की एनएसए के साथ बैठक के बाद की गई है।

एनडीटीवी के मुताबिक, पुलिस ने अपने बयान में कहा कि तीनों की गिरफ्तारी 19 सितंबर ओंटारियो में हार्मनी रोड के पास से हुई। इसके बाद आरोपियों को ओशावा स्थित ओंटारियो न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार तीनों व्यक्तियों पर खतरनाक हथियार रखने से संबंधित आरोप लगाए गए हैं। इनके नाम कैलेडन निवासी 36 वर्षीय इंद्रजीत गोसल, अमेरिका के न्यूयॉर्क के पिकविले निवासी 41 वर्षीय जगदीप सिंह और टोरंटो निवासी 23 वर्षीय अरमान सिंह है। कनाडा पुलिस की गिरफ्त में आए लोगों में इंद्रजीत सिंह गोसल का नाम सबसे खास है। गोसल खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का दाहिना हाथ माना जाता है। वह खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) में सक्रिय है। इंद्रजीत को नवंबर 2024 में पील क्षेत्रीय पुलिस ने ब्रैम्पटन के हिंदू मंदिर में हुई हिंसक झड़प के बाद भी गिरफ्तार किया था। हालांकि उस समय उसे सशर्त रिहाई दे दी गई थी। खालिस्तानी आतंकियों की गिरफ्तारी को कनाडा के बदले रवैये की तरह से देखा जा रहा है। कनाडा ने बीते वर्षों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात कहते हुए लगातार अपनी धरती पर खालिस्तानियों को मनमर्जी करने की इजाजत दी है। ऐसे में खालिस्तानी आंदोलन से जुड़े तीन अहम लोगों की गिरफ्तारी को कनाडा की मार्क कार्नी सरकार के रवैये में एक उल्लेखनीय बदलाव माना जा सकता है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बीते हफ्ते अपने कनाडाई समकक्ष नथाली ड्रोइन से दिल्ली में लंबी बातचीत की है।

चीन का जे-20 बनाम एफ-22 रैप्टर

अमेरिकी सेना और ड्रैगन की जंग में निर्णायक होंगे फाइटर जेट

बीजिंग, 25 सितंबर (एजेंसियां)। रूस से लेकर इजरायल तक दुनियाभर में ड्रोन युद्ध तेज होता जा रहा है। रूस और यूक्रेन एक-दूसरे पर भीषण ड्रोन हमले कर रहे हैं। वहीं यमन के हूती विद्रोही भी लगातार इजरायल की धरती पर ड्रोन भेजकर तबाही मचा रहे हैं। इसी वजह से ड्रोन को भविष्य का फाइटर जेट कहा जाने लगा है। वहीं अब एक्सपर्ट अमेरिका और चीन के युद्ध को लेकर बड़ी चेतावनी दे रहे हैं। असल में चीन और अमेरिका दोनों ही अब बहुत बड़े पैमाने पर पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट बना रहे हैं जिससे आने वाले समय में ताइवान को लेकर अगर कोई जंग छिड़ती है तो इनकी भूमिका बहुत अहम होगी। चीन जहां अपने J-20 फाइटर जेट का तूफानी रफ्तार से उत्पादन कर रहा है, वहीं अमेरिका ने भी इससे निपटने के लिए दुनिया के सबसे ताकतवर फाइटर जेट F-22 रैप्टर को अपग्रेड कर रहा है ताकि वे ज्यादा लंबे समय तक सेना में बने रहें।

एशिया टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और चीन दोनों ही अपने फाइटर जेट की संख्या को दोगुना करने में जुट गए हैं। वह भी तब जब ड्रोन तकनीक बेहद आधुनिक हो गई है। इसी महीने कई मीडिया सूत्रों से यह खुलासा हुआ है कि चीन की वायुसेना के पास कम से कम 300 चेंगदू जे-20 फाइटर जेट हो गए हैं।

इससे यह साबित होता है कि चीन बहुत तेजी से पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट बना रहा है। चीन ने जिलनि प्रांत में एक एयरशो के लिए इस नए नवेले फाइटर जेट को भेजा था जिस पर उसका नंबर 'CB10300' लिखा हुआ है।

युद्ध के बाद पद छोड़ने को तैयार

जेलेंस्की ने यूक्रेन को बर्बाद कर राष्ट्रपति पद से इस्तीफे की पेशकश की

कीव, 25 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि वह रूस के साथ युद्ध खत्म होने के बाद पद छोड़ने को तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी प्राथमिकता एक और कार्यकाल पाने के बजाए रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना है। दरअसल, यूक्रेन में लंबे समय से राष्ट्रपति चुनाव अटका हुआ है। उनसे लगातार देश में चुनाव कराने की मांग की जा रही है। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए जेलेंस्की ने कहा है कि वह अगला चुनाव नहीं लड़ेंगे और पूरा फोकस रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करवाने पर लगाएंगे। जेलेंस्की ने 2019 में यूक्रेनी राष्ट्रपति चुनाव जीता था, तब से वह इस पद पर बने हुए हैं।

उन्होंने एक्सियोस से बातचीत में कहा, मेरा लक्ष्य युद्ध समाप्त करना है, पद के लिए दौड़ना जारी रखना नहीं। यह टिप्पणी

उनके अब तक के सबसे स्पष्ट संकेतों में से एक है कि उनका अनिश्चित काल तक सत्ता में बने रहने का इरादा नहीं है। जेलेंस्की 2022 में रूस के पूर्ण आक्रमण के बाद वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हुए।

हालांकि, रूस उन्हें अक्सर यूक्रेन का अवैध नेता बताकर खारिज करता रहा है। रूस का आरोप है कि जेलेंस्की पश्चिम के मोहरे हैं, जिन्हें मॉस्को को अस्थिर करने के लिए राष्ट्रपति के पद पर बैठाया गया है। इस साल की शुरुआत में, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि क्रेमलिन किसी भी संभावित शांति समझौते पर ज़ेलेंस्की के हस्ताक्षर को स्वीकार नहीं करेगा।

जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में विश्व नेताओं से कहा कि दुनिया में ''मानव इतिहास की सबसे विनाशकारी शस्त्र दौड़'' चल रही है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को रूस के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करना चाहिए।

साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूरोप में अपने युद्ध का विस्तार करना चाहते हैं। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र जैसी कमजोर अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं यूक्रेन, गाजा और सूडान में युद्धों को रोकने में विफल रही हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून राष्ट्रों को बचाने के लिए पर्याप्त नहीं है। यूक्रेनी नेता ने कहा, ''सिर्फ हथियार और दोस्त ही सुरक्षा की गारंटी देते हैं।''

जेलेंस्की से एक दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित किया था और इस दौरान यूक्रेन के प्रयासों के प्रति समर्थन जताया और रूस की आलोचना की थी।

ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि उन्हें विश्वास है कि यूक्रेन, रूस के हाथों गंवाए सभी क्षेत्रों को वापस हासिल कर सकता है। यह बयान उनके पहले के रुख से अलग है, जब उन्होंने बार-बार युद्ध समाप्त करने के लिए कीव को रियायतें देने की अपील की थी।

गांजा तस्कर महिला की 38.50 लाख की प्रापर्टी फ्रीज

बिलासपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने गांजा तस्कर महिला की 38 लाख 50 हजार की प्रापर्टी को फ्रीज कर दिया है। पुलिस ने महिला और उसके बेटे को करीब दो माह पहले गांजा तस्करी करते पकड़ा था, जिसके बाद 50 दिनों की जांच के बाद उसके अवैध प्रापर्टी की जानकारी जुटाकर सफेमा कोर्ट मुंबई भेजा गया है। कोर्ट के आदेश के बाद महिला की संपत्ति को पुलिस जब्त करेगी।

दरअसल, बिलासपुर में एसएसपी रजनेश सिंह ने नशे का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ एंड टू एंड कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ ही पुलिस को उनके अवैध कमाई की जानकारी जुटाकर प्रापर्टी को भी फ्रीज करने कहा गया है। जिससे तस्करों को सबक मिले और उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर किया जा सके। पिछले जुलाई महीने में पुलिस ने गांजा सप्लाई करने वाली महिला, उसके बेटे समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जो अभी जेल में है। सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि, आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनकी संपत्ति की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी कांति पांडेय ने नशे के कारोबार से 15 लाख रुपए का मकान और चोरभट्टी में 21 लाख रुपए की जमीन खरीदी है। 50 दिन की जांच में अवैध संपत्ति की जानकारी जुटाकर मामले को सफेमा कोर्ट मुंबई में पेश किया गया है।

कोर्ट के आदेश पर संपत्ति जब्त की जाएगी। इस मामले में उत्कृष्ट जांच के लिए सुरेंद्र तिवारी को एसएसपी रजनेश सिंह ने इनाम देने की घोषणा की है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 26 सितंबर- 2025

बिहार की लड़ाई टिकट बंटवारे पर आई

राधा रमण

बिहार में विधानसभा चुनाव की लड़ाई टिकट बंटवारे पर आकर ठहर गई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) हो या इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) दोनों के सहयोगी दल एक अदद सीट के लिए एक दूसरे के विरोधी बने हुए हैं। ऊपर से दोनों गठबंधनों के नेता भले ही सार्वजनिक रूप से यह दावा करते हैं कि सब ठीक-ठाक है और सीट बंटवारे की कोई समस्या नहीं है। लेकिन भीतर ही भीतर खींचतान जारी है। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव अपेक्षित है। राज्य में 22 नवंबर से पहले सरकार का गठन जरूरी है, क्योंकि वर्तमान सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर को पूरा हो रहा है।

पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बात करते हैं। इस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। वर्तमान विधानसभा में उसके 80 विधायक हैं। दूसरे स्थान पर जनता दल (यूनाईटेड) है। उसके 45 विधायक हैं। तीसरे स्थान पर चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) है। विधानसभा में लोजपा का कोई विधायक नहीं है, लेकिन पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में उसका स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। उसे चुनाव लड़ने के लिए कुल पांच सीटें दी गई थीं और उसने सभी सीटों पर जीत हासिल की थी। चिराग दलित नेता स्व रामविलास पासवान के बेटे हैं और फिलहाल केंद्रीय सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। चौथे स्थान पर जीतनराम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा (हम) है। विधानसभा में उसके चार विधायक हैं। चिराग की तरह मांझी भी केंद्रीय सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। गठबंधन में आख़िरी पायदान पर उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोमो) है। कुशवाहा पिछले साल लोकसभा का चुनाव हार गए थे। बाद में भाजपा ने अपने कोटे से उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया है।

एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण भाजपा का दावा इस बार अधिक सीटों पर लड़ने का बनता है। लेकिन मुख्यमंत्री होने और गठबंधन का चेहरा होने के कारण जदयू इस बार भी बराबर सीटों सीटों का दावा कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में जदयू 115 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन उसे महज 43 सीटों पर जीत मिली थी। तब चिराग पासवान की लोजपा (आर) एनडीए के साथ नहीं थी। उसने चुन-चुनकर जदयू उमीदवारों के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिए थे। नतीजतन नीतीश कुमार की जदयू तीसरे स्थान पर खिसक गई थी। लोजपा (आर) के अधिकांश उम्मीदवार भाजपा के कार्यकर्ता थे और चुनाव परिणाम के बाद धीरे-धीरे भाजपा में शामिल हो गए। नीतीश और जदयू के नेता मन मसोस कर रह गए। इसलिए इस बार सीटों के बंटवारे में जदयू आर-पार के मूड में है। उसकी चाहत तो दोबारा 115 सीटों की है लेकिन भाजपा के लिए भी यह चुनाव करो या मरो सरीखा है। उधर चिराग पासवान 35 से 40 सीटों पर अड़े हुए हैं। इस बीच जीतनराम मांझी ने बता दिया है कि यदि उनकी पार्टी को 15-20 से कम सीटें मिली तो वह मजबूर होकर 100 सीटों पर उम्मीदवार उतार देंगे। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के सुप्रीमो उपेन्द्र कुशवाहा सीटों की संख्या तो नहीं बताते, लेकिन इतना जरूर कहते हैं कि अगर इस बार भी उन्हें डुबाने की कोशिश की गई, तो डुबाने वाले भी डूब जाएंगे। कुशवाहा लोकसभा चुनाव में हुई अपनी करारी हार को अब तक नहीं पचा पाये हैं।

एनडीए की तरह महागठबंधन में भी सीटों का पेंच सुलझता नजर नहीं आ रहा है। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अलावा कांग्रेस, भाकपा, माकपा, माले, झामुमो, मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) शामिल है। इसमें कांग्रेस ने 76 उम्मीदवारों के नामों के साथ अपनी सूची तेजस्वी यादव को सौंप दी है। महागठबंधन पर दबाव बढ़ाने के लिए कांग्रेस ने पटना में आजादी के बाद पहली बार अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक भी की है। पिछली बार कांग्रेस 70 सीटों पर लड़ी थी जिसमें 19 जीती थी। उसका स्ट्राइक रेट सबसे कम था। इस बार राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा निकालकर कांग्रेस ज्यादा उत्साहित है।

वीआईपी के मुकेश सहनी भी 60 सीटों का दावा कर रहे हैं। पिछली बार मनमुताबिक सीटें नहीं मिलने के कारण वह आख़िरी समय में महागठबंधन से अलग हो गए थे। बिहार में वामदलों (भाकपा, माकपा और माले) का स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा था। तीनों दलों ने 29 सीटें लड़कर 19 जीती थीं। इस बार वामदल भी 40 सीटें मांग रहे हैं। कांग्रेस को बिना मांगे सलाह देते हुए माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य कहते हैं कि ज्यादा सीटें लड़कर हार जाने से बेहतर कम सीटें लड़कर ज्यादा जीतना अच्छा होता है।

बिहार की लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने वाले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर सभी 243 सीटों पर लड़ने का दावा करते हैं। उनका प्रचार भी सभी सीटों पर चल रहा है। तीन साल से प्रशांत पूरे बिहार में घूमते रहे हैं। हालांकि उन्होंने अभी उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। संभवतः उनकी नजर दोनों गठबंधनों की सीटें घोषित होने पर है। जाहिर है जिसे कहीं जगह नहीं मिलेगी वह जनसुराज की तरफ झुकेगा। इस बीच प्रशांत ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, मंत्री मंगल पाण्डेय, मंत्री अशोक चौधरी और सांसद संजय जायसवाल भ्रष्टाचार के संगीन आरोप लगाकर बिहार की सियासत में भूचाल ला दिया है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हत्यारोपी बताते हुए उनकी शैक्षणिक डिग्री पर भी सवाल उठाये हैं। प्रशांत यहीं नहीं रुकने वाले हैं। वह कहते हैं की मेरे पास पुख्ता प्रमाण है। मैं बारी-बारी से सबकी पोल खोलूंगा। अब जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार, अशोक चौधरी से और पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह भाजपा के तीनों नेताओं से सफाई देने की मांग कर रहे हैं। चुनाव से पहले प्रशांत किशोर के आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो नुकसान तय है, क्योंकि जनता की नजर में प्रशांत का पलड़ा भारी दिखता है।

बहरहाल, गांव-गली से लेकर चौक-चौराहों पर सियासी चर्चा आम है। पिछले दिनों राजद ने बिहार अधिकार यात्रा निकाली थी जो दस जिलों जहानाबाद, नालंदा, मुंगेर, बेगुसराय, मधेपुरा, खगड़िया, सुपौल, समस्तीपुर, वैशाली होते हुए पटना में समाप्त हुई। फिलहाल भाजपा की 'चलो जीते हैं' रथयात्रा निकाली जा रही है। इसमें लोगों को प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित फिल्म दिखाई जा रही है। पिछले दिनों बाढ़ में इस रथयात्रा पर लोगों ने गुस्से में पथराव कर दिया था। दरभंगा और वैशाली में प्रधानमंत्री की मां को गाली देने का मामला भी बिहार में तूल पकड़ रहा है। और तो और, 15 सितंबर को पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करने गए प्रधानमंत्री ने खुद इस मुद्दे को धार दी। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार कहते हैं कि सभ्य समाज में गाली-गलौज ठीक बात नहीं है। लेकिन मैं पूछते-पूछते थक गया, भाजपा का कोई नेता अथवा मीडिया का कोई मित्र यह बताने को तैयार नहीं है कि सिरफिरे ने प्रधानमंत्री की माता जी को कौन सी गाली दी है।

मिग-21 की विदाई बेला

1965, 1971 की जंग में पाकिस्तान को बर्बाद देने वाला मिग-21 के विदाई की बेला आ गई। 62 साल का लड़ाका अब एयरफोर्स को कह 26 सितंबर को अलविदा कह देगा। छह दशक से अधिक समय तक देश की अनवरत सेवा करने वाले विमान को चंडीगढ़ में 26 सितंबर को विदाई दी जाएगी। बता दें कि इस फाइटर प्लेन के गौरवशाली इतिहास स्वर्णाक्षरों में लिखे जाने योग्य है। भारतीय वायुसेना के फाइटर बेड़े की ताकत रहे रूसी मूल के प्रसिद्ध लड़ाकू विमान मिग-21 चंडीगढ़ में आयोजित समारोह में रिटायर हो जाएगा। इस फाइटर प्लेन को 60 साल पहले वायुसेना में शामिल किया गया था। इसके संचालन का आधिकारिक समापन 26 सितंबर को एक औपचारिक फ्लाईपास्ट और सेवामुक्ति समारोह के साथ होगा। जो वायु शक्ति में एक ऐतिहासिक अध्याय के समापन का प्रतीक होगा। मिग 21 का उपनाम 'पैंथर्स' है। साल 1981 में भारतीय वायुसेना प्रमुख बने दिलबाग सिंह ने 1963 में यहां पहली मिग-21 स्क्वाड्रन का नेतृत्व किया था। मिग-21 वर्ष 1960 के दशक में अपनी शुरुआत से ही भारतीय वायुसेना का सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमान रहा है। यह इतिहास में सबसे अधिक, बड़े पैमाने पर निर्मित किए गए सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों में से एक है। इसके 11,000 से ज्यादा विमान 60 से अधिक देशों में इस्तेमाल किए जा चुके हैं। साल 1965 और 1971 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में मिग-21 की ताकत के सामने पाकिस्तान घुटने के बल झुकने को मजबूर हो गया था। 1971 की लड़ाई में विशेष रूप से 14 दिसंबर को ढाका में राज्यपाल के आवास पर हुए हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राज्यपाल ने अगले दिन इस्तीफा दे दिया। इसके बाद 16 दिसंबर को पाकिस्तान ने आत्मसमर्पण कर दिया और उसके 93,000 सैनिकों ने हथियार डाल दिए थे। साल 1999 के करगिल युद्ध और 2019 के बालाकोट हवाई हमलों में भी इस विमान ने अहम भूमिका निभाई थी। 1999 में ऑपरेशन सफेद सागर के तहत कारगिल में भी इस विमान के करामात को भला कौन भूल सकता है। उस समय मिग-21 ने भारतीय इलाके में घुसपैठ कर रहे एक पाकिस्तानी अटलांटिक विमान को मार गिराया था।' 2019 में यह फिर सुर्खियों में आया जब इसने एक एफ-16 को मार गिराया। भारतीय वायुसेना के लिए मिग-21 ने 'इंटरसेप्टर' के रूप में शानदार काम किया। एयरफोर्स चीफ एपी सिंह के अनुसार इसे 'इंटरसेप्ट' करने के लिए बनाया गया था और इस भूमिका में इसने भारत की उल्लेखनीय सेवा की। लेकिन इसकी तकनीक अब पुरानी हो चुकी है और उसका रखरखाव मुश्किल है। अब समय आ गया है कि तेजस, राफेल और सुखोई-30 जैसे नए प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ा जाए। मिग-21 विमानों के बारे में हाल ही में 'एक्स' पर एक पोस्ट में भारतीय वायुसेना ने कहा था कि छह दशकों का एक ऐसा योद्धा जिसने राष्ट्र के गौरव को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया। सेवा में 1960 के दशक में पहली बार शामिल किए जाने के बाद अपनी समग्र युद्ध क्षमता को बढ़ाने के लिए 870 से ज्यादा मिग-21 लड़ाकू विमान वायुसेना ने खरीदे थे। वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ रहे मिग-21 लड़ाकू विमानों ने एक महीने पहले बीकानेर के नाल स्थित वायुसैनिक अड्डे पर अपनी अंतिम उड़ान भरी थी। इस फाइटर प्लेन पर ट्रेनिंग ले चुके पायलटों की कई पीढ़ियों के लिए एक भावुक क्षण है। समय के साथ मिग-21 को एडवांस किया गया था। इनमें से सबसे हालिया 'बाइसन संस्करण' था, जो आधुनिक रडार और मिसाइलों से लैस था।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

योगेश कुमार गोयल

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं।

वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है। पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्यः आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

फलस्तीन की मान्यताः युद्ध से परे, शांति की तलाश

नृपेंद्र अभिषेक 'नृप'

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जब 14 मई 1948 को इज़रायल ने स्वयं को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में घोषित किया, तब अमेरिका ने मात्र ग्यारह मिनट के भीतर उसकी मान्यता दे दी। इसके बाद धीरे-धीरे अधिकांश देशों ने यहूदी राष्ट्र को वैधता प्रदान की और 1949 में वह संयुक्त राष्ट्र का सदस्य भी बन गया। लेकिन इसी भूभाग पर बसे फलस्तीनियों के लिए स्वतंत्र राष्ट्र का सपना आज तक अधूरा है। 1988 में जब फलस्तीन मुक्ति संगठन ने स्वतंत्र राज्य की घोषणा की, तब वैश्विक दक्षिण के कई देशों ने उसे मान्यता दी, किन्तु प्रभावशाली पश्चिमी देशों ने यह कहकर किनारा कर लिया कि मान्यता तभी दी जाएगी जब इज़रायल और फलस्तीन के बीच दो-राष्ट्र समाधान पर सहमति बनेगी। किंतु हाल के वर्षों में परिदृश्य बदलता दिख रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में फलस्तीन को आधिकारिक मान्यता प्रदान की है। यह कदम पश्चिम के भीतर उस सहमति के टूटने का संकेत है, जो 1948 से लगातार इज़रायल के पक्ष में झुकी हुई थी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि शांति की घड़ी आ चुकी है। इससे पहले पुर्तगाल, स्पेन, बेल्जियम, लक्समबर्ग जैसे कई यूरोपीय देश भी यह निर्णय ले चुके थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सही ही कहा कि ₹स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता फलस्तीनियों का अधिकार है, कोई उपहार नहीं।

युद्ध और मान्यता का द्वंद्व

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या मात्र मान्यता से युद्ध की आग बुझ जाएगी? इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस विचार को सिरे से खारिज करते हैं। उनका दावा है कि स्वतंत्र फलस्तीन राज्य का निर्माण आतंकवाद को पुरस्कृत करने के समान है। किंतु वस्तुस्थिति यह है कि लंबे समय से जारी दमन और सैन्य आक्रामकता ने फलस्तीनियों को हताश और विस्थापित कर दिया है। गाज़ा पट्टी पर लगातार बमबारी, वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों का विस्तार और बेगुनाह नागरिकों पर बढ़ते हमले न केवल मानवता के खिलाफ अपराध हैं, बल्कि यह पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं इज़रायल का यह रुख कि कभी भी फलस्तीन को राज्य का दर्जा नहीं दिया जाएगा, वास्तव में उस न्यायिक सिद्धांत के विपरीत है जिसे आधुनिक विश्व ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और जिनेवा कन्वेंशन के माध्यम से स्थापित किया। आत्मनिर्णय का अधिकार केवल इज़रायल का विशेषाधिकार नहीं हो सकता; फलस्तीनियों को भी उतना ही अधिकार है कि वे अपने भूभाग और भविष्य का निर्णय स्वयं करें।

पश्चिमी देशों का बदलता रुख

इतिहास गवाह है कि ब्रिटेन और फ्रांस ने इज़रायल की स्थापना में निर्णायक भूमिका निभाई थी। फ्रांस ने उसे शुरुआती वर्षों में परमाणु क्षमता तक हासिल करने में मदद दी। परंतु अब वही पश्चिमी शक्तियाँ धीरे-धीरे अपना रुख बदल रही हैं। इसका कारण केवल मानवीय संवेदनाएँ नहीं हैं, बल्कि यह भी है कि नेतन्याहू सरकार की अतिवादी नीतियाँ और गाज़ा पर अमानवीय हमले यूरोप की अंतरात्मा को झकझोर चुके हैं। ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा जैसे देशों द्वारा फलस्तीन की मान्यता, प्रतीकात्मक होने के बावजूद, अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह संकेत है कि पश्चिम अब केवल इज़रायल के साथ खड़े होकर अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। जब गाज़ा की गलियों में मलबे से बच्चों के शव निकाले जाते हैं, तब वैश्विक मानवता की संवेदनाएँ उद्वेलित होती हैं। यूरोप अब यह समझने लगा है कि नेतन्याहू का हमेशा युद्ध का रास्ता न केवल फलस्तीनियों बल्कि स्वयं इज़रायल के लिए भी विनाशकारी है।

अमेरिका और इज़रायल का समीकरण

आज भी अमेरिका इज़रायल का सबसे बड़ा और अडिग समर्थक है। हथियारों की आपूर्ति, आर्थिक मदद और राजनयिक संरक्षण, सब कुछ वाशिंगटन की ओर से उसे प्राप्त है। किंतु नेतन्याहू की आक्रामक नीतियों ने अमेरिका को भी असहज स्थिति में डाल दिया है। कतर और लेबनान पर हमले, गाज़ा में मानवीय संकट और वेस्ट बैंक में बस्तियों का लगातार विस्तार- इन सबने अमेरिका के पारंपरिक सहयोगियों तक को सोचने पर मजबूर कर दिया है। रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अब फलस्तीन की मान्यता के पक्ष में हैं। भारत समेत संयुक्त राष्ट्र के तीन-चौथाई सदस्य देश पहले ही ऐसा कर चुके हैं। इस परिस्थिति में अमेरिका के लिए यह रुख लंबे समय तक बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। यदि वाशिंगटन अपनी आँखें मूँदे रहेगा, तो एक दिन वह स्वयं वैश्विक मंच पर अलग-थलग पड़ जाएगा।

शांति की राह और भविष्य की चुनौतियाँ

मान्यता मिल जाने से तत्काल शांति स्थापित नहीं होगी, यह निर्विवाद है। नेतन्याहू का गठबंधन इतना कठोर है कि वह गाज़ा में रक्तपात रोकने को भी तैयार नहीं, दो-राष्ट्र समाधान की बात तो दूर की है। परंतु यह मान्यता केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं है; यह भविष्य की दिशा सूचक है। यह संकेत है कि अब दुनिया उस समाधान की ओर बढ़ रही है, जिसकी नींव 1948 में रखी गई थी।इज़रायल यदि वेस्ट बैंक में बस्तियों का विस्तार बंद नहीं करता, गाज़ा पर नाकाबंदी नहीं हटाता और फलस्तीनियों के लिए स्वतंत्र राज्य की राह नहीं खोलता, तो यूरोप को चाहिए कि वह तेल अवीव पर हथियारों की आपूर्ति रोक दे। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बिना नेतन्याहू जैसे नेता कभी भी झुकने वाले नहीं। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि नेता बदलते हैं, परिस्थितियाँ बदलती हैं और युद्ध की स्थायी स्थिति किसी भी राष्ट्र के हित में नहीं होती।

न्याय, मानवता और अधिकार की पुकार

फलस्तीन की मान्यता केवल कूटनीति का प्रश्न नहीं, बल्कि यह मानवाधिकार और न्याय का प्रश्न है।

हर राष्ट्र और हर समाज के लोगों को स्वतंत्रता और आत्मनिर्णय का वही अधिकार है, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर में दर्ज है। गाज़ा और वेस्ट बैंक के लोग दशकों से अपमान, विस्थापन और हिंसा झेल रहे हैं। उन्हें राष्ट्र का दर्जा देना केवल अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुपालन नहीं, बल्कि वैश्विक मानवता का कर्तव्य है। आज जब यूरोप के कई देश एकजुट होकर यह साहसिक कदम उठा रहे हैं, तब यह उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले वर्षों में यह मान्यता केवल कागज़ पर नहीं रहेगी। यह वह बीज बनेगी, जिससे भविष्य में शांति का वृक्ष उगेगा एक ऐसा वृक्ष जिसकी छाया में इज़रायल और फलस्तीन दोनों राष्ट्र स्वतंत्र, सुरक्षित और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का अनुभव करेंगे। आज की मान्यता कल के स्वतंत्र फलस्तीन राज्य की नींव रख सकती है। नेतन्याहू और उनकी चरमपंथी नीतियाँ भले ही फिलहाल रास्ते की बाधा हों, पर वे सदा सत्ता में नहीं रहेंगे। इज़रायल के भीतर भी एक दिन ऐसा नेतृत्व उभरेगा जो समझेगा कि स्थायी युद्ध और अमानवीयता न तो यहूदियों के हित में है, न अरबों के। इसलिए, पश्चिमी देशों द्वारा उठाया गया यह कदम केवल प्रतीक नहीं है, बल्कि यह शांति की दिशा में एक ऐतिहासिक पड़ाव है।

ऐसे माहौल में कैसे पढ़ेगी और बचेगी बेटी?

मनोज कुमार अग्रवाल

राजधानी दिल्ली के एक प्रतिष्ठित कालेज में पढ़ाई कर रहीं कालेज की छात्राओं के साथ दबाब बना कर ब्लेकमेल कर उनका शारीरिक शोषण किया जा रहा था यह सिलसिला लम्बे समय से चल रहा था लेकिन कुछ लड़कियां मुखर हुई और शिकायत की। कालेज में स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी पर गंभीर आरोप लगे हैं. माथे पर त्रिपुंड और गले में रुद्राक्ष धारण करने वाले इस बाबा पर कई लड़कियों की इज्जत पर बुरी नजर डालने के आरोप हैं. हमेशा भगवा वस्त्र में दिखने वाले इस बाबा के खिलाफ 32 लड़कियों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं. इसमें से 17 लड़कियों ने अभद्र भाषा, अश्लील व्हाट्सऐप मैसेज और फिजिकली टच करने के आरोप लगाए हैं. यह मामला दक्षिणी दिल्ली में स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान का है. यह संस्थान श्री श्रृंगेरी मठ द्वारा चलाया जाता है. मठ के प्रशासन पीए मुरली ने बाबा स्वामी पार्थ सारथी के खिलाफ केस दर्ज करवाया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. फिलहाल पार्थ सारथी फरार बताया जाता है.

बाबा संस्थान की छात्राओं को कम नंबर देने की धमकी देता था. देर रात छात्रों को अपने कमरे में बुलाता था और उनसे फिजिकल फेवर मांगता था. धमकाता था. छात्राओं का विरोध करने पर उन्हें फेल करने की धमकी देता था. दिल्ली पुलिस राजस्थान, बिहार, हरियाणा, यूपी और उत्तराखंड में बाबा की तलाश कर रही है. बाबा छात्राओं के मोबाइल पर जो अश्लील मैसेज भेजता था उसे बाबा महिला वार्डन के जरिये डरा धमका के डिलीट करवाता था.

दिल्ली पुलिस ने श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट में पढ़ रही म छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न और धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, आरोपी स्वामी चैतन्यनंद सरस्वती पार्थ सारथी ने ईडब्ल्यूएस छात्रवृत्ति के तहत पीजीडीएम कोर्स कर रहीं छात्राओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, उन्हें अश्लील वहाटसएप और एसएमएस संदेश भेजे और शारीरिक संपर्क बनाने की कोशिश की।

यह शिकायत 4 अगस्त 2025 को श्री पी.ए. मुरली, प्रशासक, श्री श्रृंगेरी मठ एवं उसकी संपत्तियों की ओर से थाना वसंत कुंज नॉर्थ में दर्ज कराई गई। शिकायत में यह भी आरोप है कि संस्थान की कुछ महिला फैकल्टी और प्रशासनिक अधिकारी आरोपी की मदद करते थे और छात्राओं पर उसकी मांगें पूरी करने का दबाव बनाते थे, जिससे उन्हें मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

पुलिस जांच के दौरान कुल 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए गए, जिनमें से 17 ने आरोपी के खिलाफ यौन उत्पीड़न, अश्लील संदेश और शारीरिक संपर्क बनाने के प्रयासों का स्पष्ट उल्लेख किया। छात्राओं ने बताया कि विरोध करने पर संस्थान के भीतर से ही दबाव बनाया जाता था और उन्हें चुप रहने को कहा जाता था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने संस्थान के भीतर अपनी गहरी पहुंच बना रखी थी और छात्राओं को लंबे समय तक डराने-धमकाने की कोशिश करता रहा। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कोई एक घटना नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रहा उत्पीड़न का सिलसिला था।

मामले में भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के ठिकानों और संस्थान में कई जगह छापेमारी की है। जांच के तहत संस्थान से बरामद सीसीटीवी फुटेज, एनवीआर और हार्ड डिस्क को फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। धारा 183 बीएनएसएस के तहत 16 पीड़ित छात्राओं के बयान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, पटियाला हाउस कोर्ट में दर्ज कराए गए हैं।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि संस्थान के बेसमेंट में खड़ी एक वोल्वो कार पर 39 यूएन 1 की फर्जी डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट लगी थी, जिसे आरोपी उपयोग कर रहा था। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है।

फिलहाल आरोपी स्वामी चैतन्यनंद सरस्वती पार्थ सारथी फरार है। पुलिस का कहना है कि उसकी तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है।

आरोपी बाबा ने दिल्ली की कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल की थी लेकिन बाद में खुद आरोपी ने उसे वापस ले ली. इंस्टीट्यूट की तीन महिला वार्डन के बयान दर्ज किए गए हैं. दिल्ली पुलिस ने आरोपी के तौर पर इनसे पूछताछ की है. प्राथमिकी के वक्त बाबा लंदन में था. इंस्टीट्यूट के सीसीटीवी का कुछ डेटा डिलीट है. उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है. आरोपी ने अपना नाम बदला था सरस्वती से पार्थ रखा. पुलिस का कहना है कि छात्राओं के बयान, सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर कानूनी कार्रवाई को अंतिम रूप दिया जाएगा और आरोपी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वर्ष 2009 में इस बाबा के खिलाफ दिल्ली के डिफेंस कालोनी में जालसाजी और छेड़खानी का मामला दर्ज हुआ था.रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में इस इंस्टीट्यूट की ही एक छात्रा ने पार्थ सारथी के खिलाफ मोलेस्टेशन का केस दर्ज कराया था. उस दौरान दिल्ली पुलिस ने इस बाबा को गिरफ्तार भी किया था.

फ़ाइल में दफन जिंदगी

डॉ. सुरेश कुमार

रामकांत, जो अपनी माँ की पेंशन की फ़ाइल लेकर सरकारी दफ्तर के चक्कर काट रहा था, उसे लगता था कि समय किसी नदी की तरह बहता है। पर यहाँ, इस सरकारी दफ्तर में, समय सीमेंट की तरह जम गया था। सालों पुरानी धूल की परतें मेजों पर इस तरह बिछी थीं, जैसे किसी प्राचीन सभ्यता का उत्खनन हो रहा हो। हर बाबू की कुर्सी एक सिंहासन थी, जिस पर वे ऐसे बैठे थे, मानो किसी अज्ञात साम्राज्य के अंतिम शासक हों। रामकांत ने जब बाबू के सामने पहली बार फ़ाइल रखी, तो बाबू ने उसे ऐसे देखा जैसे उसने कोई एलियन वस्तु पेश कर दी हो। बाबू ने अपने चश्मे को नाक पर टिकाया, जो सालों की लापरवाही से अपनी पकड़ खो चुका था, और धीमे से बुदबुदाया, पेंशन? आज के युग में? बेटे, यह कोई सरकारी योजना नहीं, यह तो एक आध्यात्मिक यात्रा है। इसमें धैर्य चाहिए, तपस्या चाहिए। रामकांत को लगा कि वह दफ्तर नहीं, किसी आश्रम में आ गया है। बाबू की बात सुनकर उसे लगा कि जैसे मोक्ष के लिए यत्न किया जाता है, वैसे ही यहाँ पेंशन के लिए करना पड़ेगा। 'जिंदगी एक फ़ाइल है और फ़ाइल ही जिंदगी', यह पंचलाइन उसे दर्द दे रही थी। बाबू ने एक गहरी साँस ली और कहा, तुम्हारे कागज़ात में एक मामूली सी कमी है। 'जन्म प्रमाण पत्र' पर 'दाहिना अंगूठा' नहीं लगा है। रामकांत ने अपनी आँखें मलते हुए कहा, बाबू जी, अंगूठा लगा है, देखिए। बाबू ने चश्मा उतारा और उसे एक सिरे से दूसरे सिरे तक, एक फ़िल्मी अंदाज़ में ऐसे देखा जैसे कोई अपराधी को देख रहा हो। बाबू ने सिर हिलाया और कहा, अंगूठा तो लगा है, पर स्याही का रंग 'सरकारी नीला' नहीं है। यह तो बाजार वाला काला है। इसे दुबारा लाओ। रामकांत की आँखों से आँसू छलक आए। बाबू जी, मेरी माँ बहुत बीमार हैं, उन्हें जल्द दवाई दिलानी है, उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा। बाबू ने उसे ऐसे देखा जैसे वह किसी फ़ालतू बात में समय बर्बाद कर रहा हो। एक पल के लिए उसे लगा कि वह किसी ऐसे अस्पताल में खड़ा है, जहाँ दवाई की जगह 'कल आने की पर्ची' मिलती है। अगली सुबह, रामकांत एक नई पेंशन फ़ाइल और 'सरकारी नीली' स्याही वाला अंगूठा लेकर लौटा। लेकिन इस बार बाबू की कुर्सी खाली थी। एक दूसरे बाबू ने उसे ऐसे देखा, जैसे वह कोई भूला हुआ इतिहास हो। वो बाबू? वो तो कल से छुट्टी पर हैं। अब फ़ाइल यहाँ जमा होगी। पर सुनो, उसने एक रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा, इसमें एक नई कमी है। 'आयु प्रमाण पत्र' में 'माँ का नाम' अंग्रेजी में लिखा है, जबकि आवेदन हिंदी में है। यह तो नियम के विरुद्ध है। रामकांत ने कहा, बाबू जी, नाम तो अंग्रेजी और हिंदी में एक ही होता है। बाबू ने एक लंबी साँस ली, जैसे वह किसी मूर्ख को समझा रहा हो। बेटा, यहाँ भाषा का मुद्दा नहीं है, नियम का मुद्दा है। हमारे 'सरकारी व्याकरण' में एक ही नाम को अलग-अलग जगह अलग-अलग माना जाता है। रामकांत के सिर में दर्द होने लगा। 'अरे, यह क्या है, आदमी नहीं, नियमों का पुतला है,' उसने सोचा। उसे याद आया कि कैसे गाँव में एक पेड़ के नीचे बैठ कर उसने अपनी माँ का नाम दोनों भाषाओं में लिखा था। 'उस वक़्त लगा था कि दुनिया बहुत सरल है,' उसने मन ही मन सोचा। बाबू ने फ़ाइल वापस कर दी और कहा, इसे 'फ़ॉर्म 25 बी' के साथ दुबारा जमा करो। पर सुनो, फ़ॉर्म की एक प्रति 'मुख्य सचिव कार्यालय' में भी जमा करनी होगी, ताकि उनकी 'आशीर्वाद' प्राप्त हो सके।

दिव्यांगों के नाम पर 1000 करोड़ का घोटाला

सीबीआई जांच होगी, कागजों में फर्जी स्टाफ-मशीनें, वेतन-खरीदी के नाम पर कैश निकाले

बिलासपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दिव्यांगों के कल्याण के नाम पर संचालित स्टेट रिसोर्स सेंटर और फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर (पीआरसी) में हुए 1000 करोड़ के घोटाले की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं।

जस्टिस प्रार्थ प्रतीम साहू और जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर सिस्टमेटिक करप्शन का मामला है। जिसमें फर्जी कर्मचारियों के नाम पर वेतन निकालकर सरकारी फंड की लूट की गई।

हाईकोर्ट ने कहा कि इतनी बड़ी वित्तीय अनियमितताओं को केवल प्रशासनिक त्रुटि बताना न्यायसंगत नहीं है। राज्य सरकार अपने उच्च अधिकारियों को बचाने का प्रयास कर रही है। जांच आधी-अधूरी है।

यह मामला केवल दिव्यांगों के अधिकारों से जुड़ा नहीं है, बल्कि करोड़ों रुपए की सार्वजनिक धनराशि के दुरुपयोग का है। निष्पक्ष जांच के बिना दोषियों तक पहुंचना संभव नहीं।

डिवीजन बेंच ने सीबीआई को पहले से दर्ज एफआईआर के आधार पर दस्तावेज जब्त करने और जांच जल्द पूरी करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके विभाग अब तक मामले की तह तक जाने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने में नाकाम रहे हैं।

दरअसल, साल 2004 में छत्तीसगढ़ सरकार ने दिव्यांगों के पुनर्वास के लिए स्टेट रिसोर्स सेंटर (एआरसी) नाम से स्वशासी संस्था की स्थापना की। इसका उद्देश्य तकनीकी और प्रशिक्षण सहायता के माध्यम से दिव्यांगों का पुनर्वास करना था।

2012 में इसी के अंतर्गत फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर (पीआरआरसी) की स्थापना की गई, जिसका मुख्य कार्य दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और अन्य चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

जब सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त दस्तावेजों से यह बात सामने आई कि ये संस्थाएं केवल कागजों में ही मौजूद थीं और इनके माध्यम से सरकार से करोड़ों रुपए का अनुदान लेकर कथित गड़बड़ी की जा रही थी। शिकायतों के अनुसार, कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इन संस्थाओं में पदाधिकारी के रूप में शामिल थे।

रायपुर निवासी कुंदन सिंह ठाकुर ने 2018 में अपने वकील के माध्यम से जनहित याचिका लगाई। जिसमें आरोप लगाया गया कि दोनों संस्थान केवल नाममात्र ही सक्रिय थे। कर्मचारियों की नियुक्ति किए बिना ही उनके वेतन के नाम पर करोड़ों रुपए निकाले गए।

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसके नाम पर भी पीआरआरसी में काम करने का फर्जी रिकॉर्ड बनाकर वेतन निकाला गया, जबकि उसने कभी वहां कार्य नहीं किया। कुल मिलाकर इस घोटाले की राशि एक हजार करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है।

याचिकाकर्ता कुंदन सिंह ठाकुर ने कोर्ट को बताया कि उन्हें कभी नियुक्त ही नहीं दी गई। फिर भी उनके नाम से वेतन आहरित किया गया। जब उन्होंने आरटीआई से जानकारी मांगी, तो उन्हें धमकियां दी गईं।

आरोप है कि ये दोनों संस्थान महज कागजों में चल रहे थे। यहां कर्मचारियों की फर्जी नियुक्तियां दिखाई गईं और करोड़ों रुपए वेतन और उपकरण खरीद के नाम पर आहरित कर लिए गए।

वित्त विभाग की ऑडिट में 31 अनियमितताएं सामने आईं। एसआरसी का 14 साल तक ऑडिट नहीं हुआ था। फर्जी नामों से वेतन उठाया गया, कैश भुगतान के सबूत मिले। कृत्रिम अंग और मशीनें कभी खरीदी ही नहीं गईं। 2019 में प्रबंधन समिति ने एसआरसी को भंग कर खाते बंद कर दिए।

हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 2020 में मुख्य सचिव को जांच के आदेश दिए थे। जांच में 31 वित्तीय अनियमितताएं पाई गईं, जिसमें आडिट का लंबे समय तक नहीं होना भी शामिल था।

राज्य सरकार ने इसे केवल प्रशासनिक खामी बताकर मामले को खत्म करने की कोशिश की। सीबीआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण जांच रोक दी गई थी। लेकिन, हाईकोर्ट के नए निर्देश मिलने पर जांच फिर से शुरू करने को तैयार है।

जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू और जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि, इतनी बड़ी वित्तीय अनियमितताओं को केवल प्रशासनिक त्रुटि बताना न्यायसंगत नहीं है। राज्य सरकार अपने उच्च अधिकारियों को बचाने का प्रयास कर रही है।

जांच आधी-अधूरी और असंगत है। यह मामला केवल दिव्यांगों के अधिकारों से जुड़ा नहीं है, बल्कि करोड़ों रुपए की सार्वजनिक धनराशि के दुरुपयोग का है। निष्पक्ष जांच के बिना दोषियों तक पहुंचना संभव नहीं।

याचिका में पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री रेणुका सिंह, रिटायर्ड आईएएस विवेक ढांड, एमके राउत, आलोक शुक्ला, सुनील कुजूर, बीएल अग्रवाल, सतीश पांडेय, पीपी श्रोती समेत कई नाम शामिल हैं। हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री रेणुका सिंह के खिलाफ कोई आदेश नहीं दिया।

क्योंकि याचिका में उनके खिलाफ स्पष्ट मांग नहीं थी। वहीं, बाकी अधिकारियों पर जांच की तलवार लटकी हुई है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मामले की गंभीरता और उच्चाधिकारियों की कथित संलिप्तता को देखते हुए सीबीआई को स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच जारी रखनी होगी।

2 दिन पूरे प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी

बंगाल में बने सिस्टम का असर, 16 जिलों में अलर्ट, गरबा मैदान सूने, भीड़ कम

रायपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में जोरदार बारिश हुई। रायपुर में करीब 45 मिमी पानी बरसा, जबकि सबसे ज्यादा 106.3 मिमी बारिश सारंगढ़-बिलाईगढ़ में हुई। यहां उफनते नाले को पार करने की कोशिश में कार बह गई, लेकिन तीनों सवार तैरकर जान बचाने में सफल रहे।

मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल के पास बने लो प्रेशर एरिया के कारण यह बारिश हो रही है, जिसका असर दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ में दिखाई दे रहा है। यह बरसात का दौर अगले दो दिन तक जारी रह सकता है।

इसी बीच मौसम विभाग ने आज कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर जिलों के लिए बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि जीपीएम, मुंगेली, बिलासपुर, कबीरधाम, बेमेतरा, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, बालोद, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा सहित 13 जिलों में मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। वहीं बारिश का असर गरबा आयोजनों पर भी देखने को मिला। कई शहरों में गरबा मैदानों में पानी भरने या गीली जमीन के कारण आयोजन रद्द या स्थगित करने पड़े। कुछ स्थानों पर कार्यक्रम हुए भी तो वहां लोगों की संख्या कम रही।

रायपुर के ओमाया गार्डन रिजॉर्ट में होने वाले गरबा कार्यक्रम की तारीख बदल दी गई है। पहले यह 25 से 28 सितंबर तक आयोजित होना था, लेकिन मौसम को देखते हुए इसे 27 से 29 सितंबर किया गया है।

दुर्ग और भिलाई में भी बुधवार को हुई भारी बारिश के कारण कम जगहों पर ही गरबा आयोजन हो पाए। आयोजकों के अनुसार, आज मौसम साफ रहने और गरबा स्थल पूरी तरह सूखने के बाद ही कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सारंगढ़ में बारिश से उफनते नाले को पार कर रही कार बह गई। हालांकि कार सवार तीन लोगों ने तैरकर जान बचा ली। तीनों बरमकेला से ओडिशा जा रहे थे। ग्रामीणों ने उन्हें नाला पार नहीं करने की सलाह दी थी। लेकिन उन्होंने नहीं मानी।

नाले के ऊपर 2-3 फीट ऊपर पानी बह रहा है फिर भी लोग जान जोखिम में डालकर नाला पार कर रहे थे। ओडिशा को जोड़ने वाला बरमकेला का विक्रम नाला वर्षों से अधूरे पुल के कारण लोगों के लिए खतरा बना हुआ है।

केलो डैम के 3 गेट खोले गए

रायगढ़ में लगातार बारिश के बाद नदी-नाले उफान पर हैं। बारिश से जलस्तर बढ़ने के बाद केलो डैम के 3 गेट खोल दिए गए हैं, जिससे केलो नदी का जलस्तर बढ़ गया है। प्रदेश में अब तक 1096.1 मिमी बारिश हुई है। बेमेतरा जिले में अब तक 495.1 मिमी पानी बरसा है, जो सामान्य से 52% कम है। अन्य जिलों जैसे बस्तर, राजनांदगांव, रायगढ़ में वर्षा सामान्य के आसपास हुई है।

हॉस्टल संचालक ने नाबालिग के उतारे कपड़े

रूम में सो रही थी लड़की, दरवाजा खुला देखकर घुसा संचालक, दांत से काटकर बचाई इज्जत, गिरफ्तार

बिलासपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हॉस्टल के रूम में घुसकर अधेड़ संचालक ने नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ की। सोते समय उसके कपड़े उतार दिए। अचानक छात्रा की नींद खुली, तब वो घबरा गई। उसने बहादुरी दिखाई और दांत से संचालक के हाथ को काटकर भाग निकली और शोर मचाने लगी। पुलिस ने अधेड़ हॉस्टल संचालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

थाना प्रभारी निलेश पांडेय ने बताया कि, लिंगियाडीह स्थित श्योर जिंदगी गर्ल्स हॉस्टल में 16 साल की नाबालिग किराए पर रूम लेकर रहती है। वो भारत टेंट हाउस में सिलाई का काम करती है। 22 सितंबर की रात करीब 9 बजे लड़की काम करने के बाद हॉस्टल पहुंची। जिसके बाद रात में ही संचालक गुरमीत सिंह (63) को रूम किराया दी। इसके बाद रूम में आकर खाना खाने के बाद सो गई। इस दौरान सोने से पहले लड़की रूम का दरवाजा बंद करना भूल गई। वह गहरी नींद में थी। सुबह करीब 5 बजे हॉस्टल मालिक गुरमीत सिंह उसके कमरे में घुस आया। इस दौरान वो नाबालिग लड़की के कपड़े उठाकर गंदी हरकत करने लगा।

अचानक लड़की की नींद खुली, तब वो घबरा गई। वह विरोध करने लगी, तब संचालक जबरदस्ती करने लगा। नाबालिग लड़की ने दांत से उसके हाथ काट दिए।

शराब घोटाला: चैतन्य-दीपेन से पहले दिन 2 घंटे पूछताछ

रायपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को बुधवार को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने चैतन्य को 6 अक्टूबर तक आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की कस्टोडियल रिमांड पर भेजा है। साथ ही दीपेन चावड़ा की भी 29 सितंबर तक ईओडब्ल्यू को कस्टोडियल रिमांड मिली है।

ईडी की जांच के अनुसार दीपेन चावड़ा सिंडिकेट का महत्वपूर्ण सदस्य था। बुधवार देर रात ईओडब्ल्यू ने चैतन्य और दीपेन से करीब 2 घंटे तक पूछताछ की। जानकारी के अनुसार अफसरों ने शराब घोटाला, बिग बॉस वॉट्सऐप ग्रुप में होने वाली चर्चा और सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल की है।

ईओडब्ल्यू ने पूछताछ के दौरान शराब घोटाले में शामिल होने की संभावित जानकारियों का क्रॉस चेक किया। खास तौर पर दोनों से अफसरों के मोबाइल और सोशल मीडिया ग्रुप ("बिग बॉस" वॉट्सऐप ग्रुप) में लिखी गई जानकारियों की पड़ताल की गई। इससे यह पता लगाने की कोशिश की गई कि आरोपियों ने कितनी और किस प्रकार की वित्तीय और प्रशासनिक गतिविधियों में भाग लिया।

बताया जा रहा है कि पूछताछ में चैतन्य और दीपेन से घोटाले की विस्तृत प्रक्रिया, लेन-देन और संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की गई है। ईओडब्ल्यू अफसरों ने इस दौरान किसी भी तरह की छेड़छाड़ या गुमराह करने वाले उत्तरों को रोकने के लिए सख्त निगरानी रखी।

पूछताछ पूरी होने के बाद दोनों को रिमांड पर रखा गया है। ईओडब्ल्यू ने बताया कि जांच जारी है और जल्द ही अन्य आरोपियों से भी पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा डिजिटल डेटा, बैंक लेन-देन और दस्तावेजी सबूतों की पड़ताल के बाद जांच में नई दिशा तय की जाएगी।

ईडी ने जब अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और सौम्या चौरसिया के मोबाइल की जांच की तो चौंकाने वाले चैट्स मिले। अनवर के मोबाइल में चैतन्य का नंबर 'बिट्टू' नाम से सेव था। इसमें पैसों की डीलिंग और नकली होलोग्राम बनाने तक की चर्चा पाई गई।

चार्जशीट के मुताबिक, चैतन्य बघेल ही इस पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड था। इसमें से करीब 200 करोड़ रुपए की सीधी कमाई खुद की, जबकि 850 करोड़ रुपए कांग्रेस के तत्कालीन कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल तक पहुंचाए गए।

इस आरोप पत्र ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ईडी का दावा है कि चैतन्य ने ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में निवेश कर उसे सफेद दिखाने का काम किया। पैसे की पूरी डील वॉट्सऐप ग्रुप में होती थी।

'बिग बॉस' ग्रुप से चलता था पूरा सिंडिकेट

आरोप पत्र में बताया गया है कि इस घोटाले के संचालन के लिए 'बिग बॉस' नाम का एक वॉट्सऐप ग्रुप बनाया गया था। इसमें चैतन्य बघेल, अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा, सौम्या चौरसिया और पुष्पक जैसे अहम लोग जुड़े थे। इस ग्रुप के जरिए करोड़ों रुपए की हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग की जानकारी और निर्देश साझा किए जाते थे। इसके साथ ही पैसे आने और उसको किसको देना है? इसकी चर्चा भी ग्रुप में होती थी। दुर्ग-भिलाई के शराब कारोबारी और भूपेश बघेल के करीबी माने जाने वाले लक्ष्मी नारायण उर्फ पप्पू बंसल ने पूछताछ में बड़ा खुलासा किया।

गोलीबारी करने वाले तीन अपराधी गिरफ्तार

माइनिंग साइट पर रंगदारी और दहशत फैलाने के लिए की थी फायरिंग, पिस्टल बरामद

रामगढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने सयाल आर ए माइनिंग और सेंट्रल सौंदा क्रेशर में गोलीबारी के मामले में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने इसकी जानकारी दी।

एसपी ने बताया कि भुरकुंडा सयाल आर ए माइनिंग साइट पर रंगदारी मांगने और दहशत फैलाने के लिए फायरिंग की गई थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गिरोह के सदस्य रामगढ़ के कोठार स्थित एक होटल में किसी बड़ी घटना की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर एसपी ने पतरातू के एएसपी गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। टीम ने कोठार में छापेमारी की। तीन संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पकड़े गए आरोपियों में रामगढ़ के तुषार मिश्रा उर्फ शोम्या मिश्रा, धनबाद के मंगलेश कुमार उर्फ मंगलेश और हजारीबाग के मुकेश कुमार उर्फ मुक्कु शामिल हैं। पुलिस ने तीनों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अहाते का औचक निरीक्षण करने पहुंची टीम

नजारा देख भड़क गईं महिला अधिकारी, ऑन दी स्पॉट कर दिया फैसला

रायपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सफाई को लेकर नगर निगम की टीम एक्टिव हो गई है। गुरुवार को नगर निगम की टीम ने गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अहाता को सील कर दिया। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीम देवपुरी मेन रोड स्थित सरकारी शराब दुकान के पास संचालित होने वाले एक अहाते के पास पहुंची। यहां सिंगल यूज प्लास्टिक और गंदगी देख टीम ने अहाते को सील कर दिया।

औचक निरीक्षण पर पहुंची थी टीम

दरअसल, नगर निगम की टीम उन जगहों का औचक निरीक्षण कर रही है जहां स्थानीय लोगों की शिकायतें सबसे ज्यादा मिल रही है। देवपुरी स्थिति शराब की दुकान को लोगों ने शिकायत की थी यहां संचालित अहाते के कारण आसपास गंदगी फैल रही है जिसके बाद टीम ने कार्रवाई की है। गुरुवार सुबह नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप के निर्देश पर स्वास्थ्य अफसर तृप्ति पाणिग्रही और जोन-10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे निरीक्षण के लिए पहुंचे थे।

अहाते को किया सील

निरीक्षण के दौरान देवपुरी स्थित शराब दुकान और अहाते में भारी गंदगी मिली। जिसके बाद अधिकारियों ने अहाते को सील कर दिया।

इसके साथ ही शराब की दुकान को भी नोटिस दिया है। स्वास्थ्य अफसर तृप्ति पाणिग्रही ने कहा कि देवपुरी इलाके में संचालित होने वाली शासकीय शराब दुकान को भी नोटिस जारी किया जाएगा।

कार से शराब तस्करी करते चालक गिरफ्तार

300 बोतल विदेशी शराब जब्त, 225 लीटर अवैध शराब ले जाते पकड़ाया आरोपी

पलामू, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पलामू में पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। सतबरवा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र के सोनपुरवा में दुर्गा पूजा के लिए विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है।

पुलिस ने बुधवार को छापेमारी कर एक कार को पकड़ा। कार से व्हिस्की की 25 पेटी बरामद की गईं। प्रत्येक पेटी में 12 बोतलें थीं। कुल 300 बोतल (225 लीटर) शराब जब्त की गई। कार चालक शिव शंकर यादव (26) को गिरफ्तार किया गया।

जेएसएलपीएस कर्मियों का धरना

राज्य कर्मी का दर्जा देने समेत 6 सूत्री मांगों को लेकर पाकुड़ में प्रदर्शन

पाकुड़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ जिला मुख्यालय में जेएसएलपीएस के एल-07 और एल-08 वर्ग के कर्मियों ने एकदिवसीय धरना दिया। झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी संघ और झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष यासीन आलम ने धरना का नेतृत्व किया। जिला अध्यक्ष ने बताया कि पलाश जेएसएलपीएस सोसाइटी एक्ट को समाप्त कर आजीविका कर्मियों को राज्य कर्मी का दर्जा दिया जाए। साथ ही एनएमएमयू पॉलिसी लागू की जाए। स्तर 7 और 8 के कर्मियों को उनके गृह जिला के निकटवर्ती प्रखंड में पदस्थापित किया जाए। कर्मियों का कहना है कि वे पूरी ईमानदारी से अपना काम कर रहे हैं। पड़ोसी राज्य बिहार में इसी तरह के कर्मियों को बेहतर सुविधाएं दी जा रही हैं। जिला में स्तर 7 और 8 के लगभग 40 कर्मी कार्यरत हैं। धरना में बबली कुमारी, सरस्वती टुडू, नीलिमा हेंब्रम समेत बड़ी संख्या में कर्मी शामिल हुए। इससे पहले भी कर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया था। कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आने वाले दिनों में वे जोरदार आंदोलन करेंगे।

इंजेक्शन से 7 साल के बच्चे की मौत

सूरजपुर अस्पताल में तड़पती रही गर्भवती महिला, न डॉक्टर पहुंचे, न ही नर्स, तोड़ा दम

बलरामपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में मेडिकल स्टोर के संचालक ने 7 साल के बच्चे को इंजेक्शन लगा दिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। जिला अस्पताल से उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला कोतवाली नगर थाना क्षेत्र का है।

वहीं सूरजपुर जिला अस्पताल में प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला साढ़े तीन घंटे तक बिना इलाज के पड़ी रही। उसे देखने न तो डॉक्टर पहुंचे और न ही नर्स। रात ढाई बजे जब उसकी सांसें थम गई तो डॉक्टरों ने उसे आनन-फानन में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सूरजपुर से अंबिकापुर लाने वाले एम्बुलेंस चालक ने भी परिजनों से 800 रुपए वसूल लिए।

बलरामपुर की घटना की बात करें तो बच्चे का नाम अनमोल एक्का है। वह सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ता था। वह माता-माता के साथ वार्ड क्रमांक- 8 में रहता था। उसके घुटने में घाव हो गया था। बुधवार की शाम पिता जितेंद्र एक्का उसे लेकर शंभू मेडिकल स्टोर पहुंचा।

10 माओवादियों ने छोड़े हथियार, इसमें 4 महिलाएं शामिल

सरेंडर करने वालों में एक एरिया कमेटी और 9 दस्ता सदस्य, सभी का आपराधिक इतिहास

चाईबासा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के चाईबासा में गुरुवार को भाकपा (माओवादी) संगठन के 10 सदस्यों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें 4 महिला नक्सली भी शामिल हैं। सभी ने राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता के समक्ष हथियार डाल दिए।

यह आत्मसमर्पण झारखंड सरकार की उग्रवादी आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के तहत हुआ। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि झारखंड की आत्मसमर्पण नीति देश की सर्वश्रेष्ठ नीतियों में से एक है। उन्होंने आत्मसमर्पण करने वालों को नई जिंदगी के अवसर देने का आश्वासन दिया। साथ ही चेतावनी दी कि जो हथियार नहीं छोड़ेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आत्मसमर्पण करने वालों में एक एरिया कमेटी सदस्य और नौ दस्ता सदस्य शामिल हैं। इनमें रांदो बोईपाई उर्फ कांति बोईपाई (एरिया कमेटी सदस्य) और गार्टी कोड़ा, जॉन उर्फ जोहन पुरती, निरसो सीदू उर्फ आशा, घोनोर देवगम, गोमेया कोड़ा उर्फ टारजन, कैरा कोड़ा, कैरी कायम उर्फ गुलांची, सावित्री गोप उर्फ मुतुरी उर्फ फुटबॉल और प्रदीप सिंह मुंडा (सभी दस्ता सदस्य) शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन सभी नक्सलियों का आपराधिक इतिहास भी है और इनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं।

बताते चलें कि पश्चिमी सिंहभूम के कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के 'ईस्टर्न रीजनल ब्यूरो' का संचालन केंद्रीय समिति सदस्य मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी उर्फ अनल, और अन्य के नेतृत्व में किया जा रहा है।

इनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर, कोबरा और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान दल लगातार अभियान चला रहे हैं। 2022 से अब तक पश्चिमी सिंहभूम में 9631 अभियान चलाए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 175 नक्सलियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, जबकि 10 नक्सली मुठभेड़ में मारे गए हैं।

इस दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। नक्सल प्रभावित थाना क्षेत्रों में आम जनता के बीच सुरक्षा की भावना बनाए रखने के लिए पिछले तीन सालों में नए सुरक्षा कैंप भी स्थापित किए गए हैं, जिससे नक्सलियों का दायरा सिमटता जा रहा है।

गांजा तस्करों के 15 घर पर चला बुलडोजर

रायपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर में गांजा तस्करों के 15 घर पर पुलिस ने निगम के साथ मिलकर बुलडोजर चलाया है। आरोपी इन्हीं घरों से बेखौफ होकर सूखा नशे का धंधा कर रहे थे। पिछले हफ्ते पुलिस ने शहर के 40 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जहां से नाबालिगों समेत करीब 60 महिला-पुरुषों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। पुलिस की सख्ती के चलते बड़ी संख्या में तस्कर अंडर ग्राउंड या शहर छोड़कर भाग रहे हैं।

दरअसल, खमतराई थाना इलाके के डेरापारा में सबसे ज्यादा गांजा और अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें थी। दुर्ग-राजनांदगांव के ज्यादातर लोग गांजा तस्करी के लिए रायपुर में झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। उन्होंने निगम की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। जब आरोपियों के मकानों के संबंधित निगम से जानकारी मांगी गई।

निगम ने अतिक्रमण होने की पुष्टि की। सभी मकानों में बिजली भी सप्लाई भी हुई थी। इसकी जानकारी बिजली विभाग से भी मांगी गई, जो अवैध पाई गई। इसके बाद तस्करों के मकानों पर कार्रवाई के लिए निगम और बिजली विभाग को चिट्ठी लिखी गई। पुलिस की टीम ने निगम के अमले के साथ मिलकर अतिक्रमण करने वाले 15 मकानों को तोड़ दिया है।

मेक इन इंडिया की 11वीं वर्षगांठ: पीयूष गोयल बोले- इस विजन ने भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मेक इन इंडिया की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर कंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इसकी उपलब्धियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस विजन ने भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2014 में शुरू की गई मेक इन इंडिया पहल का उद्देश्य देश के औद्योगिक आधार को पुनर्जीवित करना और देश को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाना था।

यह उपलब्धियां दर्शाती हैं कि भारत कितनी दूर आ गया है

गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में कहा कि इन वर्षों में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह, व्यापार करने में आसानी में व्यापक सुधार, वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता के रूप में हमारी उन्नति, निर्यात में तेजी और रक्षा उत्पादन का विस्तार, ये सभी दर्शाते हैं कि हम कितनी दूर आ गए हैं।

स्टार्टअप में युवा और महिला उद्यमियों की भूमिका

इस औद्योगिक पुनरुद्धार की आधारशिला उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना रही है। इसे गोयल ने कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन का श्रेय दिया। उन्होंने युवा और महिला उद्यमियों की ऊर्जा से प्रेरित भारत के फलते-फूलते स्टार्टअप इकोसिस्टम पर भी प्रकाश डाला। इसने देश को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित किया है। गोयल ने इस आंदोलन के पीछे जमीनी स्तर की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा कि यह यात्रा हमारे उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप, उद्यमियों और हर उस नागरिक के सामूहिक प्रयास से संभव हो पाई है, जो अपने दिल में स्वदेशी की भावना रखते हैं।

मेक इन इंडिया का अगला चरण नया अध्याय लिखेगा

गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि मेक इन इंडिया का अगला चरण एक नया अध्याय लिखेगा। यह आत्मनिर्भर और विकसित भारत के माध्यम से वैश्विक नेतृत्व का अध्याय होगा। इस पहल की परिकल्पना ऐसे समय में की गई थी जब भारत की आर्थिक वृद्धि में तेजी से गिरावट आई थी। देश को अपने विकास पथ को बनाए रखने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था।

मेक इन इंडिया 2.0 में 27 सेक्टर्स शामिल

'मेक इन इंडिया' को भारत को विनिर्माण के एक वैश्विक केंद्र में बदलने के लिए डिजाइन किया गया था। इसके मुख्य उद्देश्य निवेश को सुगम बनाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करना थे। अग्रणी 'वोकल फॉर लोकल' पहलों में से एक के रूप में, इसका उद्देश्य न केवल भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देना था, बल्कि वैश्विक मंच पर इसकी औद्योगिक क्षमता को प्रदर्शित करना भी था। भारत की आर्थिक रफ्तार को नई ऊंचाई देने के लिए मेक इन इंडिया 2.0 पहल अब 27 सेक्टर्स को शामिल करते हुए आगे बढ़ रही है। इसका लक्ष्य न केवल मजबूत विनिर्माण सेक्टर तैयार करना है, बल्कि देश की विशाल युवा आबादी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करना है।

एशिया का सबसे बड़ा फूड पार्क बनाएंगे मुकेश अंबानी

सरकार के साथ किया 40,000 करोड़ का समझौता

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज फूड सेक्टर में बड़ा दांव खेलने जा रही है। रिलायंस की सहयोगी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने देश भर में एकीकृत खाद्य विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के साथ 40,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एमओयू पर विश्व खाद्य भारत 2025 कार्यक्रम के दौरान गुरुवार को हस्ताक्षर किए गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अगस्त में अपनी वार्षिक आम बैठक में निवेश योजना की घोषणा करते हुए कहा था कि वह एआई-संचालित स्वचालन, रोबोटिक्स और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के साथ एशिया का सबसे बड़ा एकीकृत फूड पार्क बनाएगी। आरसीपीएल भारत की सबसे तेजी से बढ़ती एफएमसीजी कंपनियों में से एक है। इसकी स्थापना के बाद से केवल तीन वर्ष में इसने 11,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। आरसीपीएल ने कई कंज्यूमर ब्रांड्स का अधिग्रहण किया है। समझौता ज्ञापन के तहत आरसीपीएल महाराष्ट्र के कटोल, नागपुर और आंध्र प्रदेश के कुरनूल में खाद्य उत्पादों और पेय पदार्थों के लिए एकीकृत सुविधाएं स्थापित करने के लिए 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। अगस्त की वार्षिक आम बैठक में रिलायंस इंडस्ट्रीज की डायरेक्टर ईशा अंबानी ने कहा था कि आरसीपीएल ग्रुप के ग्रोथ इंजनों में से एक है। इसका लक्ष्य वैश्विक उपस्थिति के साथ पांच वर्ष के भीतर एक लाख करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करना है।

सोने की कीमत में गिरावट, चांदी महंगी

सोना 352 रुपए गिरकर 1.13 लाख रुपए पर आया, चांदी 1.35 लाख रुपए किलो बिक रही

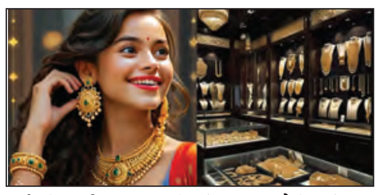

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 25 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 352 रुपए गिरकर 1,13,232 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,13,584 रुपए पर था। वहीं चांदी 467 रुपए बढ़कर 1,34,556 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,34,089 रुपए पर थी। इसी महीने 23 सितंबर को सोने ने 1,14,314 रुपए और चांदी ने 1,35,267 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इस साल सोना 37,070 और चांदी 48,539 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 37,070 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,13,232 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 48,539 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,34,556 रुपए प्रति किलो हो गई है।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें : हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं।

लगातार पांचवें दिन फिसला बाजार

सेंसेक्स 556 अंक टूटा, निफ्टी 24900 के नीचे

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार गुरुवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी तथा अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क को लेकर चिंता के कारण सेंसेक्स 555.95 अंक टूट गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 555.95 अंक या 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,159.68 पर बंद हुआ।कारोबार के दौरान यह 622.74 अंक या 0.76 प्रतिशत गिरकर 81,092.89 अंक पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 166.05 अंक या 0.66 प्रतिशत गिरकर 24,890.85 पर आ गया। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धियों में कमजोर रुख से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.68 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 7 पैसे अधिक है। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, अडानी पोर्ट्स और बजाज फाइनेंस पिछड़ गए। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्सिस बैंक और भारती एयरटेल प्रमुख लाभ में रहे। लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि निफ्टी आज मनोवैज्ञानिक 25,000 अंक से नीचे फिसल गया, जिससे मंदी का दौर और गहरा गया। वैश्विक और घरेलू स्तर पर कई चुनौतियों ने निवेशकों का भरोसा डगमगाया। लगातार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी, रिकॉर्ड स्तर पर कमजोर रुपया और अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क वृद्धि को लेकर नई चिंताएं, जिसे भारतीय आईटी आय पर नकारात्मक प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। इन सबने मिलकर बाजार की धारणा को खराब किया है।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार भी गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.55 प्रतिशत घटकर 68.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,425.75 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। बुधवार को सेंसेक्स 386.47 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 81,715.63 पर बंद हुआ। निफ्टी 112.60 अंक या 0.45 प्रतिशत गिरकर 25,056.90 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
सूर्योदय **06-09**
सूर्यास्त. **18-05**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल शुक्रवार **26 September**
तिथि - चतुर्थी **09-33** तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - विशाखा **22-08** तक उपरान्त अनुराधा
योग - विष्कुंभ **22-50** तक उप प्रीति
गर - विष्टी **09-33** तक उप बव
विशेष:- उपांग ललिता व्रत
व्रत-त्यौहार नवरात्रि

ग्रह स्थिति		[illegible]	
सूर्य	कन्या	कन्या	05-31 बजे
चन्द्र	तुला	तुला	07-37 बजे
मंगल	तुला	वृश्चिक	09-48 बजे
बुध	कन्या	धनु	12-00 बजे
गुरु	मिथुन	मकर	14-06 बजे
शुक्र	सिंह	कुंभ	15-57 बजे
शनि	मीन	मीन	17-35 बजे
राहु	कुंभ	मेष	19-11 बजे
केतु	सिंह	वृष	20-56 बजे
		मिथुन	22-56 बजे
		कर्क	01-09 बजे
		सिंह	03-21 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-27 से 12-07 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06-09 - 07-37	शुभ	रोग	18-09 - 19-38	शुभ
लाभ	07-37 - 09-07	शुभ	काल.	19-38 - 21-08	शुभ
अमृत	09-07 - 10-37	शुभ	लाभ	21-08 - 22-37	अशुभ
काल	10-37 - 12-07	अशुभ	उत्पात	22-37 - 00-07	अशुभ
शुभ	12-07 - 13-37	शुभ	शुभ	00-07 - 01-37	शुभ
रोग	13-37 - 15-08	अशुभ	अमृत	01-37 - 03-07	अशुभ
उत्पात	15-08 - 16-38	अशुभ	चंचल	03-07 - 04-37	शुभ
चंचल	16-38 - 18-05	शुभ	रोग	04-37 - 06-09	शुभ

क्या आरबीआई देगा आम लोगों को दिवाली गिफ्ट, 1 अक्टूबर को हो जाएगा फैसला?

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। साल 2025 आम लोगों के लिए काफी राहत भरा रहा है। जहां केंद्र सरकार 12 लाख तक की कमाई को टैक्स फ्री कर दिया। वहीं दूसरी ओर देश के सेंट्रल बैंक ने फरवरी, अप्रैल और जून की पॉलिसी मीटिंग में ब्याज दरों में लगातार कटौती की। जिसकी वजह से आम लोगों के लिए लोन सस्ता हुआ। अब जीएसटी काउंसिल ने इनडायरेक्ट टैक्स में सबसे बड़ा रिफॉर्म कर जीएसटी स्लैब में बड़ा बदलाव किया और घर के जरूरी सामान के अलावा कई दूसरे प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को सस्ता करने का काम किया। अब एक बार फिर से आम लोगों में उम्मीद जगी है। इस बार उम्मीदें आरबीआई से है। 1 अक्टूबर को आरबीआई की एमपीसी पॉलिसी रेट का ऐलान करने वाली है। ऐसे में आम जनता को भरोसा है कि इस बार उनकी ईएमआई में कमी आएगी। इसके विपरीत रॉयटर्स पोल ने अपनी विपरीत राय रखी है। रॉयटर्स पोल में कहा गया है कि अक्टूबर और दिसंबर की पॉलिसी में आरबीआई ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रॉयटर्स पोल से किस तरह की जानकारी सामने आई है।

आरबीआई नहीं करेगा ब्याज दरों में बदलाव

रॉयटर्स के अर्थशास्त्रियों के सर्वे के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक 1 अक्टूबर और शेष वर्ष के लिए अपनी प्रमुख ब्याज दर 5.50 फीसदी पर बनाए रखेगा। इसका मतलब है कि आरबीआई अपनी पॉलिसी रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। इसका कारण बताते हुए पोल में कहा गया है कि केंद्रीय बैंक इकोनॉमी पर पिछली दरों में कटौती के प्रभाव का आकलन कर रहा है। भारी सरकारी खर्च के कारण, भारत की इकोनॉमी पिछली तिमाही में साल-दर-साल अपेक्षा से कहीं अधिक 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी। इस बीच, निजी निवेश में गिरावट जारी है, जिससे पता चलता है कि पॉलिसी में ढील देने के लिए आरबीआई द्वारा उठाए गए कदम अभी तक इकोनॉमी में पूरी तरह से प्रभावी नहीं हुए हैं। हालांकि नवंबर से एशिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी में महंगाई आरबीआई के 2-6 फीसदी के लक्ष्य के भीतर रही है, लेकिन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ है और इंपोर्ट को लगातार महंगा कर रहा है।

तीन चौथाई ने बदलाव ना होने का जताया अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार ग्लोबल रिस्क अनिश्चितता को बढ़ा रहे हैं। अमेरिका के साथ ट्रेड टेंशन और नए वीजा मानदंडों ने इकोनॉमिक आउटलुक को धुंधला कर दिया है, जिससे रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है और निवेशकों को भारतीय शेयर बाजार और दूसरे असेट्स बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया है। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी, जिसने अगस्त में सर्वसम्मति से ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला लिया था, 29 सितंबर से 1 अक्टूबर की अपनी बैठक में भी इसी निर्णय पर कायम रहेगी। -24 सितंबर के रॉयटर्स सर्वे में लगभग तीन-चौथाई अर्थशास्त्रियों, यानी 61 में से 45 ने ऐसा अंदेशा जाहिर किया है। शेष 16 ने 25 आधार अंकों की कटौती का अनुमान लगाया है।

क्या कहते हैं जानकार?

केनरा बैंक के चीफ इकोनॉमिस्ट माधवनकुट्टी जी ने कहा कि मुझे दरों में किसी कटौती की उम्मीद नहीं है क्योंकि आरबीआई पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुका है कि मॉनेटरी पॉलिसी का विकास दर को बढ़ावा देने पर सीमित प्रभाव पड़ता है। प्राइवेट इंवेस्टमेंट में अभी तक वृद्धि शुरू नहीं हुई है क्योंकि वेतन वृद्धि काफी हद तक स्थिर रही है और नौकरी की स्थिरता को लेकर भी चिंताएं हैं। यह सावधानी दूसरे अर्थशास्त्रियों के पूर्वानुमानों में भी देखने को मिली थी। जिनमें से 50 में से 26 ने अनुमान लगाया कि दरें कम से कम 2025 के अंत तक अपरिवर्तित रहेंगी। इससे पहले अगस्त के महीने में अनुमान लगाया गया था कि दिसंबर की पॉलिसी मीटिंग में कटौती की संभावना है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आज फैसला लेने का दिन है । आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं । आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे । लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए । ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेंगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें ।अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे?

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं । जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे । साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है ।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी । आप अपने वर्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं । कशमकश में न रहें , बदलाव होना अच्छा ही रहेगा । आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है ।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़ काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा ।अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एचएएल के साथ सरकार की 62,370 करोड़ की डील फाइनल, शेयर बन सकता है रॉकेट

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को भारतीय रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी सफलता मिली है। रक्षा मंत्रालय के साथ 97 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान खरीदने का लगभग 62,370 करोड़ रुपये का करार फाइनल हो गया है। यह एचएएल का अब तक का सबसे बड़ा कॉन्ट्रैक्ट माना जा रहा है जो तेजस कार्यक्रम से जुड़ा है।

इसके चलते कंपनी के शेयरों में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला। एचएएल के शेयर 1.10 प्रतिशत बढ़कर 4,776.00 रुपये तक पहुंच गए, जबकि पहले कुछ दिनों से शेयर गिरावट में थे। जानकारों का कहना है कि आने वाले समय में इसके शेयर में शानदार तेजी दे को मिल सकती है।

11,750 लोगों को मिलेगा रोजगार

तेजस एमके-1ए विमानों की डिलीवरी 2027-28 से शुरू होगी और अगले छह सालों में पूरी हो जाएगी। यह विमान पूरी तरह से देश की अपनी तकनीक से तैयार होगा। इसमें उत्तम एईएसए रडार, स्वयं रक्षा कवच और एडवांस कंट्रोल सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकें लगी होंगी। इस डील में 64% से ज्यादा इंडिजिनस कंटेंट शामिल होगा और लगभग 105 भारतीय कंपनियां इसके निर्माण में काम करेंगी। इस प्रोजेक्ट से हर साल करीब 11,750 लोगों को रोजगार मिलेगा और भारत का एयरोस्पेस सेक्टर और मजबूत होगा। तेजस एमके-1ए के भारतीय वायुसेना में शामिल होने से उसकी ताकत कई गुना बढ़ जाएगी और यह चीन-पाकिस्तान जैसे दुश्मनों को कड़ा जवाब देने में मददगार साबित होगा। एचएएल ने अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) से लगभग 5,375 करोड़ रुपये में जीई-एफ404 इंजन मंगाए हैं। अब तक तीन इंजन मिल चुके हैं और साल के अंत तक सात और आने की उम्मीद है।

इसके बाद जीई हर साल करीब 20 इंजन सप्लाई करेगा। नई डील के तहत एचएएल को 113 और इंजन के लिए जीई के साथ करीब 1 बिलियन डॉलर की डील करनी है। अभी एचएएल हर साल 18 विमान बनाने की क्षमता रखता है।

जिसे एचएएल बढ़ाकर सालाना 24 से 30 विमान बनाने का लक्ष्य रखा है। बेंगलुरु और नासिक में तीन उत्पादन लाइनें पूरी तरह से चालू हो चुकी हैं, साथ ही कई प्राइवेट कंपनियां भी सप्लाई चेन में जुड़ी हुई हैं।

अमेरिका में हर 15 में से एक आदमी है मिलिनेयर

दुनिया के टॉप रईसों की लिस्ट में है दबदबा

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। इस देश में मिलिनेयर्स की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। अमेरिका की आबादी करीब 35 करोड़ है और वहां करीब 2.2 करोड़ लोग मिलिनेयर्स हैं। यानी हर 15 में से एक आदमी के पास 10 लाख डॉलर यानी करीब 8,86,93,919 रुपये से अधिक पैसे हैं। इस लिस्ट में चीन दूसरे नंबर पर है। वहां मिलिनेयर्स की संख्या 60 लाख है। फ्रांस में यह संख्या 29 लाख और जापान में 27 लाख है। इतना ही नहीं अमेरिका में हर एडल्ट की एवरेज वेल्थ करीब 551,350 डॉलर है। इस मामले में केवल स्विट्जरलैंड ही अमेरिका से आगे है। यूबीएस ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप का प्लेग्राउंड माने जाने वाले स्विट्जरलैंड में हर एडल्ट की एवरेज वेल्थ 685,230 डॉलर है। इसके बाद अमेरिका का नंबर है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है जहां हर वयस्क की एवरेज वेल्थ 496,820 डॉलर है। डेनमार्क में यह 409,950 डॉलर, न्यूजीलैंड में 388,760 डॉलर, नॉर्वे में 385,340 डॉलर, सिंगापुर में 382,960 डॉलर, कनाडा में 369,580 डॉलर, नीदरलैंड में 358,230 डॉलर, बेल्जियम में 352,810 डॉलर, फ्रांस में 312,230 डॉलर और यूके में 302,780 डॉलर है। अमेरिका में अमीरी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया को टॉप 15 रईसों में 14 अमेरिका के हैं। इनमें से 10 का ताल्लुक टेक्नोलॉजी कंपनियों से है। इस लिस्ट में टेस्ला और स्पेसएक्स सहित कई कंपनियों को चला रहे एलन मस्क पहले नंबर पर हैं। उनके बाद लैरी एलिसन, मार्क जकरबर्ग, जेफ बेजोस, लैरी पेज, सर्गेई ब्रिन और स्टीव बाल्मर का नंबर है। टॉप 15 में शामिल एकमात्र गैर अमेरिकी रईस फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट हैं। जेंसन हुआंग, वॉरेन बफे, माइकल डेल, जिम वॉल्टन, बॉब वॉल्टन, एलिस वॉल्टन और बिल गेट्स भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के यूनिक निवेशकों की संख्या 12 करोड़ के पार, हर चार में से एक महिला

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) पर यूनिक निवेशकों की संख्या 23 सितंबर को 12 करोड़ के पार चली गई। निवेशकों की संख्या में 1 करोड़ का इजाफा महज आठ महीनों के दौरान हुआ है। एक्सचेंज ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनएसई ने कहा कि चार में से एक निवेशक महिला है। इस वर्ष जनवरी में एक्सचेंज पर निवेशकों की संख्या 11 करोड़ के पार चली गई। स्टॉक एक्सचेंज ने एक बयान जारी कर कहा, पंजीकृत निवेशकों की संख्या एनएसई के परिचालन शुरू होने के 14 साल बाद एक करोड़ के आंकड़े को छू गई, अगले एक करोड़ की संख्या जुड़ने में लगभग सात साल लगे, उसके बाद एक करोड़ की संख्या जुड़ने में लगभग साढ़े तीन साल लगे तथा उसके बाद एक करोड़ की संख्या जुड़ने में एक साल से थोड़ा अधिक समय लगा। दूसरे शब्दों में, मार्च 2021 में पंजीकृत निवेशक आधार को 4 करोड़ का आंकड़ा छूने में 25 साल से अधिक का समय लगा। इसके बाद 1 करोड़ निवेशक लगभग 6-7 महीनों में जुड़े। डिजिटलीकरण, फिनटेक तक बेहतर पहुंच, मध्यम वर्ग का विस्तार और सहायक नीतिगत उपायों के कारण निवेशक आधार का समय के साथ तेज विस्तार हुआ है। 23 सितंबर, 2025 तक एनएसई में पंजीकृत निवेशक खातों की कुल संख्या 23.5 करोड़ हो गई। इसमें अब तक किए गए सभी ग्राहक पंजीकरण शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि ग्राहक एक से अधिक ट्रेडिंग सदस्यों के साथ पंजीकरण कर सकते हैं। एनएसई की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार 12 करोड़ पंजीकृत निवेशकों की औसत आयु लगभग 33 वर्ष है। यह पांच वर्ष पहले 38 वर्ष थी। इनमें से लगभग 40 प्रतिशत की आयु 30 वर्ष से कम है। इसके साथ ही देश भर में भागीदारी भी बढ़ी है। निवेशक आधार भारत के 99.85 प्रतिशत पिन कोड क्षेत्रों को कवर करता है।

नवचंडी देवी धाम में उपासना से होती है मनोकामना पूरी, मिलने लगे हैं संकेत

खंडवा. मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित नवचंडी देवीधाम एक अत्यंत प्रसिद्ध और चमत्कारी मंदिर है। यह मंदिर आदिशक्ति की उपासना का प्रमुख स्थल है, जहां भक्त बड़ी आस्था और विश्वास के साथ आते हैं। मान्यता है कि मां नवचंडी के दरबार में जो भी अपनी मनोकामना रखता है, मां उसकी हर इच्छा पूरी करती हैं। यही वजह है कि यह मंदिर केवल खंडवा ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों और दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बन चुका है।
खंडवा शहर के रमेश्वर नगर क्षेत्र में स्थित यह मंदिर शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। यहां पहुंचने में भक्तों को कोई कठिनाई नहीं होती क्योंकि यह स्थान शहर से ज्यादा दूरी पर नहीं है। जनश्रुति है कि इस मंदिर की स्थापना वर्षों पूर्व एक भक्त की श्रद्धा और भक्ति से हुई थी। धीरे-धीरे मंदिर का विस्तार हुआ और आज यह एक सिद्धपीठ के रूप में जाना जाता है।

मां नवचंडी की महिमा

यह मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था से जुड़ा हुआ है। भक्तों का विश्वास है कि मां नवचंडी के दरबार में सच्चे मन से जो भी प्रार्थना की जाती है, उसका फल अवश्य मिलता है। जब किसी भक्त की इच्छा पूरी हो जाती है, तो वह यहां विशेष पूजा-अर्चना करके मां को धन्यवाद अर्पित करता है। कुछ लोग माता के दरबार में ध्वजा या चुनरी चढ़ाकर आभार व्यक्त करते हैं। माना जाता है कि यदि किसी की मनोकामना पूर्ण हो जाती है, तो उसे किसी न किसी रूप में संकेत अवश्य मिलता है, जैसे- जीवन में अचानक सुख-समृद्धि आना या किसी लंबे समय से रुके कार्य का पूर्ण होना।

नवरात्रि और मेले का महत्व

नवरात्रि के दिनों में यहां विशेष उत्सव का आयोजन किया जाता है। 9 दिनों तक माता की विशेष पूजा, हवन और भजन-संकीर्तन होते हैं। भक्तजन सुबह से देर रात तक दर्शन के लिए उमड़ते हैं। मंदिर परिसर दीपों से जगमगाता है और वातावरण में भक्ति की गूंज सुनाई देती है। इसके अलावा यहां हर साल एक विशाल मेला भी आयोजित होता है, जो बसंत पंचमी से लेकर माघ पूर्णिमा तक चलता है। इस मेले में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूले, मेले की दुकानें और रात्रि जागरण भी आयोजित होते हैं। हजारों श्रद्धालु इस अवसर पर यहां पहुंचते हैं और पूरे क्षेत्र का वातावरण मां के जयकारों से गूंजता है।

मंदिर परिसर और अन्य स्थल

नवचंडी देवी मंदिर के साथ-साथ परिसर में अन्य देवी-देवताओं के भी छोटे मंदिर बने हुए हैं। यहां शिवजी, काली माता और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं। नवरात्रि के दौरान पूरा परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहता है। मंदिर के चारों ओर का खुला मैदान बड़े आयोजनों और मेले के लिए विशेष रूप से उपयुक्त माना जाता है।

मंदिर की कहानियां और लोकश्रुतियां

स्थानीय लोगों के बीच कई कहानियां प्रचलित हैं। कहा जाता है कि किसी भक्त ने कठिन समय में यहां माता से मनोकामना मांगी और मां ने उसे संकट से उबारा। तभी से इस स्थान को सिद्धपीठ के रूप में मान्यता मिलती गई। ऐसी भी मान्यता है कि यहां आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता।

आस्था और विश्वास का प्रतीक

खंडवा का नवचंडी देवीधाम केवल एक मंदिर नहीं बल्कि आस्था और विश्वास का प्रतीक है। यह वह स्थान है जहां भक्त अपने दुख-दर्द लेकर आते हैं और मां की कृपा से हल्का महसूस करते हैं। खासकर नवरात्रि के दिनों में यहां आने का अनुभव भक्तों के लिए अविस्मरणीय होता है। श्रद्धालु कहते हैं कि मां के दरबार से उन्हें न सिर्फ आत्मिक शांति मिलती है बल्कि जीवन की कठिनाइयां भी दूर होती हैं।

मां दुर्गा का पांचवा स्वरूप स्कंदमाता

मां दुर्गा का पांचवा स्वरूप स्कंदमाता है, इनकी अराधना से संतान और धन की प्राप्ति होती है। इनकी पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वालीं।
नवरात्र का पांचवा दिन मां स्कंदमाता के नाम होता है। मां के हर रूप की तरह यह रूप भी बेहद सरस और मोहक है। स्कंदमाता अपने भक्त को मोक्ष प्रदान करती है। चाहे जितना भी बड़ा पापी क्यों ना हो अगर वह मां के शरण में पहुंचता है तो मां उसे भी अपने प्रेम के आंचल से ढ़क लेती है। मां अपने भक्त के सारे दोष और पाप को दूर कर देती है। मां स्कंदमाता की पूजा नीचे लिखे मंत्र से आरंभ करनी चाहिए। नवरात्र के नौ दिन दुर्गा मां के भक्तों के लिए अपने नौ ग्रहों को शांत कराने का अहम मौका होता है। नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा होती है। वात्सल्य की प्रतिमूर्ति मां स्कंदमाता भगवान स्कंद को गोदी में लिए हुए हैं और इनका यह रूप साफ जाहिर करता है कि यह ममता की देवी अपने भक्तों को अपने बच्चे के समान समझती हैं। साथ ही मां स्कंदमाता की पूजा करने से भगवान स्कंद की पूजा भी स्वतः हो जाती। इस देवी की चार भुजाएं हैं। यह दायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बायीं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है।
पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वालीं स्कंदमाता। नवरात्रि में पाँचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। इस देवी की चार भुजाएं हैं।
यह दायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बायीं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। यह कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है।
शास्त्रों में इसका पुष्कल महत्व बताया गया है। इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। भक्त को मोक्ष मिलता है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांतिमय हो जाता है। अतः मन को एकाग्र रखकर और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है। उनकी पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वालीं। कहते हैं कालिदास द्वारा रचित रघुवंशम महाकाव्य और मेघदूत रचनाएं स्कंदमाता की कृपा से ही संभव हुईं।
सिंहसनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।

घर में सुख-शांति के लिए नवरात्रि में हवन कराना क्यों माना जाता है शुभ?

हर साल अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होती है। इस वर्ष भी यह पावन पर्व 22 सितंबर से शुरू हो चुका है, जिसमें मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। इन नौ दिनों के दौरान मां दुर्गा की पूजा, व्रत और भक्ति का विशेष महत्व है, लेकिन इस पूरे अनुष्ठान को हवन के बिना अधूरा माना जाता है। खासकर अष्टमी या नवमी तिथि पर किया जाने वाला हवन घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मक लाने का सबसे शुभ और शक्तिशाली माध्यम माना गया है।

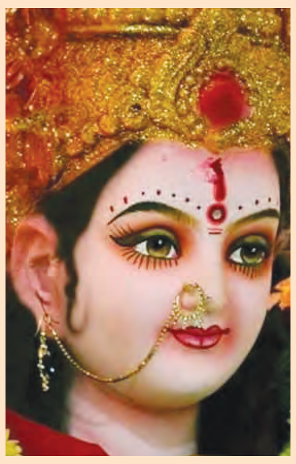

आइए, जानते हैं कि नवरात्रि में हवन कराना क्यों इतना शुभ माना जाता है।

नवरात्रि में हवन का महत्व

देवी-देवताओं तक भोग पहुंचानाः हिंदू धर्म में अग्नि को देवताओं का मुख माना गया है।
ऐसी मान्यता है कि हवन कुंड में समर्पित की गई आहुतियां (घी, हवन सामग्री आदि) सीधे देवी-देवताओं तक पहुंचती हैं। नवरात्रि में मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए हवन अनिवार्य है।

मनोकामनाओं की पूर्तिः हवन में विशेष मंत्रों के साथ आहुति देने से एक विशिष्ट ऊर्जा उत्पन्न होती है। माना जाता है कि मां दुर्गा इससे प्रसन्न होकर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं और उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

नकारात्मक ऊर्जा का नाशः हवन की पवित्र अग्नि और मंत्रों के उच्चारण से उत्पन्न शक्ति घर और जीवन से नकारात्मक ऊर्जा, बुरी शक्तियों और भय का नाश करती है, जिससे परिवार में शांति और प्रेम का वास होता है।

भूल-चूक के लिए क्षमाः नौ दिनों की पूजा में यदि कोई भूल या त्रुटि हो गई हो, तो हवन के माध्यम से देवी से क्षमा याचना की जाती है, जिससे पूजा का संपूर्ण फल प्राप्त होता है।

कब करें हवन?

नवरात्रि में हवन करने के लिए अष्टमी (दुर्गाष्टमी) और महानवमी का दिन सबसे शुभ माना जाता है।
कई भक्त महाष्टमी के दिन हवन और कन्या पूजन करते हैं, तो कई नवमी के दिन इन अनुष्ठानों को पूरा करके व्रत का पारण करते हैं। शास्त्रों के अनुसार, कन्या पूजन और हवन के बाद ही नवरात्रि का व्रत पूर्ण माना जाता है।

कन्या पूजन : सिंदूर-कलावे से शुरुआत, चुनरी-दक्षिणा से समापन

नवरात्रि में कन्या पूजन का खास महत्व बताया गया है। कहते हैं कि बिना कन्या पूजन के नवरात्रि अधूरी होती है। नवरात्र के समय कुमारी कन्या पूजन से मां दुर्गा बेहद प्रसन्न होती हैं और जातक के घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। दरअसल, कन्याओं को माता दुर्गा का रूप माना गया है, इसलिए नवरात्रि में कन्या पूजन का खास महत्व बताया गया है। लेकिन कई भक्त इस उलझन में रहते हैं कि कुंवारी कन्या पूजन किस तारीख को करनी चाहिए और कैसे करना चाहिए। तो आइए देवघर के ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि नवरात्रि में कुंवारी कन्या पूजन कब और कैसे करें?

जरूर करना चाहिए कन्या पूजन

देवघर के पागल बाबा आश्रम स्थित मुद्गल ज्योतिष केंद्र के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने लोकल 18 के संवाददाता से बातचीत करते हुए कहा कि 22 सितंबर से नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है और 2 अक्टूबर तक नवरात्रि चलने वाली है। इन दिनों माता दुर्गा के 9 रूप की पूजा पूरी विधि से नौ दिनों तक की जाएगी।
ऐसा करने से घर से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं और सुख-समृद्धि बढ़ती है। साल भर मां दुर्गा की कृपा बरसती है। जो जातक अपने घर में नवरात्रि करते हैं या फिर दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं, वे नवरात्रि में कुंवारी कन्या पूजन जरूर करें, तभी पूजा का शुभ फल मिलेगा।

कब करें कन्या पूजन

लोग अपने-अपने तरीके से दुर्गा पूजन और कुंवारी कन्या पूजन करते हैं। कई भक्त ऐसे हैं जो प्रतिपदा से लेकर नवमी तक कन्या पूजन करते हैं। कुछ लोग सिर्फ अष्टमी और नवमी को ही कुंवारी कन्या पूजन करते हैं। यह दोनों तरीके सही हैं। जो जातक रोज नहीं कर पाते हैं, वे अष्टमी और नवमी के दिन कन्या पूजन जरूर करें।

किस विधि से करें पूजा

कुंवारी कन्या पूजन अष्टमी और नवमी के दिन करें। इसमें एक बटुक का होना जरूरी है। सबसे पहले कन्याओं के पैर धोएं, फिर उन्हें आसन पर बिठाएं। इसके बाद कलावा (पवित्र धागा) बांधें, माथे पर लाल कुमकुम लगाएं। इसके बाद पूड़ी, काले चने, नारियल और हलवा भोग के रूप में खिलाएं। फिर पैर छूकर कन्याओं का आशीर्वाद लें।

ऐसे करें विदाई

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि कन्या पूजन के बाद कन्याओं को ऐसे ही विदा न करें। सभी कन्याओं को पूजन के बाद पान खिलाएं। उसके बाद फल और दक्षिणा जरूर दें। साथ में श्रृंगार का सामान और लाल चुनरी देकर ही विदा करें। ऐसा करने से माता दुर्गा बेहद प्रसन्न होती हैं और जातक के जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है। घर से नकारात्मक शक्ति खत्म हो जाती है।

450 साल पुराने रानी तालाब मंदिर की अनसुनी कहानी

नवरात्रि 2025। भारत में कई ऐसे दैवीय स्थल और दिव्य धाम हैं, जिनके अलग-अलग किस्से और कहानियां हैं जो इन्हें और भी ज्यादा अद्भुत और अकल्पनीय बनाते हैं। एक ऐसा ही दिव्य धाम मध्य प्रदेश के रीवा में स्थित है। यहां पर 450 साल पुराना मां कालिका का रानी तालाब धाम है। इस धाम से जुड़े कई रोचक किस्से हैं, जिससे इस धाम की मान्यताएं और बढ़ जाती है। शारदीय नवरात्रि और चैत्र नवरात्रि के समय इस धाम में आस्था, विश्वास, आराधना और भक्ति का विशाल सैलाब उमड़ता है। सिद्धि प्राप्ति के लिए भक्त यहां 9 दिनों तक देवी की आराधना करते हैं।

नवरात्रि में सजा मां कालिका का दिव्य दरबार

रीवा के रानी तालाब में स्थित मां कालिका देवी के मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। 450 वर्ष पुराने मां कालिका मंदिर की मान्यता है कि ज्योतिष गणना पर आधारित इस सिद्धपीठ में नवरात्रि में आराधना से लोगों को सिद्धि प्राप्त होती है। नवरात्रि के दिनों में लगातार यहां पर भक्तों का तांता लगा रहता है। इसके अलावा साल के 365 दिन श्रद्धालु इस अलौकिक धाम में आकर मां कालिका के चरणों में अपना शीश झुकाते है। मान्यता है कि यहां आने वाले भक्तों की हर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

प्रतिमा की स्थापना से जुड़ा है रोचक किस्सा

मां कालिका की प्रतिमा स्थापना के पीछे एक रोचक किस्सा बताया जाता है कि तकरीबन 450 साल पहले यहां जंगल हुआ करता था। उस समय घुमक्कड़ समुदाय के लोग बैलगाड़ी पर सवार होकर

इसी रास्ते से गुजरते थे। उनके पास देवी की एक दिव्य प्रतिमा थी, जिसके बारे में मान्यता थी कि यह जहां रख दी जाएगी वहीं हमेशा के लिए स्थापित हो जाएगी। घुमक्कड़ समुदाय के लोग यहां रात्रि विश्राम के लिए रुके थे।
पहाड़ नुमा जिस टीले पर मां कालिका की प्रतिमा विराजमान है। उसी स्थान पर एक इमली का वृक्ष हुआ करता था। घुमक्कड़ समुदाय के लोगों ने विश्राम के दौरान भूलवश अपने साथ लाई हुई मां कालिका की प्रतिमा को उसी इमली के वृक्ष पर टिका कर रख दिया। विश्राम के बाद जब वह उठकर जाने लगे तब उन्होने मां की प्रतिमा को उठाया मगर प्रतिमा नहीं उठी। तब से लेकर आज तक मां कालिका यह अद्भुत प्रतिमा उसी स्थान पर विराजमान है।
मंदिर के प्रधान पुजारी के मुताबिक "इस मन्दिर का निर्माण महाराजा भाव सिंह की धर्मप्रिय महारानी अजब कुमारी ने कराया था। दरअसल, एक बार लवाना प्रजाति के लोग यहां ठहरे थे। पानी की कमी को देखते हुए उन्होंने मां कालिका मंदिर के ठीक सामने विशाल तालाब की खुदाई कर डाली। उसके कुछ दिनों बाद ही रक्षाबंधन का पर्व आया और रीवा रियासत की राजकुमारी कुंदन कुमारी पूजा-अर्चना करने मंदिर आईं। वे पानी से लबालब तालाब को देखकर प्रसन्न हो गईं। लावाना प्रजाति के लोगों ने महारानी से मांग की कि आप हमारी कलाइयों में राखी बांध दीजिए। महारानी ने राखी बांधी और लावाना लोगों ने महारानी को वो तालाब भेंट कर दिया। तभी से इस धाम को रानी का तालाब कहा जाने लगा।"

संतान प्राप्ति की लिए रघुराज सिंह ने किया था अनुष्ठान

रीवा राजघराने से जुड़ी एक और रोचक कहानी है। दरअसल, महाराजा विश्वनाथ सिंह के पुत्र रघुराज सिंह को संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी। तब राजपरिवार ने यहां पूजा-अर्चना की और माता से आशीर्वाद में एक संतान की मांग की। कहा जाता है कि मां ने महाराज के स्वप्न में आकर कहा था कि मां (मेरा) का श्रृंगार करो, तुम्हें अवश्य संतान प्राप्ति होगी। इसके बाद महाराजा विश्वनाथ सिंह ने हीरे से जड़ित स्वर्ण आभूषण बनवाएं और मां कालिका के चरणों मे अर्पित किए। जिसके कुछ समय बाद ही महाराजा की मनोकामना पूर्ण हुई और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई।

राजघराने से आते थे मां के श्रृंगार के लिए आभूषण

इस घटना के बाद से प्रत्येक शारदीय और चैत्र नवरात्रि में रीवा रियासत के किले से देवी के श्रृंगार के लिए आभूषण आते थे। यह परंपरा कई वर्षों तक चली थी। बाद में प्रशासन ने मंदिर की देखरेख का जिम्मा संभाल लिया और अब हर साल नवरात्रि के मौके पर प्रशासन की तरफ से मां कालिका के श्रृंगार के लिए गहने लाए जाते हैं। बाद में उसे प्रशासन की देखरेख में वापस जमा कर दिया जाता है। नवरात्रि के दिनों में यहां भव्य मेले का भी आयोजन होता है।

सलमान ने जताई पिता बनने की इच्छा

एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना और काजोल के टॉक शो 'टू मच' के पहले एपिसोड में आमिर खान और सलमान खान पहुंचे। शो में दोनों ने अपने करियर, निजी जिंदगी और दोस्ती पर बात की। आमिर ने बताया कि सलमान से उनकी बॉन्डिंग शुरू में अच्छी नहीं थी। उन्होंने कहा, "उस वक्त मुझे लगता था कि भाई (सलमान) टाइम पर नहीं आता। 'अंदाज अपना अपना' की शूटिंग में हमें बहुत दिक्कत होती थी। वहीं, सलमान ने भी अपने निजी अनुभव शेयर किए।

उन्होंने रिश्तों पर कहा, "जब एक पार्टनर दूसरे से ज्यादा ग्रो करता है, तभी फर्क आना शुरू होता है। तब इन सिक्योरिटी आने लगती है। दोनों को साथ ग्रो करना चाहिए। दोनों को एक-दूसरे की पीठ से हटना चाहिए। मैं यही मानता हूं।" आमिर ने जब पूछा कि उनके रिश्ते क्यों नहीं चले तो सलमान ने कहा, "यार नहीं जमा तो नहीं जमा। अगर नहीं चला तो बस नहीं चला। अगर किसी को ब्लेम करना है तो वो मैं हूं।" इसी शो में सलमान ने पेरेंटहुड को लेकर कहा, बच्चे तो होंगे ही, जल्दी ही होंगे। बस वक्त आने दो, फिर देखेंगे। बता दें कि ट्विंकल खन्ना और काजोल का शो 'टू मच' 25 सितंबर से प्राइम वीडियो पर आना शुरू हुआ है। हर गुरुवार शो के नए एपिसोड आएंगे।

पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा विवादों में फंसी

फेमस पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा नए विवाद में फंस गई हैं। उनकी नई फिल्म के ट्रेलर में सोनम बाजवा को शराब पीते और हाथ में सिगरेट पकड़े हुए दिखाया गया है। जिसको लेकर पंजाब कलाकार मंच ने सवाल खड़े किए हैं। मंच के सरपरस्त सुखमिंदरपाल सिंह ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार और सेंसर बोर्ड को पत्र लिखकर फिल्म बैन करने की मांग की है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी मेंबर ने भी धूम्रपान को प्रमोट करने पर एतराज जताया है। एक हफ्ते पहले नई पंजाबी मूवी निक्का जैलदार-4 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें सोनम बाजवा के अलावा एमी विर्क भी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें सोनम बाजवा को शराब की आदी बहू के रूप में दिखाया गया है। करीब 3 मिनट के ट्रेलर में सोनम बाजवा को कई बार शराब पीते हुए दिखाया गया है।

इसके अलावा एक सीन में उसके हाथ में सिगरेट भी है। जिसको लेकर ही विरोध शुरू हुआ है। पंजाब कलाकार मंच के सरपरस्त सुखमिंदरपाल सिंह ने कहा कि जिन कलाकारों ने बाढ़ में मदद की, हमने उनकी तारीफ की। मगर, कुछ कलाकार अच्छा करते- करते मर्यादा का उल्लंघन कर रहे हैं। सोनम बाजवा को सिख परिवार की बहू के तौर पर सिगरेट पकड़े हुए दिखाया गया है। यह सिख महिलाओं और सिख सिद्धांतों का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस बारे में केंद्र और सेंसर बोर्ड को शिकायत दे दी गई है।

पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत ने मैच पर सवाल उठाए

पंजाबी सिंगर एवं एक्टर दिलजीत दोसांझ ने सरदार जी 3 फिल्म विवाद पर पहली बार खुलकर बात की है। इसके साथ-साथ उन्होंने भारत-पाक के बीच हुए मैच पर भी सवाल उठाए हैं। दिलजीत इन दिनों में मलेशिया में अपने ओरा टूर पर हैं। उनका पहला शो बीती रात (24 सितंबर) को हुआ। उन्होंने कहा- "वो मेरे देश का झंडा है, हम सब इंडिया हैं।

जब मेरी फिल्म आई थी सरदार जी, वह फरवरी में बनी थी, तब सभी मैच खेल रहे थे। लेकिन जो बहुत ही दुखदाई घटना हुई पहलगाम की, हमने निंदा की। तब भी अरदास की, आज भी अरदास करते हैं कि जिन्होंने भी हमला किया, उन्हें सख्त से सख्त सजा मिले। हम अपने देश के साथ हैं। लेकिन जो ये अब मैच (भारत-पाक) हुए हैं, इसका और मेरी फिल्म का फर्क बहुत है। दिलजीत ने कहा कि हमारी फिल्म पहले शूट हुई थी, मैच बाद में। नेशनल मीडिया का जोर लग गया, दिलजीत दोसांझ को देश के खिलाफ दिखाने के लिए। लेकिन पंजाबी और सरदार कभी देश के खिलाफ नहीं जा सकते।

अमृता राव को मिला था खून से लिखा लेटर

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता राव ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि एक शख्स ने उन्हें खून से लेटर लिखा था। गौरतलब है कि फिल्म 'इश्क विश्क', 'मैं हूं ना' और 'विवाह' में अमृता राव के रोल को अभी याद भी किया जाता है। हाल ही में रणवीर अल्लाहबादिया के साथ बातचीत में अमृता ने बताया कि इन फिल्म के बाद उन्हें शादी के बहुत सारे प्रपोजल्स मिले थे।

उन्होंने कहा, "विवाह के बाद मुझे लोगों के प्रपोजल्स मिलने लगे। लोग अपने परिवार के साथ, कार और कुत्ते के साथ तस्वीरें भेजते और कहते थे 'मुझसे शादी कर लो।' यह सिर्फ एक या दो नहीं, कई बार हुआ। मैं हंसकर सोचती, 'कौन लोग हैं ये! अमृता ने यह भी बताया कि कई लोगों ने उन्हें लेटर भी लिखे और एक बार उन्हें खून से लिखा खत मिला था। अमृता ने कहा, "यह बहुत डरावना था। एक शख्स मेरे घर के बाहर टेलीफोन बूथ पर खड़ा रहता था।

मेरे माता-पिता को फोन उठाना पड़ता था। यह बहुत ज्यादा हो गया था।"

'दिव्या भारती का होगा पुनर्जन्म

बॉलीवुड की दिवंगत एक्ट्रेस दिव्या भारती को लेकर हाल ही में उनकी सेकेंड कजिन और एक्ट्रेस कायनात अरोड़ा ने कई बातें शेयर कीं। कायनात ने दिव्या की मां मीता भारती को याद करते हुए कहा, "मीता मॉम ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। जब मैं बॉम्बे आई, तो उन्होंने मुझे कहा कि कायनात, मेरी बेटी वापस आ गई है। मैंने पूछा ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि दिव्या की कुंडली में अल्पायु योग था।" कायनात ने बताया कि एक पंडित जी ने दिव्या की कुंडली देखकर यह कहा था कि 8–9 साल की उम्र में उनकी सुरक्षा के लिए पूजा पाठ शुरू करना जरूरी है। कुंडली के अनुसार 18 साल की उम्र के बाद कुछ खतरा हो सकता था।

उन्होंने आगे कहा कि मीता मॉम ने लगातार पूजा पाठ करवाई। एक दिन, दो दिन, तीन दिन, एक महीना, दो महीने जो भी रिचुअल

थे, उसके हिसाब से पूजा की गई। हालांकि, कुछ समय बाद पूजा रोक दी गई। फिर दिव्या ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और मीता मॉम उनके साथ ट्रेवल करने लगीं।

कायनात ने यह भी बताया कि दिव्या की मां ने उन्हें बताया था कि दिव्या की मौत के बाद उन्होंने भविष्यवाणी करने वाले पंडित जी को ढूंढा और उनसे कहा, "पंडित जी, आपने जो पहले भविष्यवाणी की थी, वह सच साबित हो गई। अब मैं क्या करूं?" इस पर पंडित जी ने कहा था कि वह वापस आएंगी और पुनर्जन्म के जरिए लौटेंगी। दिव्या भारती ने बहुत ही कम समय में कई फिल्मों में काम किया था। उन्होंने शोला और शबनम, 'दीवाना' और 'दिल ही तो है' जैसी फिल्मों में भी काम किया। वहीं दिव्या भारती की मौत 5 अप्रैल 1993 को हुई थी, वह केवल 19 साल की थीं।

रैपर बादशाह की आंख में चोट लगी

ग्लोबल पॉप और हिप-हॉप स्टार बादशाह की आंख में चोट लग गई है। बादशाह ने खुद इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर फैंस को इसकी जानकारी दी। पहली तस्वीर में उनकी सूजी आंख और बिगड़ा हुआ चेहरा दिख रहा है। दूसरी तस्वीर में उनकी आंख पर पट्टी बंधी हुई है। वहीं मंगलवार (23 सितंबर) को बादशाह का नया पार्टी गाना 'कोकैना' रिलीज हो गया है। यह गाना सारेगामा म्यूजिक ने जारी किया है और इसमें बादशाह के साथ पंजाबी सिंगर सिमरन कौर ढडली और एक्ट्रेस नताशा भारद्वाज भी हैं। गाने के रिलीज होने के 24 घंटे में ही इस गाने को 9 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। गाने में बादशाह का म्यूजिक और आवाज दोनों शामिल हैं।

बादशाह ने अपनी चोट के बारे में इंस्टाग्राम पर जानकारी दी। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा कि उनकी आंख "अवतार जी के मुक्के जैसा" लग रही है। उन्होंने पोस्ट में #बदमाश और #कोकैना जैसे हैशटैग भी लगाए और सितंबर 2025 में आने वाले अपने नए गाने की झलक दिखाई। फैंस ने उनकी चिंता जताई और जल्दी ठीक होने की दुआ की। बादशाह अपने हिट गाने 'बावला' को लेकर कानूनी विवाद में फंसे हैं। करनाल की यूनिसिस इंफोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने उन पर आरोप लगाया है कि गाना पूरा होने और रिलीज होने के बाद भी उन्हें पूरी रकम नहीं मिली। कंपनी का कहना है कि बादशाह और उनकी एजेंसी पर करीब 2 करोड़ 88 लाख रुपए का बकाया है।

निधन से पहले हर साल इतने करोड़ कमाती थीं श्रीदेवी

श्रीदेवी ने महज 4 साल की उम्र में फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में काम करना शुरू कर दिया था। फिर बड़ी होने पर साउथ की फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के रूप में काम किया। इसके बाद बॉलीवुड का रुख किया था। बॉलीवुड में उन्हें साल 1983 की फिल्म 'हिम्मतवाला' से पहचान मिली थी। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। खूब शोहरत के साथ ही उन्होंने खूब दौलत भी कमाई थी। आइए आज जानते हैं कि आखिर श्रीदेवी अपने पीछे कितने करोड़ की संपत्ति छोड़कर गई थीं? श्रीदेवी को हिंदी सिनेमा की पहली लेडी सुपरस्टार कहा जाता था। हालांकि वो अब इस दुनिया में नहीं हैं। इस दिग्गज अदाकारा का साल 2018 में निधन हो गया था। श्रीदेवी कभी बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस होने के साथ ही टॉप रईस अभिनेत्री भी थीं। आइए आज जानते हैं कि श्रीदेवी कितने करोड़ की नेटवर्थ की मालकिन थीं?

श्रीदेवी ने इस दुनिया को 54 साल की उम्र में अलविदा कहा था। उन्होंने बॉलीवुड में एक अमिट पहचान बनाई थी। उनकी बेहतरीन फिल्मों में 'नगीना', 'खुदा गवाह', 'मिस्टर इंडिया', 'जुदाई', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'चांदनी', 'लाडला', 'सदमा', 'मवाली', 'कर्मा', 'मेरी बीवी का जवाब नहीं', 'मॉम' और 'चालबाज' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। उन्होंने हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और तेलुगू भाषा की करीब 300 फिल्में की थीं। श्रीदेवी ने अपने लंबे और सफल करियर में अमिताभ बच्चन, मिथुन चक्रवर्ती, ऋषि कपूर, सनी देओल, अनिल कपूर, विनोद खन्ना, जैकी श्रॉफ और संजय दत्त से लेकर सलमान खान, अक्षय कुमार और शाहरुख खान जैसे कई दिग्गजों संग स्क्रीन शेयर किया।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में बढ़ सकती हैं शिल्पा शेट्टी की मुश्किलें

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी जाने-अनजाने किसी ना किसी विवाद का हिस्सा बन ही जाती हैं। अब एक्ट्रेस राज कुंद्रा की 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में मुसीबत में फंसती नजर आ रहीं हैं। उनसे 15 करोड़ रुपए के लेन-देन को लेकर सवाल-जवाब किए जा सकते हैं। एक्ट्रेस को जल्द ही इस केस की इनवेस्टिगेशन कर रहे ईओडब्ल्यू की तरफ से समन किया जा सकता है और इस धोखाधड़ी को लेकर पूछताछ की जा सकती है। बता रहे हैं कि इस केस में क्या-क्या अपडेट आया है। राज कुंद्रा की 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में नया मोड़ सामने आया है। इस मामले में अब शिल्पा शेट्टी का नाम भी सीधे तौर पर जुड़ता नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स में ऐसा सुनने में आया है कि राज कुंद्रा ने इन 60 करोड़ रुपए में से 15 करोड़ रुपए अपनी पत्नी और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की कंपनी के बैंक खाते में सबमिट किए थे। अब इस मामले में ही शिल्पा से पूछताछ की तैयारी चल रही है। सूत्रों की मानें तो मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) इस मामले में कभी भी शिल्पा शेट्टी को समन कर सकती है और अपनी पूछताछ को आगे बढ़ा सकती है।

शिल्पा से होंगे तीखे सवाल

इस इंक्वायरी के पीछे तर्क ये दिया जा रहा है कि किसी भी साधारण विज्ञापन के लिए इतना कपड़ा ट्रॉन्सफर नहीं किया जा सकता है। ऐसे में इस बात का पता लगाना जरूरी हो गया है कि अचानक से 15 करोड़ रुपए ट्रॉन्सफर करने का क्या मतलब था और इसके पीछे का उद्देश्य क्या था। ऐसे में शिल्पा को कुछ तीखे सवालों का भी सामना करना पड़ सकता है।

एकता कपूर-बिपाशा बसु से पूछताछ

इससे पहले 60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में राज कुंद्रा से लंबी पूछताछ की गई थी। इसके बाद बालाजी टेलिफिल्म्स की प्रोड्यूसर एकता कपूर से भी पूछताछ का नाम सामने आया था। उनके साथ ही बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धुपिया और बिपाशा बसु से भी पूछताछ की बात सामने आई थी। उनपर आरोप था कि राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की इस कंपनी में इन वेल नोन पर्सनालिटीज ने भी अपने प्रोडक्ट्स का प्रमोशन किया था।

महेश बाबू के 1000 करोड़ी एक्टर के साथ करीना मचाएंगी धमाल

शुरू हो गई बड़ी तैयारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अब भी लगातार काम कर रही हैं। उनके खाते में कुछ फिल्में हैं, जिनका वो शूट खत्म कर चुकी हैं, तो कुछ का बाकी रह गया है। कुछ वक्त पहले वो 'द बकिंघम मर्डर्स' और अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' में नजर आईं। अब करीना कपूर के हाथ एक बड़ी पिक्चर लग गई है। जिसकी वो शूटिंग भी शुरू कर चुकी हैं। जिस फिल्म को जंगल पिक्चर्स और पेन स्टूडियो वाले प्रोड्यूस कर रहे हैं। जबकि, मेघना गुलजार इस पिक्चर की डायरेक्टर हैं। दरअसल करीना कपूर खान ने इस फिल्म के लिए टॉप मलयालम एक्टर से हाथ मिलाया है। जिस एक्टर के साथ करीना कपूर काम करने वाली हैं, वो हैं पृथ्वीराज सुकुमरान। जो अपने दमदार अभिनय और रोमांच से दर्शकों को बांधना जानते हैं। कुछ वक्त पहले ही वो काजोल के साथ एक फिल्म में दिखे हैं। जिसमें इब्राहिम अली खान ने उनके बेटे का रोल प्ले किया। अब करीना के साथ जिस फिल्म में साथ आ रहे हैं, उस फिल्म का नाम है- दायरा।

दरअसल करीना कपूर खान की इस फिल्म का काफी पहले ही ऐलान कर दिया गया था। अब एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया है। जिसके कैप्शन में लिखा है- पहला दिन, 68वीं फिल्म, दायरा सबसे अमेजिंग मेघना गुलजार के साथ। साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन को भी टैग किया है। इस दौरान पूरी टीम सेट पर एक साथ पूजा करती हुई दिख रही है। दरअसल फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस वाले बनने वाले हैं। जो वर्दी पहने दिख रहे हैं।

वहीं सामने करीना कपूर खान है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। जिसके लिए फैन्स काफी एक्साइटेड हैं। दरअसल पृथ्वीराज सुकुमारन का नाम राजामौली की 1000 करोड़ी फिल्म से भी जुड़ रहा है। कहा जा रहा है कि वो महेश बाबू की पिक्चर का हिस्सा हैं। जिसके लिए काफी पहले ही शूट कंप्लीट कर चुके हैं। दरअसल एक्टर की मां ने ही कुछ वक्त पहले हिंट दिया था। जिसके बाद पोस्ट हटा दिया गया था। वहीं खुद फिल्म डायरेक्ट भी कर रहे हैं और एक्टिंग लाजवाब है। दरअसल मेघना गुलजार अपनी कहानी कहने के तरीके के लिए जानी जाती हैं। नेशनल अवॉर्ड विनर यह डायरेक्टर विकी कौशल की सैम बहादुर को डायरेक्ट कर चुकी हैं। उससे पहले राजी और तलवार जैसी कई शानदार फिल्मों को भी बनाया है।

कॉकटेल 2 : 6000 किमी दूर से भी नहीं बच पाए शाहिद कपूर

फिल्म से फिर लीक हुआ वीडियो, तीनों स्टार दिखे एक साथ

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर कॉकटेल 2 की शूटिंग देश से दूर इटली में चल रही है। फिल्म के सेट से आए दिन वीडियोज और फोटोज लीक होते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि मेकर्स इसपर रोक नहीं लगा पा रहे हैं। इसी बीच एक बार फिर से कॉकटेल 2 के सेट से तीनों स्टार्स का एक वीडियो लीक हो गया है। लीक क्लिप में शाहिद, कृति और रश्मिका साथ नजर आ रहे हैं। कॉकटेल 2 के सेट से एक सीक्रेट वीडियो लीक होने के बाद इंटरनेट पर हलचल मच गई है। इस क्लिप को दूर से शूट किया गया है, जिसमें स्टार्स पूरी तरह से फिल्म की शूटिंग में डूबे हुए नजर आ रहे हैं। वहीं उनके साथ फिल्म की क्रू टीम भी नजर आ रही है। कृति जहां बेहद स्टाइलिस्ट अंदाज में नजर आ रही हैं, वहीं रश्मिका का लुक थोड़ा सिंपल रखा गया है। इन तीनों को एक साथ फिल्म में देखना मजेदार होने वाला है।

लीक हुई क्लिप इटली के सिसिली की एक खूबसूरत कोबलस्टोन सड़क के सामने वाली बालकनी या खिड़की से ली गई लगती है। वीडियो में, तीनों लीड एक्टर्स के बीच बाकचीत होती हुई साफ-साफ दिखाई दे रही है। वीडियो में शाहिद कपूर का किरदार रश्मिका मंदाना के गले में हाथ डालकर उन्हें अपने करीब खींच लेता है। ऑनलाइन शेयर किए गए वीडियो में कबीर सिंह का मशहूर गाना बेखयाली बज रहा है।

आलिया भट्ट की बेटी राहा के पास है खुद की वैनिटी वैन नाना महेश भट्ट ने दी जानकारी

आलिया भट्ट एक डोटिंग मदर हैं और इस बात में कोई दो राय नहीं कि राहा कि परवरिश वो बहुत अच्छे से कर रही हैं। एक आम मां की तरह आलिया अपनी बेटी राहा को पूरा टाइम देती हैं। अब हाल ही में महेश भट्ट ने अपनी नातिन की लग्जरी लाइफ को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक तरफ जहां बॉलीवुड में अभी भी कई फिल्म स्टार्स के पास खुद की वैनिटी वैन नहीं है। उनकी लंबी-चौड़ी टीम के तगड़े खर्च को लेकर बहस छिड़ी रहती है ऐसे में राहा को लेकर उनका ये खुलासा वाकई चौंकाने वाला है।

महेश भट्ट ने खुलासा किया कि राहा के पास खुद की वैनिटी वैन है। राहा जब भी आलिया के साथ सेट पर जाती हैं तो अपना समय अपनी वैनिटी वैन में ही बिताती हैं। मेहश ने बताया कि राहा कि वैनिटी वैन किसी नर्सरी की तरह लगती है। ह्यूमन्स को बॉलीवुड को दिए एक इंटरव्यू में महेश भट्ट ने कहा, आलिया ने चुका कि उसे शादी करनी है। अब उसकी एक बेटी भी है और वो काम भी करती है। हाल ही में गुची के इवेंट के लिए मिलान गई थीं और राहा को भी अपने साथ ले गई थीं। मैंने भी अभी उसके और अमिताभ बच्चन के साथ एक एड शूट किया था। मैंने वहां देखा कि राहा के लिए अलग से एक वैनिटी वैन है।

आलिया ने मुझसे कहा भी कि पापा जाओ और राहा के रूम में बैठ जाओ लेकिन मैं उसे गंदा नहीं करना चाहता था उसकी वैनिटी वैन में नर्सरी स्कूल जैसी फीलिंग आती है। वो बिल्कुल मंदिर की तरह है। इस पर महेश ने कहा, 'ना ना,वहां एक बूढ़ें इंसान के लिए कोई जगह नहीं है।'ये नई जेनरेशन की हीरोइनें हैं। ये काम पर भी जाती हैं। बच्चा भी संभाल रही हैं और गुची की इवेंट में भी बेबी को लेकर जाती हैं।

मोदी : कांग्रेस राज में लूट ही लूट थी, भाजपा सरकार में बचत ही बचत

देशवासियों से आह्वान- हम जो खरीदेंगे, स्वदेशी खरीदेंगे

बांसवाड़ा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस राज में लूट ही लूट थी। भाजपा सरकार में बचत ही बचत है। तभी देश जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है।

उन्होंने कहा- कांग्रेस सरकार में राजस्थान पेपरलीक का सेंटर बन गया था। जल जीवन मिशन भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था। महिलाओं पर अत्याचार चरम पर था। बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा था।

बांसवाड़ा में अवैध शराब का कारोबार खूब पनपा था। कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को लूटकर जो जख्म दिए उन्हें भरने का काम हमारी सरकार कर रही है।

मोदी गुरुवार को नापला में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने राजस्थान की 1 लाख 22 हजार 670 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण किया। पीएम ने कहा- कांग्रेस सरकार 100 रुपए की खरीद पर 31 रुपए टैक्स लेती थी। 2017 में यही सामान 118 रुपए में आने लगा। अब जीएसटी में बदलाव के बाद 105 रुपए देना पड़ता है। कांग्रेस की तुलना में 26 रुपए बचत हो रही है। कांग्रेस के राज में आपको 500 रुपए का जूता 575 रुपए का आता था। कांग्रेस 500 रुपए के जूते पर 75 रुपए टैक्स वसूलती थी। नवरात्र के पहले दिन जीएसटी में बहुत बड़ा सुधार किया है। भारत जीएसटी बचत त्योहार मना रहा है। घर में माताओं-बहनों के लिए रसोई का खर्च कम हो गया है।

मोदी के भाषण की बड़ी बातें...

1. पीएम का देशवासियों से आह्वान- हम जो खरीदेंगे, स्वदेशी खरीदेंगे

पीएम ने कहा- हमारा एक और लक्ष्य है। आत्मनिर्भर भारत का। हम किसी और पर निर्भर नहीं रहे। इसका रास्ता जाता है स्वदेशी के मंत्र से। स्वदेशी के मंत्र को भूलना नहीं है। मैं सभी से आग्रह करूंगा खासकर दुकानदार भाइयों से आग्रह करूंगा कि हम जो बेचेंगे वे स्वदेशी ही बेचेंगे। मैं देशवासियों से आग्रह करूंगा- हम जो भी खरीदेंगे स्वदेशी ही खरीदेंगे। हम दुकानदार को पूछेंगे ये स्वदेशी है या नहीं है।

मेरी स्वदेशी की व्याख्या सिंपल है। कंपनी और ब्रांड दुनिया के किसी भी देश का हो, लेकिन वह हमारे हिंदुस्तान में बना हुआ होना चाहिए। हिंदुस्तान के नौजवानों की मेहनत का बना हुआ होना चाहिए। मेरे देश के लोगों की पसीने और यहां की मिट्टी की महक हो, वो सब मेरे लिए स्वदेशी है। इसलिए मैं सभी दुकानदारों भाइयों से कहता हूं कि आप बोर्ड लगाइए- गर्व से कहो ये स्वदेशी है।

2. कांग्रेस राज में बिजली आना न्यूज होती थी

पीएम ने कहा-बिजली है तो दुनिया हमारे पास है। हालांकि हमारे देश में कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्व पर ध्यान ही

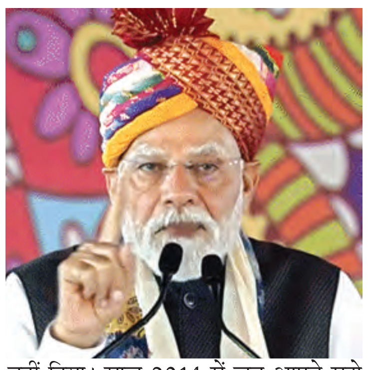

नहीं दिया। साल 2014 में जब आपने मुझे सेवा का मौका दिया और मैंने दायित्व संभाला, तब देश के ढाई करोड़ घर ऐसे थे, जहां बिजली का कनेक्शन नहीं था। आजादी के 70 साल के बाद भी बिजली नहीं थी। गांवों में पोल तक नहीं थे। गांवों में तो 4 से 5 घंटे बिजली आ जाए तो बड़ी बात होती थी। लोग चुटकला सुनाते थे कि हमारे यहां बिजली गई ये न्यूज नहीं थी, बिजली आई ये न्यूज थी। हमारे यहां 1 घंटे बिजली आई इसका चुटकला सुनाते थे। बिजली जाना नहीं, बिजली आना न्यूज हुआ करती थी।

3. कांग्रेसी क्यों गुस्से में रहते हैं, कारण बताया

आज से 11 साल पहले कांग्रेस के समय हालात कितने खराब थे और खराब क्यों थे। क्योंकि कांग्रेस सरकार देशवासियों के ही शोषण में लगी थी। कांग्रेस सरकार देश के लोगों को ही लूट रही थी। कांग्रेस के समय में टैक्स और महंगाई दोनों आसमान में थी। आप ने जब मोदी को आशीर्वाद दिया, तब हमारी सरकार ने कांग्रेस की लूट को बंद किया। साथियों ये आजकल मुझ पर बहुत गुस्से में रहते हैं, इसका कारण भी यही है।

मोदी ने मंच से सियासी मैसेज भी दिया

पीएम मोदी ने मंच से सियासी मैसेज भी दिया। प्रमुख नेताओं को मंच पर जगह देकर सबको अहमियत देने का सियासी मैसेज दिया। मोदी ने कार्यक्रम के अंत में विदाई से पहले मंच पर मौजूद सभी नेताओं का अभिवादन किया। पीएम बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के पास रुके, उनका अभिवादन स्वीकार किया, कुछ बात की।

वापस मुड़कर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और डिप्टी सीएम दीया कुमारी के पास से गुजरे, वसुंधरा का अभिवादन करके उनसे थोड़ी देर बात की। हालांकि मोदी और वसुंधरा राजे के बीच बातचीत का ब्योरा सामने नहीं आया है, लेकिन इस संक्षिप्त बातचीत ने सियासी चर्चाएं जरूर छेड़ दी हैं।

1 लाख करोड़ से ज्यादा की योजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण

समारोह में मोदी ने राजस्थान की 1 लाख 22 हजार 670 करोड़ से ज्यादा की योजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण किया। इनमें 42 हजार करोड़ लागत की 2800 मेगावाट की माही बांसवाड़ा परमाणु विद्युत परियोजना का शिलान्यास भी शामिल है।

कार्यक्रम में प्रतिकात्मक तौर पर दो युवकों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे। अलग-अलग विभागों और संगठनों के लिए सिलेक्ट होने वाले 15 हजार युवाओं को जॉइनिंग लेटर भी दिए। पीएम ने राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर से दिल्ली कैंट तक चलने वाली 2 नई वंदे भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा- नवरात्रि में हम माता के नौ स्वरूपों की पूजा करते हैं। आज यहां ऊर्जा शक्ति से जुड़ा इतना बड़ा आयोजन हो रहा है। राजस्थान, मध्यप्रदेश,कर्नाटक, आंधप्रदेश और महाराष्ट्र में 90 हजार करोड़ से ज्यादा के बिजली प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं। एक साथ प्रोजेक्ट शुरू होना ये दिखाता है कि देश बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

मंत्री ने तीर-कमान भेंट किया

इससे पहले मोदी खुली जीप में सीएम भजनलाल शर्मा, दोनों डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ जनता का अभिवादन करते हुए मंच पर पहुंचे। मंत्री बाबूलाल खराड़ी और विधायक ने तीर-कमान भेंट किया।

निकाय चुनावों की तारीखों पर अशोक गहलोत ने भाजपा पर साधा निशाना

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनावों की तारीखों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। अशोक गहलोत ने कहा कि संविधान का अपमान करना भाजपा के डीएनए में है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकांउट पर लिखा कि राज्य की भाजपा सरकार को अविलंब निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा करनी चाहिए। अशोक गहलोत ने आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान का अपमान करना भाजपा के डीएनए में है। जिस तरह से भाजपा सरकार शहरी निकाय के चुनावों को टाल रही है वो लोकतंत्र का गला घोंटने के बराबर है।

अशोक गहलोत ने कहा कि अब तो उच्च न्यायालय ने भी कह दिया है कि शहरी निकायों में चुनाव की तारीख घोषित करें। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा संविधान, लोकतंत्र और न्यायालय सबकी अवेहलना करती रहेगी। भाजपा सरकार को अविलंब निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा करनी चाहिए।

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है। याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नही होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी।

कामकाजी माता-पिता के लिए आ गई बड़ी खुशखबरी

बच्चों की देखभाल के लिए राजस्थान सरकार चलाएगी क्रेच

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कामकाजी महिला-पुरुषों को अब बच्चों के पालन-पोषण की चिंता नहीं सताएगी। ऐसे बच्चों के लिए सरकार शिशु पालना गृह (क्रेच) खोलेगी। इनमें सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों के बच्चों को प्राथमिकता मिलेगी, जिसके लिए प्रतिमाह प्रति बच्चा 2 से 3 हजार रुपए शुल्क होगा।

जगह खाली होने पर गैर सरकारी कार्मिकों के बच्चे भी रखे जा सकेंगे जिसके लिए शुल्क 4 से 5 हजार रुपए प्रतिमाह प्रति बच्चा होगा। इनका समय सुबह 9 से शाम 6.30 बजे तक होगा और खाने के लिए बच्चों को दूध, दलिया, खिचड़ी, कॉर्नफ्लेक्स व फल आदि दिए जाएंगे।

वित्त विभाग ने सरकारी शिशु पालना गृहों के संचालन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन शिशु पालना गृहों में 6 माह से 6 साल तक के बच्चों को रखा जा सकेगा।

शिशु पालना गृह में 1 से 2 किलोमीटर दायरे में आने वाले सरकारी-गैर सरकारी कार्मिकों के बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा।

तय किया अधिकतम शुल्क

राजकीय कार्मिकों के बच्चों के लिए: पूरे दिन की फीस 3 हजार, आधे दिन के लिए 2 हजार रुपए प्रतिमाह।

गैर-सरकारी कार्मिकों के बच्चों के लिए: पूरे दिन की फीस 5 हजार, आधे दिन के लिए 4 हजार रुपए प्रति माह।

एक दिन के लिए फीस: 250 रुपए

एक घंटे के लिए फीस-100 रुपए

ऐसे रहेगी व्यवस्था व निगरानी

निगरानी के लिए एक प्रबंध कमेटी बनेगी। इन पालना गृहों में 3 बच्चों पर एक सहायिका होगी। नियमों का पालन नहीं होने पर संचालन करने वाली संस्था या एनजीओ पर 100 रुपए प्रति दिन जुर्माना होगा।

फर्नीचर, खिलौने आदि के लिए संबंधित विभाग 3 लाख रुपए देगा और हर दो साल में टूट-फूट का जायजा लेकर नए फर्नीचर-खिलौनों की व्यवस्था की जाएगी। सफाई व खान-पान के लिए संस्था-एनजीओ को सालाना 1.20 लाख रुपए दिए जाएंगे।

प्रबंधक, सहायिका आदि का मानदेय संबंधित विभाग देगा, जो प्रतिमाह हर तीन बच्चों पर 15 हजार और बच्चे अधिक होने पर 2500 रुपए प्रति बच्चा मानदेय दिया जाएगा। मानदेय अधिकतम 45 हजार रुपए तक होगा।

ऐसे रहेगी प्रवेश में प्राथमिकता

पहले क्रेच का संचालन करने वाले कार्यालय के कार्मिकों के बच्चों को प्रवेश मिलेगा। इसके बाद आसपास के दूसरे सरकारी कार्यालय के कार्मिकों के बच्चों को और जगह खाली होने पर गैर सरकारी कार्मिकों के बच्चों को प्रवेश मिलेगा।

आधी रात को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में लगी भीषण आग

डॉक्यूमेंट-कंप्यूटर, फर्नीचर सब जलकर राख

बूंदी, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बूंदी जिले के हिण्डोली कस्बे के अशोक नगर स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में बुधवार देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की शुरुआत करीब रात 2 बजे हुई। जिसके बाद बैंक का सायरन बजने लगा। सायरन सुनकर थाना प्रभारी सहदेव सिंह मीणा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शुरू में आग हल्की थी लेकिन देखते ही देखते यह भीषण रूप ले बैठी।

भीषण आग में सब जलकर खाक

पुलिस ने तुरंत बैंक अधिकारियों को सूचित किया। करीब एक घंटे में आग ने विकराल रूप ले लिया जिससे कई जरूरी रिकॉर्ड, कंप्यूटर, फर्नीचर और दस्तावेज जलकर राख हो गए। सूचना मिलने पर बैंक मैनेजर मुकेश कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक अजीत मेघवंशी और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

बच गया कैश

बैंक शाखा प्रबंधक ने बताया कि लॉकर और एटीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं। लॉकर में करीब 20 से 22 लाख रुपए रखे हुए थे जो जलने से बच गए। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। कई फाइलें पूरी तरह जल गईं जबकि कुछ फाइलें आंशिक रूप से बची हैं। इनका निरीक्षण किया जा रहा है।

गार्ड नहीं होने से देर से लगी आग की भनक

पुलिस के अनुसार बैंक में रात के समय गार्ड की व्यवस्था नहीं थी जिस कारण आग की तत्काल सूचना नहीं मिल सकी। गुरुवार सुबह कोटा और बूंदी से बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंच गए और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

ग्राम विकास अधिकारी सोनाक्षी यादव रिश्वत लेते गिरफ्तार

अजमेर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अजमेर इकाई ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) सोनाक्षी यादव को एक हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत परिवादी की मकान राशि पास करने के नाम पर रिश्वत मांग रही थी। एसीबी मुख्यालय को प्राप्त शिकायत में परिवादी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उसके मकान निर्माण की स्वीकृत राशि जारी कराने के लिए ग्राम विकास अधिकारी ने कुल 2500 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इसमें से 500 रुपये वह सत्यापन के दौरान पहले ही ले चुकी थी और शेष 2000 रुपये बाद में देने को कहा गया था। सत्यापन के समय 500 रुपये प्राप्त करने के बाद, आरोपी ने

परिवादी से स्पष्ट रूप से कहा कि राशि पास कराने के लिए शेष रकम चुकानी होगी।

शिकायत की पुष्टि और सत्यापन के बाद एसीबी ने योजना बनाते हुए आज ट्रेप कार्रवाई की। उप महानिरीक्षक पुलिस अनिल कयाल के सुपरवीजन में, निरीक्षक कंचन भाटी के नेतृत्व में एसीबी टीम ने सोनाक्षी यादव को 1000 रुपये की रिश्वत लेते ही रंगे हाथों पकड़ लिया। टीम ने मौके पर ही रिश्वत की राशि बरामद कर ली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की महानिदेशक पुलिस, स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपिता से पूछताछ की जा रही है और मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा। एसीबी की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट हुआ है कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार पर सख्त निगरानी जारी है।

एसीबी ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी भी सरकारी कर्मचारी या अधिकारी द्वारा रिश्वत की मांग की जाती है, तो तुरंत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क करें। ब्यूरो शिकायतकर्ताओं की पहचान को गोपनीय रखकर कार्रवाई करता है। यह गिरफ्तारी राजस्थान में चल रहे एसीबी के विशेष अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत कई विभागों में भ्रष्टाचार के मामलों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है।

दरगाह में सीसीटीवी कैमरे लगाने का विरोध अब महंगा पड़ेगा, अदालत ने दिए सख्त आदेश

अजमेर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर की विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने का विरोध करने वालों पर अब कानूनी शिकंजा कसेगा। सिविल न्यायाधीश कनिष्ठ खंड एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग मनमोहन चंदेल ने दरगाह नाजिम को आदेश जारी करते हुए कहा कि परिसर में हर संभावित जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति या समूह इसका विरोध करता है तो उनके खिलाफ कलेक्टर और एसपी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें। दरअसल, दरगाह के आस्ताना में खिदमत की बारी को लेकर खादिमों के बीच हुए विवाद के मामले में अदालत ने नाजिम से संबंधित जगह की सीसीटीवी फुटेज प्रस्तुत करने को कहा था, लेकिन नाजिम ने अदालत को बताया कि उस क्षेत्र में कैमरे नहीं लगे हैं, इसलिए फुटेज उपलब्ध नहीं है। अदालत ने इस तथ्य को गंभीरता से लेते हुए दरगाह में तत्काल कैमरे लगाने के निर्देश जारी किए। अदालत ने नाजिम को यह भी विकल्प दिया कि यदि वे दरगाह कमेटी के खर्चे पर कैमरे लगाना चाहते हैं तो पांच दिन के भीतर कलेक्टर और एसपी को लिखित याचिका देकर उनसे सहयोग मांग सकते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि कैमरों का संचालन दरगाह कमेटी को नियमानुसार करना होगा। फैसले में अदालत ने कहा कि दरगाह परिसर में कैमरे लगाने का विरोध स्वार्थवश किया जाता है, जबकि भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थलों पर सुविधा और सुरक्षा की दृष्टि से कैमरे जरूरी हैं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में सीसीटीवी फुटेज विवादों के समाधान में बेहद मददगार साबित होते हैं।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, किया एएसआई बनेसिंह को 30,000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कानोता थाना, पुलिस आयुक्तालय जयपुर (पूर्व) में तैनात सहायक उप निरीक्षक बनेसिंह को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो को एक शिकायत प्राप्त हुई थी कि आरोपी एएसआई बनेसिंह परिवादी से रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायत में कहा गया कि बनेसिंह ने परिवादी को धमकाते हुए कहा कि यदि वह रिश्वत नहीं देगा तो विपक्षी पार्टी को पुलिस थाने में पाबंद कराया जाएगा। इसके अलावा, आरोपी ने संकेत दिया कि विपक्षी पार्टी द्वारा परिवादी के

खिलाफ दर्ज मामलों को फाइल से हटाकर कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत की पुष्टि के बाद एसीबी टीम ने योजना बनाते हुए ट्रैप की कार्रवाई की। यह पूरी कार्यवाही एसीबी जयपुर नगर प्रथम की इकाई द्वारा की गई, जिसका नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र ने किया और सुपरविजन उप महानिरीक्षक पुलिस-द्वितीय आनंद शर्मा ने किया। ट्रैप टीम ने आरोपी बनेसिंह को परिवादी से 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए मौके पर ही दबोच लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। एसीबी यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या आरोपी इस प्रकार के अन्य प्रकरणों में भी संलिप्त रहा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की इस कार्रवाई से यह संदेश गया है कि रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार में लिप्त किसी भी पुलिसकर्मी या सरकारी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। आमजन से भी अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार की शिकायत निःसंकोच एसीबी से साझा करें, ताकि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

तेज रफ्तार का शिकार हुआ पैंथर, अज्ञात वाहन के कुचलने से मौत, जबड़े पर लगी गंभीर चोट

उदयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के गोगुंदा क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से एक लेपर्ड की मौत हो गई। यह हादसा रात करीब 10 बजे गोगुंदा-पिंडवाड़ा नेशनल हाइवे पर स्थित होटल के पास हुआ।

बता दें कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही लेपर्ड की मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और हाइवे पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति भी बन गई। सूचना मिलने पर गोगुंदा थाने से एएसआई विनेश कुमार और हाइवे पेट्रोलिंग टीम के भगवत सिंह झाला पहुंचे और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त कराया।

वहीं, क्षेत्रीय वन अधिकारी जयवर्धन सिंह राठौड़ और फोरेस्टर पुष्पेंद्र सिंह ने मौके से लेपर्ड के शव को कब्जे में लेकर उदयपुर शहर स्थित पशु चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित किया।

वन विभाग ने बताया कि गुरुवार को डॉक्टरों की टीम पोस्टमॉर्टम करेगी, जिसके बाद शव को गोगुंदा नर्सरी में लाकर नियमानुसार अंतिम संस्कार किया जाएगा। बताया जा रहा है कि टक्कर से लेपर्ड के शरीर में गहरी चोट आई थी, जिसकी वजह से उसकी मौत हुई।

गौरतलब है कि गोगुंदा और उसके आसपास का इलाका वन्यजीवों से भरा हुआ है, क्योंकि यह क्षेत्र कुंभलगढ़ अभयारण्य की सीमा से सटा हुआ है। यहां लेपर्ड की अच्छी खासी आबादी पाई जाती है और पहले भी इस तरह की सड़क दुर्घटनाओं में जंगली जानवरों की जान जा चुकी है। इस घटना ने वन्यजीव संरक्षण को लेकर फिर से चिंता बढ़ा दी है।

महिला की पहरेदारी में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

कोर्ट ने सुनाई सजा, महिला को 20 साल की जेल

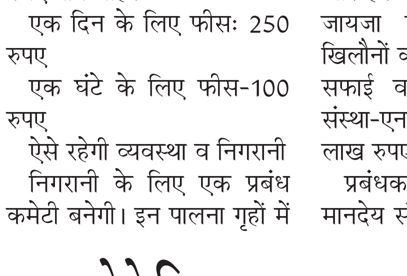

अलवर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर पॉक्सो कोर्ट ने सामूहिक दुष्कर्म के लिए उकसाने के मामले में एक पड़ोसी महिला को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सजा का यह फैसला पॉक्सो कोर्ट संख्या चार की पीठासीन जज हिमांकनी गौड़ ने सुनाया। उन्होंने माना कि यह महिला भरोसे के लायक कतई नहीं है, जो एक बच्ची को हवस का शिकार बनवा दे।

विशिष्ट लोक अभियोजक प्रशांत यादव ने बताया कि मामला बानसूर थाना क्षेत्र का है। 25 मई 2024 की रात गांव का एक युवक नाबालिग लड़की को धमकी देकर घर की छत पर बुला लाया। वहां उसका साथी और पड़ोसन महिला पहले से मौजूद थे। पड़ोसन ने दोनों युवकों से कहा कि जो करना है कर लो, मैं यहां खड़ी होरकर नजर रखती हूं, ताकि कोई आए नहीं। दोनों युवकों ने नाबालिग से हैवानियत की। मामले की जांच बानसूर के वृत्ताधिकारी सत्यप्रकाश ने की। जांच में पड़ोसन का अपराध साबित होने पर उसके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई। वहीं, दो अन्य आरोपियों में से एक की मौत हो चुकी है और दूसरा गिरफ्तार होकर अब कोर्ट में पेश है।

महिला पीड़िता के घर की पड़ोसन थी और अक्सर उनके घर आती-जाती रहती थी। परिवार को उस पर भरोसा था, लेकिन उसने उसी भरोसे को तोड़कर अपराध किया। कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसे मामलों में नरमी बरती गई तो समाज में गलत संदेश जाएगा और लोग अपने पड़ोसियों पर भी भरोसा नहीं कर पाएंगे। लोग अपने पड़ोस में रहने वाली महिला को भी संदेह की नजर से देखेंगे ओर लोग पड़ोसी महिलाओं पर भरोसा नहीं कर पाएंगे। कानून ने भी ऐसे अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया है। इसलिए अभियुक्ता को कड़ी सजा देना जरूरी है, ताकि न्याय का उद्देश्य पूरा हो सके। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 13 गवाह और 19 दस्तावेज पेश किए। सबूत और गवाही के आधार पर कोर्ट ने महिला को दोषी मानकर सजा सुनाई।

दोस्त ने रचा खूनी खेल, पूरे परिवार को कार सहित नहर में फेंका; 4 लोगों की मौत

हनुमानगढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सम्पत्ति विवाद में दोस्त सहित उसके परिवार के चार लोगों की हत्या के मामले में कोर्ट ने मुख्य आरोपी को दोषी करार दिया। एडीजे प्रथम हनुमानगढ़ दीपक पारासर ने दोषी रमेश स्वामी निवासी मल्लड़खेड़ा, टिब्बी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

सह आरोपी रामलाल पुत्र भीखराम नायक निवासी मल्लड़खेड़ा को दोष मुक्त कर दिया गया। राज्य की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक प्रथम सुमन झोरड़ ने पैरवी की। दोष सिद्ध होने के बाद कोर्ट से जाते समय दोषी ने मृतक की माता के पैर छूकर आशीर्वाद लेने का प्रयास किया।

आरोपी रमेश स्वामी व विनोद कुमार में कभी गहरी दोस्ती थी। मृतक विनोद कुमार संगरिया के निजी स्कूल में लेखाकार था। जबकि आरोपी रमेश स्वामी भी पहले वहां क्लर्क था। बाद में वह टिब्बी तहसील की कुलचंद्र ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक लग गया। सुनीता भाटी सीकर से अपने घर हनुमानगढ़ आने के लिए कार में सवार हुई थी। वह जाते समय कार में नहीं थी।

पुलिस जांच के अनुसार वारदात के दिन व उससे पहले मुख्य आरोपी रमेश स्वामी तथा सह आरोपी रामलाल नायक के बीच मोबाइल फोन पर खूब बातें हुई। इससे पुलिस का संदेह बढ़ा था।

कलेजा काट हत्यारे ने छुए पैर

सजा सुनने के बाद कोर्ट रूम से निकलते समय हत्या के दोषी रमेश स्वामी का सामना मृतक विनोद कुमार की माता से हो गया। दोषी ने मृतक की माता के पैर छूकर आशीर्वाद लेना चाहा। मगर बहू, बेटे और पोती के हत्यारे को सामने देखकर वृद्धा जड़वत सी हो गई। दर्द से कटता कलेजा लिए जिंदगी गुजार रही वृद्धा के हाथ ना तो आशीर्वाद देने के लिए उठे और ना ही दोषी को देखने के लिए आंखें उठ सकी।

केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग,घटना स्थल पर अफरा-तफरी

कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया काबू

सिरोही, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सिरोही, आबूरोड के मावल ग्रोथ सेंटर स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। मावल ग्रोथ सेंटर स्थित कुंदन एनवायरो प्रीप्रोसेस फैक्ट्री में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग की ऊँची-ऊँची लपटों ने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास मौजूद लोग और श्रमिक तुरंत वहाँ पहुँचे और मदद करने लगे। पुलिस और नगरपालिका फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई तथा एहतियात के तौर पर बिजली सप्लाई भी बंद करवा दी गई। कुछ ही देर में पुलिसकर्मी और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुँच गई। नगरपालिका फायर ब्रिगेड प्रभारी जसवंत कुमार, मोहम्मद यूनुस, गौतम बंजारा, चिराग परिहार, नवीन कुमार, शरद कुमार और अरुण चांवरिया सहित ब्रह्माकुमारी, गेल और जेके सीमेंट के फायर ब्रिगेड वाहन भी आग बुझाने में लगे। आग की तीव्रता को देखते हुए उस पर काबू पाना बेहद चुनौतीपूर्ण था। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने पानी की तेज धारों और फॉगिंग मशीनों का सहारा लिया। इस दौरान हर कोई उपलब्ध साधनों से आग पर काबू पाने की कोशिश करता नजर आया। फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

बतुकम्मा समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा : मंत्री

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव, कोंडा सुरेखा और डी. सीतक्का ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हैदराबाद में बतुकम्मा समारोह का भव्य आयोजन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएं, जिसमें 29 सितंबर को सरूरनगर स्टेडियम में होने वाले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रयास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मंत्रियों ने गुरुवार को राज्य सचिवालय में संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की।

उत्सव के एक भाग के रूप में, 27 सितंबर को टैंक बंड पर "बतुकम्मा कार्निवल" का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद 28 सितंबर को बाइक और साइकिल रैलियां, 29 सितंबर को सरूरनगर स्टेडियम में 10,000 महिलाओं के साथ गिनीज रिकॉर्ड बनाने का प्रयास और 30 सितंबर को टैंक बंड पर सद्दुला बतुकम्मा का आयोजन होगा। समीक्षा के दौरान, मंत्रियों ने निर्देश दिए कि टैंक बंड, पीवी मार्ग, सचिवालय, सरूरनगर स्टेडियम और अन्य प्रमुख चौराहों पर स्वच्छता, सड़क मरम्मत, दुर्घटना-निवारण उपाय और बिजली की रोशनी से बड़े पैमाने पर सजावट की जाए। उन्होंने कहा कि गिनीज रिकॉर्ड हासिल करने के लिए सरूरनगर स्टेडियम में 63 फुट ऊंचा बतुकम्मा स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने एसईआरपी अधिकारियों को स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं के लिए परिवहन की व्यवस्था करने और बतुकम्मा जुलूस और विसर्जन में लोक और आदिवासी कलाकारों सहित हजारों महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पर्यटन, संस्कृति, जीएचएमसी, एचएमडीए, पुलिस और ट्रांसको के बीच अंतर-विभागीय समन्वय का आह्वान करते हुए, मंत्रियों ने महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों, सरकारी कर्मचारियों, आईटी पेशेवरों और हैदराबाद निवासियों से बड़ी संख्या में भाग लेने और उत्सव को सफल बनाने की अपील की। राज्य महिला निगम की अध्यक्ष बंदलू शोभा रानी, एसईआरपी की सीईओ दिव्या देवराजन, टीएसटीडीसी के एमडी वल्लूरी क्रांति और भाषा एवं संस्कृति विभाग के निदेशक एनुगु नरसिम्हा रेड्डी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

संगारेड्डी सेंट्रल जेल में रिश्वत और कदाचार के आरोप

संगारेड्डी, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी सेंट्रल जेल के अधीक्षक कलासागर ने कुछ कर्मचारियों पर कैदियों को लाभ पहुंचाने के बदले यूपीआई भुगतान के जरिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अधीक्षक कलासागर ने बताया कि उन्हें इन गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी और कर्मचारियों को बार-बार आगाह किया गया था, लेकिन चेतावनियों के बावजूद कई लोग इसमें शामिल रहे। बुधवार रात उन्होंने सभी कर्मचारियों को सख्त संदेश भेजा और कहा कि अब कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ कर्मचारी और कैदी रोजाना अदालती काम के बाद जेल में अवैध रूप से प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी कर रहे हैं।

हैदराबाद में आंगनवाड़ी शिक्षकों का सचिवालय पर विरोध प्रदर्शन

सीएम डाउन डाउन के नारों के बीच शिक्षकों ने मांगों की पूरी करने की चेतावनी दी

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को सचिवालय का वातावरण आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायकों द्वारा लगाए गए सीएम डाउन डाउन के नारों से गूंज उठा। राज्य भर से बड़ी संख्या में महिलाएं, आंगनवाड़ी शिक्षक एवं सहायिका संघ के आह्वान पर, अपनी मांगों को लेकर सचिवालय पहुंची थीं।

यह प्रदर्शन 15 सितंबर को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के आवास पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद 'चलो सचिवालय' आंदोलन का हिस्सा था। आंगनवाड़ी शिक्षक और सहायिकाएं सरकार के प्री-प्राइमरी स्कूल स्थापित करने के फैसले के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि इस कदम से उनकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है। शिक्षकों का आरोप है कि केंद्र की नई शिक्षा नीति लागू होने के कारण एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना प्रभावित होगी और कई लोग बेरोजगार हो जाएंगे। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में प्री-प्राइमरी स्कूल आंगनवाड़ी शिक्षकों के संचालन में हैं, लेकिन तेलंगाना सरकार ने इस नीति का विरोध नहीं किया। संघ के सदस्य यह भी मांग कर रहे हैं कि सरकार 2023 के विधानसभा चुनाव में किए गए अपने वादे के अनुसार उनका वेतन 18,000 रुपये प्रति माह बढ़ाए। पुलिस ने बाद में शिक्षकों और सहायकों को सचिवालय से आरटीसी बसों में थाने पहुंचाया।

पूर्व सांसद ने कांग्रेस नेताओं पर केसीआर के खिलाफ लगाया अभियान चलाने का आरोप

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व बीआरएस सांसद बी. विनोद कुमार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी पर कड़ा प्रहार करते हुए उन पर बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाने का आरोप लगाया।

एक खुले पत्र में विनोद कुमार ने कहा कि तेलंगाना का मामला बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल के समक्ष पूर्व मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों के कारण ही पहुंचा। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य गठन के एक महीने के भीतर ही चंद्रशेखर राव ने केंद्र को पत्र लिखकर अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम की धारा 3 के तहत नया ट्रिब्यूनल गठित करने की मांग की थी। जब केंद्र ने कोई कार्रवाई नहीं की, तो उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया और संशोधित शर्तों के साथ ट्रिब्यूनल गठित करवाया।

विनोद कुमार ने कांग्रेस के इस दावे का खंडन किया कि चंद्रशेखर राव 299 टीएमसी फीट पानी पर सहमत हुए और तेलंगाना को उसके वाजिब हिस्से से वंचित किया। उन्होंने इसे 2015 का केवल अस्थायी समझौता बताया और इसके समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री के पत्रों, सर्वोच्च परिषद की बैठक के विवरण, केआरएमबी की अपीलों और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के आश्वासनों का हवाला दिया।

उन्होंने याद दिलाया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के शासन के दौरान तेलंगाना को 811 टीएमसी फीट का हिस्सा मिला था, लेकिन केवल 299 टीएमसी फीट पर टिक पाया। विनोद कुमार ने सरकार से आग्रह किया कि वह इतिहास तोड़-मरोड़कर पेश करने और चंद्रशेखर राव के खिलाफ दुष्प्रचार करने की बजाय मेदिगड्डा की मरम्मत, पलामुरु-रंगारेड्डी और डिंडी परियोजनाओं को पूरा करने तथा सीताम्मा सागर निर्माण में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित करे।

किसान की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन

परिवार ने लगाया धोखाधड़ी का आरोप

सिद्दीपेट, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेरियाल मंडल के पोथारेड्डीपल्ली गांव में गुरुवार को पी चंद्रम (35) के परिवार के सदस्य और ग्रामीणों ने कतुला भास्कर रेड्डी के आवास पर विरोध प्रदर्शन किया। परिवार का आरोप है कि चंद्रम ने भास्कर रेड्डी से उधार लिए पैसे की वजह से अपनी जमीन का एक टुकड़ा उनके नाम कर दिया था, और चुकाने के बाद उसे वापस लेने का वादा किया गया था। परिवार का दावा है कि चंद्रम ने कर्ज चुका दिया था, लेकिन भास्कर रेड्डी ने जमीन वापस करने से इनकार कर दिया। इसी तनाव और व्यथा के चलते चंद्रम को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। गुस्साए परिजन और ग्रामीण उनका शव लेकर भास्कर रेड्डी के घर पहुंचे और न्याय की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के कारण गांव में तनाव फैल गया। चेरियाल पुलिस मौके पर पहुंची और चंद्रम के परिवार से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया।

शोधकर्ता पश्चिमी घाट के लुप्तप्राय भूपति के बैंगनी मेंढक के संरक्षण में सक्रिय

80 मिलियन वर्ष पुरानी प्रजाति की संख्या का अनुमान लगाने के लिए वैज्ञानिकों का विशेष प्रयास

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के वैज्ञानिक पश्चिमी घाट की एक रहस्यमयी और लुप्तप्राय प्रजाति, भूपति के बैंगनी मेंढक के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह प्रजाति लगभग अपना पूरा जीवन भूमिगत बिताती है और केवल पहली भारी बारिश के दौरान प्रजनन के लिए बाहर आती है। इसे 'गोंडवाना का रत्न' भी कहा जाता है, क्योंकि इसका इतिहास 80 मिलियन साल पुराना है।

सीसीएमबी के शोधकर्ता डॉ. कार्तिकेयन वासुदेवन और उनकी टीम इस दुर्लभ मेंढक की संख्या का सही अनुमान लगाने और संरक्षण के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं। वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक बारकोडिंग और ध्वनिक विश्लेषण के जरिए इस प्रजाति की विशिष्टता की पुष्टि की है। इसकी चार-पल्स वाली संभोग ध्वनि इसे अन्य भारतीय बैंगनी मेंढक से अलग पहचान देती है। मेंढक की संख्या का अनुमान लगाना चुनौतीपूर्ण है क्योंकि यह बिल खोदने वाला (फॉसोरियल) है और अपने छोटे आवासीय क्षेत्र के कारण संकटग्रस्त है। डॉ. वासुदेवन की टीम बायोएकॉस्टिक्स का उपयोग करती है, जिसमें मिट्टी के नीचे से आने वाली नर मेंढकों की आवाज़ों को विशेष उपकरणों से रिकॉर्ड किया जाता है।

संग्रहित ध्वनिक आंकड़ों का विश्लेषण हैदराबाद स्थित प्रयोगशालाओं में किया जाता है और यह संरक्षण रणनीति का आधार बनता है। इसके अलावा, टीम स्थानीय वन्यजीव अधिकारियों और कर्मचारियों को तेज बहने वाली चट्टानी धाराओं जैसे प्रजनन आवासों की पहचान और आबादी की निगरानी के लिए प्रशिक्षित कर रही है। यह प्रयास न केवल इस लुप्तप्राय प्रजाति को संरक्षित करने में मदद करेगा, बल्कि पश्चिमी घाट के जैव विविधता संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

बेरोजगार युवाओं ने रैली निकाली

खम्मम, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम के बेरोजगार युवाओं ने गुरुवार को एक विरोध रैली निकाली और अंबेडकर केंद्र पर धरना दिया। यह प्रदर्शन 'खम्मम बेरोजगार युवा जेएसी' के बैनर तले आयोजित किया गया, जिसमें 1000 से अधिक युवाओं ने राज्य सरकार से नौकरियों का कैलेंडर जारी करने और दो लाख नौकरियों की अधिसूचना जारी करने की मांग की।

बीआरएस नेता एनुगुला राकेश रेड्डी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के बेरोजगार युवा रेवंत रेड्डी सरकार से नाखुश हैं। उन्होंने महबूबाबाद और खम्मम में हुए विरोध प्रदर्शनों का हवाला देते हुए कहा कि युवाओं ने अब कांग्रेस सरकार की नाकामियों के खिलाफ अपनी लड़ाई शुरू कर दी है। राकेश रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता वोट चोरी के खिलाफ तो लड़ रहे हैं, लेकिन राज्य में ग्रुप-1 की नौकरियों में अनियमितताओं पर कुछ नहीं बोल रहे।

बीआरएस विधायक ने की आंगनवाड़ी कर्मचारियों पर पुलिस कार्रवाई की निंदा

सरकार से कांग्रेस के वादों को पूरा करने और कर्मचारियों की रिहाई की मांग

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने चलो सचिवालय प्रदर्शन कर रही आंगनवाड़ी कर्मचारियों पर पुलिस की कार्रवाई की निंदा की है। उन्होंने कर्मचारियों की तत्काल रिहाई की मांग की और कांग्रेस सरकार से आंगनवाड़ी कर्मचारियों को चुनाव घोषणापत्र में दिए गए वादों के अनुसार देने का आग्रह किया।

हरीश राव ने कहा, यह शर्मनाक है कि महिलाओं को करोड़पति बनाने का वादा करने वाले मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी अब पूरे राज्य में आंगनवाड़ी शिक्षकों को गिरफ्तार करवा रहे हैं। क्या इंदिराम्मा राज्य में महिलाओं को यही सम्मान दिया जाता है? उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री महिला कर्मचारियों को उनके अधिकारों और सम्मान से वंचित कर रही हैं।

बीआरएस के समय के वादों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने आंगनवाड़ी कर्मचारियों का दर्जा श्रमिकों से बढ़ाकर शिक्षकों का कर दिया था और उनका वेतन देश में सबसे अधिक कर दिया गया था-शिक्षकों के लिए 13,650 रुपये और मिनी शिक्षकों और सहायकों के लिए 7,800 रुपये, जबकि 2014 में यह केवल 4,200 रुपये और 2,200 रुपये था।

हरीश राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव घोषणापत्र में आंगनवाड़ी शिक्षकों को 18,000 रुपये वेतन, ईपीएफ लाभ और नौकरी की सुरक्षा देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के 22 महीने बाद भी वह इस पर अमल नहीं कर पाई। उन्होंने कहा, आंगनवाड़ी शिक्षक कांग्रेस सरकार की महालक्ष्मी योजना के तहत मुफ्त बसों में यात्रा करके सचिवालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस थानों में ले जाया गया। इससे सरकार का असली एजेंडा उजागर होता है।

महावीर बैंक की 19वें एफसीबीए पुरस्कार 2025 में बड़ी उपलब्धि

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महावीर को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड भारत के सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में 19वें फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव बैंक्स अवार्ड्स (एफसीबीए) 2025 में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। यह पुरस्कार देश भर के 1,500 से अधिक प्रतिभागी बैंकों के बीच प्रतिस्पर्धा में आयोजित किया गया था।

ये पुरस्कार हैदराबाद में सबसे तेजी से बढ़ते सहकारी बैंक के रूप में महावीर बैंक की स्थिति की पुष्टि करते हैं, जो अपनी अभूतपूर्व व्यावसायिक वृद्धि, सुदृढ़ प्रशासन और मजबूत वित्तीय अनुशासन के लिए जाना जाता है। सर्वश्रेष्ठ संग्रह परिवर्तन के लिए यह सम्मान कुशल वसूली तंत्रों के माध्यम से परिसंपत्ति गुणवत्ता बनाए रखने में बैंक की सफलता को दर्शाता है। सर्वश्रेष्ठ लेखा परीक्षा परिवर्तन पुरस्कार पारदर्शिता, अनुपालन और विश्वस्तरीय आंतरिक नियंत्रण पर इसके ज़ोर को दर्शाता है।

इस उपलब्धि पर अध्यक्ष अशोक कोठारी ने कहा, यह उपलब्धि महावीर बैंक की उत्कृष्टता, नवाचार और ग्राहक विश्वास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिनारायण व्यास ने टीम महावीर के समर्पण की सराहना की और ग्राहक-प्रथम नवाचार और विश्वास-संचालित विकास के साथ तेलंगाना में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के बैंक के दृष्टिकोण की पुष्टि की। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय कुमार चौधरी ने कहा, 1,500 बैंकों के बीच दो राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना न केवल एक पहचान है, बल्कि शासन और विकास में नई ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा भी है।

उपाध्यक्ष महावीर कोठारी ने बोर्ड और कर्मचारियों के अथक प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि ये पुरस्कार एक विश्वसनीय और प्रगतिशील वित्तीय संस्थान के रूप में बैंक की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाते हैं।

श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में हिंदी चेतना मास समारोह की श्रृंखला में हिंदी में अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने प्रतियोगिता के प्रारंभ में वैश्विक बंधुता में अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के दौरान सहभागियों को अनुवाद हेतु वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक, दोनों तरह के पाठ दिए गए, ताकि संस्थान के लक्ष्यों तक आसानी से पहुंचा जा सके। संस्थान में कार्यरत सभी (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि) संवर्ग के लगभग 10 सहभागियों ने उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया। डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा डॉ. महेश कुमार ने प्रतियोगिता के दौरान निर्णायकों की भूमिका निभाई। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

सिकंदराबाद गुजराती स्कूल में श्री गुजराती सेवा मंडल द्वारा 83 वर्षों से आयोजित नवरात्री उत्सव में उपस्थित लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, पार्षद निलिमा का अभिनंदन करते हुए ट्रस्टी जसभाई पटेल, मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट, तरुण महेता, दिनेश लालगुरु, दिनेश नीलकंठ, विष्णु पटेल, हरिश दवे व अन्य।

आदिलाबाद का निवासी भारतीय मुंबई में सोशल मीडिया पोस्ट के आरोप में गिरफ्तार

आदिलाबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तंजानिया में रहने वाले आदिलाबाद के शेख इरफान को गुरुवार को मुंबई में सोशल मीडिया पर कथित अपमानजनक संदेश पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस मामले ने इस वर्ष की शुरूआत में सांप्रदायिक तनाव भी पैदा किया था। आदिलाबाद के डीएसपी एल. जीवन रेड्डी ने बताया कि इरफान, जो एक व्हाट्सएप ग्रुप का एडमिन था, अप्रैल में एक उपद्रवी की गिरफ्तारी के बाद अपमानजनक संदेश पोस्ट करने के लिए लुकआउट नोटिस के तहत पकड़ा गया।

आईसीएआर-सीआरआईडीए में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत क्रीडी ने लॉरेंस एंड मेयो आई हॉस्पिटल्स, मालकपेट , के सहयोग से क्रीडा मुख्य परिसर में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से कर्मचारियों और छात्रों में जागरूकता पैदा की गई। शिविर के दौरान, अपवर्तक त्रुटियां, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा आदि जैसी सामान्य नेत्र स्थितियों की पहचान की गई।

लॉरेंस और मेयो नेत्र चिकित्सालयों के योग्य चिकित्सा पेशेवरों और तकनीशियनों ने उपरोक्त परीक्षण किए और लोगों को नेत्र देखभाल के बारे में जागरूक और शिक्षित किया। उन्होंने बेहतर नेत्र स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता के बारे में भी जानकारी दी। 110 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। डॉ.आर. नागार्जुन कुमार, प्रधान वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी स्वच्छता ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

डीआरडीओ ने अग्नि-प्राइम मिसाइल का किया सफल परीक्षण

2,000 किमी मारक क्षमता वाली अगली पीढ़ी की मिसाइल ने मिशन के सभी उद्देश्य पूरे किए

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीआरडीओ ने सामरिक बल कमान (एसएफसी) के सहयोग से बुधवार को रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर प्रणाली से मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया। यह मिसाइल लगभग 2,000 किलोमीटर तक मारक क्षमता के साथ कई उन्नत तकनीकी विशेषताओं से लैस है।

यह पहला प्रक्षेपण था जो विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया। इस लॉन्चर को रेल नेटवर्क पर चलाने के लिए किसी पूर्व शर्त की आवश्यकता नहीं है और यह कम दृश्यता और कम प्रतिक्रिया समय में प्रक्षेपण कर सकता है। यह पूरी तरह आत्मनिर्भर है और इसमें अत्याधुनिक संचार प्रणालियों और सुरक्षा तंत्र भी शामिल हैं।

प्रक्षेपण के दौरान विभिन्न ग्राउंड स्टेशनों ने मिसाइल की निगरानी की। डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और सामरिक बल कमान के अधिकारी इस परीक्षण के साक्षी थे। इस सफल परीक्षण के बाद भविष्य में रेल आधारित प्रणालियों को सेवाओं में शामिल करने की संभावना और मजबूत हो गई है। पूर्व में रोड मोबाइल अग्नि-पी मिसाइल को सफल उड़ान परीक्षणों के बाद सेवा में शामिल किया जा चुका है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण पर डीआरडीओ, एसएफसी और सशस्त्र बलों को बधाई दी और कहा कि भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने रेल नेटवर्क से कैनिस्टराइज्ड प्रक्षेपण प्रणाली विकसित की है।

रियल एस्टेट की बिक्री में गिरावट जारी

तीसरी तिमाही में नई आपूर्ति में 38 प्रतिशत और बिक्री में 11 प्रतिशत की कमी

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनारॉक ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद में रियल एस्टेट बाजार में इस वर्ष तीसरी तिमाही में नई आपूर्ति और बिक्री दोनों में गिरावट देखने को मिली। 2025 की तीसरी तिमाही में शहर में लगभग 8,630 नई इकाइयां जुड़ीं, जो पिछले साल की इसी अवधि में 13,890 इकाइयों की तुलना में 38 प्रतिशत कम हैं। तिमाही-वार तुलना में यह गिरावट 22 प्रतिशत रही, क्योंकि दूसरी तिमाही में 11,105 इकाइयां जुड़ी थीं। दिलचस्प बात यह है कि इस तिमाही में जुड़ी नई आपूर्ति का 87 प्रतिशत प्रीमियम, लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी खंडों में था, जिनकी कीमत 80 लाख रुपये से अधिक थी। बिक्री के मामले में, तीसरी तिमाही में 11,035 इकाइयां बिकीं, जो पिछले साल की इसी तिमाही में हुई 12,735 इकाइयों की बिक्री से 11 प्रतिशत कम है। हालांकि, यह बिक्री दूसरी तिमाही की बिक्री की तुलना में 2 प्रतिशत बढ़ी। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने बताया कि शीर्ष सात शहरों में आवास बिक्री में इस तिमाही साल-दर-साल 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके बावजूद, तिमाही में बिक्री नई आपूर्ति से आगे रही, जो बाजार की स्थिरता का संकेत देती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत में आवासीय मांग लचीली बनी हुई है, लेकिन सामर्थ्य, लागत और बाज़ार में असमान मांग जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

गिल कप्तान, जडेजा उपकप्तान, 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में पहला टेस्ट

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम में 15 मेंबर्स को चुना गया। स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। रेगुलर उपकप्तान ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हो गए थे, वे अभी पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं। बीसीसीआई ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। सीरीज का पहला मुकाबला 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली में होगा।

भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, नीतीश रेड्डी और एन जगदीसन।

सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा करते हुए कहा उम्मीद है कि पंत साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट (नवंबर में) के लिए उपलब्ध होंगे।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत तीसरे नंबर पर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाली यह दो मैचों की सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा है। फिलहाल भारत पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है। भारत ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ की थी। वहीं, वेस्टइंडीज अब तक खेले गए तीनों मैच हारकर छठे स्थान पर है।

क्या जगदीसन को प्लेइंग-11 में मौका मिलेगा?

टेस्ट टीम के रेगुलर उपकप्तान ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल वेस्टइंडीज सीरीज में भारत के मुख्य विकेटकीपर होंगे। जुरेल ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी के आखिरी दो टेस्ट में विकेटकीपिंग की थी। वह इस समय लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेल रहे हैं।

एन जगदीसन, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ ओपनिंग करने के साथ जुरेल के साथ कीपिंग की जिम्मेदारी भी साझा की थी, बैकअप विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल किए गए हैं।

करुण नायर और अभिमन्यु ईश्वरन ड्रॉप

टीम से करुण नायर और शार्दुल ठाकुर को ड्रॉप किया गया है, जो इंग्लैंड दौरे पर टीम में शामिल थे। अभिमन्यु ईश्वरन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया।

नीतीश रेड्डी और देवदत्त पडिक्कल को मौका

इस सीरीज के लिए आंध्र प्रदेश के नीतीश रेड्डी और कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल हाल ही में ऑस्ट्रेलिया A के खिलाफ 150 रन की पारी के बाद चर्चा में आए। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में नंबर 3 पर बल्लेबाजी की थी, जहां उन्होंने 0 और 25 रन बनाए थे। नीतीश सात टेस्ट खेल चुके हैं और ऑलराउंडर के रूप में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

7 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलेगी वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज टीम 7 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलने के लिए आ रही है। विंडीज ने 2018 में पिछली सीरीज 2-0 से गंवाई थी। यह सीरीज मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में भारत की पहली होम सीरीज है, वहीं वेस्टइंडीज की घर से बाहर पहली सीरीज है।

वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम

रोस्टन चेज (कप्तान), तेजनारायण चंद्रपॉल, ब्रैंडन किंग, केवलोन एंडरसन, शाई होप, जोन कैंपबेल, एलिक एथनाज, टेविन इमलाक, जस्टिन ग्रीव्स, एंडरसन फिलिप, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ, जेडन सील्स, खैरी पियरी और जोमेल वारिकन।

भारत ने एशिया कप में सबसे ज्यादा मैच जीते

2025 में सबसे ज्यादा कैच भी छोड़े

मुस्तफिजुर बांग्लादेश के टॉप टी-20 विकेट टेकर

दुबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 41 रन की जीत के साथ एशिया कप के फाइनल में एंट्री कर ली। तीसरी बार टी-20 फॉर्मेट में हो रहे एशिया कप के फाइनल में भारत ने दूसरी बार जगह बनाई। लेफ्ट आर्म पेसर मुस्तफिजुर रहमान बांग्लादेश के टॉप विकेट टेकर बन गए।

टीम इंडिया मौजूदा एशिया कप में सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाली टीम भी बन गई। वहीं टीम ने बांग्लादेश को टी-20 इंटरनेशनल में 17वीं बार हराया। अभिषेक शर्मा 2024 के बाद से 58 टी-20 छक्के लगा चुके हैं। जो फुल मेंबर्स नेशंस के प्लेयर्स में सबसे ज्यादा हैं।

बांग्लादेश के लेफ्ट आर्म पेसर मुस्तफिजुर रहमान ने भारत के खिलाफ 33 रन देकर 1 विकेट लिया। पारी में इकलौते विकेट के साथ उनके टी-20 इंटरनेशनल में 150 विकेट भी पूरे हो गए। इसी के साथ वे टी-20 में बांग्लादेश के टॉप विकेट टेकर भी बन गए। मुस्तफिजुर ने स्पिनर शाकिब अल हसन को पीछे छोड़ा। जिनके नाम 149 विकेट हैं।

मौजूदा एशिया कप में 8 टीमों ने हिस्सा लिया। 16 मैच खत्म होने के बाद सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाली टीमों में भारत पहले नंबर पर है। टीम ने 5 मुकाबलों में 12 कैच छोड़े हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने 5 कैच छोड़े। भारत के बाद हॉन्ग कॉन्ग ने 3 मैच में 11 कैच छोड़े हैं।

टी-20 और वनडे फॉर्मेट मिलकर भारत ने एशिया कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। टीम के नाम 70 मुकाबलों में 48 जीत हो गई। भारत ने श्रीलंका को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 71 मुकाबलों में 47 जीत हैं। 50 से ज्यादा मैच खेलने वाली टीमों में भारत ने सबसे कम 19 मुकाबले ही गंवाए हैं। श्रीलंका 24 हार के साथ दूसरी सबसे सफल टीम है।

दुनिया की नंबर 1 जूडो खिलाड़ी बनीं हिमांशी टोकस

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की रहने वाली हिमांशी टोकस ने दुनिया भर में भारत का मान बढ़ाया है. वो जूडो में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी बन गई हैं. 20 साल की हिमांशी की इस सफलता के पीछे उनकी दादी का बहुत बड़ा हाथ है, जिन्होंने हिमांशी को जूडो न छोड़ने की सलाह दी थी. अगर हिमांशी अपनी मां की बात मानती तो आज वो इस खेल में इतिहास नहीं रच पातीं. दिल्ली के मुनिरका गांव की रहने वाली ये खिलाड़ी जूडो की जूनियर महिला वर्ग की रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गई हैं. ये उपलब्धि हासिल करने वाली वो भारत की पहली जूडोका हैं.

हिमांशी कैसे बनीं नंबर-1?

हिमांशी ने जूडो की इतनी बड़ी खिलाड़ी कैसे बनीं? इसकी कहानी काफी दिलचस्प है. उन्होंने बताया कि बचपन में घर में जूडो की प्रैक्टिस करने के दौरान मुझे चोट लग गई थी. इससे मेरी आंखें सूज गईं और शरीर पर भी चोटें आईं. इससे मेरी मां काफी चिंतित हो गईं. उन्हें डर था कि चेहरे पर एक स्थायी निशान मेरी शादी में रुकावट डाल सकता है. हिमांशी ने आगे बताया कि मेरी मां ने जूडो छोड़ने को कह दिया. हालांकि मैंने ऐसे नहीं किया और अपने पड़ोस में एक स्थानीय मिश्रित मार्शल आर्ट एकेडमी में एडमिशन ले लिया. अगर हिमांशी ने अपनी मां की सलाह मानी होती, तो वो इतिहास नहीं रच पातीं. हिमांशी ने जूडो में जूनियर महिलाओं की 63 किलोग्राम भार वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी बन गई हैं. इसके अलावा हिमांशी ने पिछले हफ्ते इंडोनेशिया में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर एशिया में नंबर-1 जूडोका का मुकाम हासिल किया.

जूनियर महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 जूडोका हिमांशी ने आगे बताया कि मां की सख्ती के बावजूद मेरी दादी और नानी ने मेरा पूरा साथ दिया और मुझे जूडो जारी रखने के लिए कहा. मेरी दादी हाथ में झाड़ू लेकर मेरे पीछे पड़ी थीं और मुझे खेल न छोड़ने की चेतावनी दे रही थीं. वो बिल्कुल स्पष्ट थीं कि मैं जूडो नहीं छोड़ूंगी.

हिमांशी ने बताया कि जूडो में देश के लिए पहला स्थान हासिल करने पर बहुत अच्छा लग रहा है. मैं अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहती हूं और भारत के लिए और मेडल जीतना चाहती हूं. हिमांशी के कोच यशपाल सोलंकी ने बताया कि हिमांशी के पिता रवि टोकस ने ही साल 2020 में द्वारका स्थित सोलंकी एकेडमी ऑफ फिटनेस एंड कॉम्बैट स्पोर्ट्स में हिमांशी का दाखिला कराया था.

हिमांशी के पिता भी रह चुके हैं जूडो के खिलाड़ी

हिमांशी ने कोच ने बताया कि रवि और मैं अच्छे दोस्त हैं. हिमांशी के पिता एक जूडो खिलाड़ी थे और कई टूर्नामेंटों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन उन्होंने कभी भी इस खेल को पेशे के रूप में नहीं अपनाया. हिमांशी मुनिरका के एक स्थानीय क्लब में प्रैक्टिस करती थीं, लेकिन रिजल्ट अच्छे नहीं आ रहे थे नहीं थे, इसलिए उनके पिता उसे मेरी अकादमी में ले आए. तब से हिमांशी मुझसे कोचिंग ले रही है.

सफलता के बावजूद सूर्यकुमार यादव के फॉर्म ने भारत के लिए बढ़ाई चिंता, क्या पड़ रहा कप्तानी का दबाव?

खेल डेस्क, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए लगातार पांच मैच जीतकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने सुपर चार चरण के मैच में बांग्लादेश को हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन मौजूदा टूर्नामेंट में काफी अच्छा रहा है और टीम अजेय बनी हुई है। भारत को लगातार सफलता मिल रही है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने उसके लिए चिंता बढ़ा दी है।

भारत को फाइनल से पहले अब शुक्रवार को श्रीलंका का सामना करना है। टीम इस मैच में अपना मजबूत और कमजोर पक्ष दोनों को देखना चाहेगी क्योंकि खिताब के इतने करीब आकर सूर्यकुमार की अगुआई वाली टीम कोई गलती करने से बचना चाहेगी। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल पिछले दो मैचों से टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। अभिषेक ने सामने से जिम्मेदारी निभाई है और लगातार दो मैच में अर्धशतक लगा चुके हैं। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार चार बार बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। उन्होंने अब तक 7, 47, 0 और 5 रनों की पारी खेली है। इससे पहले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी वह संघर्ष करते नजर आए थे। उन्होंने उस सीरीज में 5.60 की औसत से 28 रन बनाए थे जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल है।

सूर्यकुमार टी20 के विस्फोटक बल्लेबाज माने जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से जिस तरह उनका बल्ला खामोश है, उसने भारतीय ड्रेसिंग रूम की बेचैनी बढ़ा रखी है।

भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुनील गावस्कर ने भी इस मामले को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने एक न्यूज चैनल से कहा, कप्तान के लिए जरूरी है कि वह आकर कुछ रन बनाए। सूर्यकुमार चौथे नंबर पर आए और फिर से वही शॉट खेलकर आउट हो गए। यह उनके लिए आमतौर पर एक बहुत ही कारगर शॉट है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन जब आप संघर्ष कर रहे हों, तो शायद आपको तब तक नहीं खेलना चाहिए जब तक आपको परिस्थिति का पूरा अंदाजा न हो जाए। एक बार जब आप जम जाएं और 25 या 30 रन बना लें, तब आप वह शॉट खेल सकते हैं।

बीसीसीआई ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों की आईसीसी में शिकायत की

साहिबजादा का गन शॉट सेलिब्रेशन, रऊफ ने फाइटर प्लेन गिराने का इशारा किया था

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में औपचारिक शिकायत दर्ज की है।

दरअसल, 21 सितंबर को दुबई में खेले गए एशिया कप सुपर-4 मैच के दौरान दोनों ने भड़काऊ इशारे किए थे। रऊफ ने आसमान से विमान गिराने का इशारा, तो साहिबजादा ने फिफ्टी लगाने पर गन सेलिब्रेशन किया था।

कोहली के नाम से चिढ़ाने पर भड़के रऊफ

मैच में भारतीय फैंस विराट कोहली के नारे लगाकर रऊफ को चिढ़ा रहे थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि कोहली ने 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में मेलबर्न में खेले मैच में रऊफ की गेंदों पर लगातार दो सिक्स लगाए थे।

इस पर रऊफ भड़क गए और उन्होंने आसमान में उड़ते विमानों को गिराने का इशारा किया। पाकिस्तान दावा करता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी सेना ने 5 भारतीय फाइटर प्लेन गिराए थे। हालांकि, उसका यह दावा आधारहीन माना जाता है।

रऊफ का यह इशारा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। भारतीय फैंस ने उनकी इस हरकत की जमकर आलोचना की और उन्हें ट्रोल किया।

मैच के दौरान हारिस रऊफ बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे थे। इस दौरान वे भारतीय दर्शकों को इशारों में विमान गिराने का दावा कर रहे थे। मैच के दौरान हारिस रऊफ बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे थे। इस दौरान वे भारतीय दर्शकों को इशारों में विमान गिराने का दावा कर रहे थे।

रऊफ ने अभिषेक-गिल से बहस भी की

रऊफ ने अपनी गेंदबाजी के दौरान भारतीय ओपनर्स शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को अपशब्द भी कहे। मैच के बाद अभिषेक शर्मा ने कहा कि हमने इसका जवाब बल्ले से दिया।

गन सेलिब्रेशन पर साहिबजादा फरहान बोले- मुझे परवाह नहीं

साहिबजादा फरहान ने इसी मैच में फिफ्टी लगाने के बाद अपने बैट को मशीनगन की तरह इस्तेमाल करते हुए गोली चलाने का इशारा किया। जिसकी जमकर आलोचना हुई।

मैच के बाद साहिबजादा ने कहा, 'मैं आमतौर पर सेलिब्रेशन नहीं करता, लेकिन उस दिन ऐसा करने का मन हुआ। लोग इसे कैसे लेंगे, इसकी मुझे परवाह नहीं है।'

पीसीबी का पलटवार: सूर्यकुमार पर राजनीतिक बयान का आरोप

पीसीबी ने भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के खिलाफ आईसीसी में शिकायत दर्ज की है। यह शिकायत 14 सितंबर को दोनों टीमों के बीच खेले गए पहले मैच को लेकर है। पीसीबी का कहना है कि सूर्यकुमार इस मैच में भारतीय टीम की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और ऑपरेशन सिंदूर में शामिल सशस्त्र बलों को समर्पित किया था।

पीसीबी का दावा है कि सूर्यकुमार का यह बयान राजनीतिक था। हालांकि, तकनीकी रूप से यह देखना होगा कि PCB ने यह शिकायत सात दिन की समय सीमा में की है या नहीं, जो नियमों के तहत जरूरी है।

आईसीसी करेगा सुनवाई

आईसीसी अब इस मामले की सुनवाई करेगा। अगर रऊफ और साहिबजादा लिखित में इन आरोपों से इनकार करते हैं, तो उन्हें आईसीसी के एलीट पैनल रेफरी रिची रिचर्डसन के सामने पेश होना पड़ सकता है। अगर वे अपने इशारों का बचाव नहीं कर पाए, तो उन्हें आईसीसी आचार संहिता के तहत सजा का सामना करना पड़ सकता है।

मोहसिन नकवी का विवादित पोस्ट

पाकिस्तान के गृह मंत्री और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के एक वीडियो पोस्ट ने और हवा दे दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक विमान के क्रैश होने का इशारा करते दिख रहे हैं, जो रऊफ के मैदान पर किए गए इशारे से मिलता-जुलता है।

यह वीडियो संभवतः रोनाल्डो की एक फ्री-किक को दर्शाता है, लेकिन इसे भारत के खिलाफ भड़काऊ माना जा रहा है। नकवी के इस कदम पर बीसीसीआई और आईसीसी ने नोटिस लिया है। यह देखना बाकी है कि नकवी के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी या नहीं। खासतौर पर यह सवाल उठ रहा है कि क्या एशिया कप के फाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम नकवी के साथ मंच साझा करेगी।

रोहित शर्मा ने किया कमबैक का ऐलान

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले घटाया 10 किलो वजन

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। वनडे टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को आखिरी बार आईपीएल 2025 में खेलते हुए देखा गया था। इस बीच रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद से उनके वनडे क्रिकेट के फ्यूचर को लेकर भी काफी सवाल उठ रहे थे। कई रिपोर्ट सामने आई थी कि रोहित ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली वनडे सीरीज भी नहीं खेल पाएंगे, लेकिन अब हिटमैन ने अपनी वापसी के संकेत दे दिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली वनडे सीरीज के लिए रोहित जिम में खूब पसीना बहा रहे हैं। रोहित ने अपने नए लुक से हर किसी को हैरान कर दिया है।

रोहित ने घटाया 10 किलो वजन

रोहित शर्मा इन दिनों अपने खास दोस्त और टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। ट्रेनिंग के दौरान जमकर पसीना बहाकर रोहित शर्मा ने अपना 10 किलो वजन कम किया है। अभिषेक नायर ने रोहित शर्मा के साथ सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के कैप्शन में अभिषेक नायर ने लिखा कि “10,000 ग्राम बाद भी हम आगे बढ़ते रहेंगे।”

रोहित ने आखिरी बार कब खेला था वनडे मैच

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया था।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब पर कब्जा किया था। फाइनल मैच ही रोहित का आखिरी वनडे मैच था उसके बाद से टीम इंडिया ने कोई वनडे सीरीज या मैच नहीं खेला है। जबकि टी20 और टेस्ट से रोहित शर्मा पहले ही संन्यास ले चुके हैं।

अक्टूबर में होगा टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया टूर

एशिया कप 2025 के बाद टीम इंडिया को वेस्टइंडीज के साथ 2 मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है, उसको बाद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर अक्टूबर में जाएगी। जहां टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के साथ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में एकबार फिर से रोहित शर्मा कप्तानी करते हुए दिखाई दे सकते हैं। सीरीज का पहला वनडे मैच 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा।

ईरानी कप में रजत पाटीदार करेंगे शेष भारत की अगुआई

ऋतुराज होंगे उपकप्तान; विदर्भ से होना है मैच

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम घोषित कर दी है। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ उपकप्तानी का जिम्मा संभालेंगे।

विदर्भ की नजरें 2017-18 और 2018-19 सत्र के बाद तीसरी बार ईरानी कप जीतने पर टिकी होंगी। शेष भारत ने 29 बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। शेष भारत से पहले विदर्भ ने भी इस मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित की थी और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर को टीम की कमान सौंपी थी। विदर्भ क्रिकट संघ की सीनियर चयन समिति की बैठक में यश राठौड़ को उपकप्तान नियुक्त किया गया था। वाडकर ने 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.82 की औसत से 11 शतक सहित 3906 रन बनाए हैं। पिछले सत्र में विदर्भ को रणजी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले उस्मान गनी टीम के कोच होंगे।

ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीमः रजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यश ढुल, शेख रशीद, ईशान किशन (विकेटकीपर), तनुष कोटियान, मनव सुथार, गुरनुर बरार, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, सारांश जैन।

ईरानी कप के लिए विदर्भ की टीमः अक्षय वाडकर (कप्तान और विकेटकीपर), यश राठौड़, अथर्व तायडे, अमन मोखड़े, दानिश मालेवार, हर्ष दुबे, पार्थ रेखाडे, यश ठाकुर, नचिकेत भुटे, दर्शन नालकंडेय, आदित्य ठाकरे, अक्षय कर्णेवार, यश कदम, शिवम देशमुख, प्रफुल्ल हिंगे और ध्रुव शौरी।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत ए टीम घोषित

श्रेयस अय्यर करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए गुरुवार को भारत ए टीम घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलिया और भारत की ए टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी गई है। भारतीय टीम 30 सितंबर से कानपुर में इस सीरीज की शुरुआत करेगी।

बीसीसीआई ने अपने बयान में बताया कि श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के क्रिकेट से छह महीने का ब्रेक लिया है। श्रेयस की ब्रिटेन में सर्जरी हुई थी और वह इससे उबर रहे हैं। हाल ही में लाल गेंद के मैच में खेलने के दौरान उन्हें दिक्कतें हो रही थी। श्रेयस चाहते हैं कि इस पीरियड को वह अपनी फिटनेस को ठीक करने के लिए लगाएं। श्रेयस के फैसले को देखते हुए बीसीसीआई ने ईरानी कप के लिए उनका चयन नहीं किया है।

तिलक-अभिषेक भी होंगे सीरीज का हिस्सा

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी भी सीरीज का हिस्सा होंगे। तिलक और अभिषेक यूएई में जारी एशिया कप में हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गई है जिसका मतलब है कि टीम 28 सितंबर तक यूएई में ही रहेगी। इसी कारण तिलक और अभिषेक के साथ ही हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह को दूसरे और तीसरे वनडे मैच के लिए टीम में जगह मिली है। हर्षित और अर्शदीप भी एशिया कप टीम का हिस्सा हैं। हालांकि, इन दोनों खिलाड़ियों को अब तक सिर्फ एक ही मैच के लिए प्लेइंग-11 में जगह मिली है। अभिषेक शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और लगातार दो मैचों में अर्धशतक लगा चुके हैं।

पहले वनडे मैच के लिए भारत ए टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सुर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधू, गुरजपनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), प्रियांश आर्या, सिमरजीत सिंह।

गुणवत्तापूर्ण बीज कृषि में सबसे महत्वपूर्ण : उत्तम

> मंत्री ने हैदराबाद सीड कॉन्क्लेव में भाग लिया

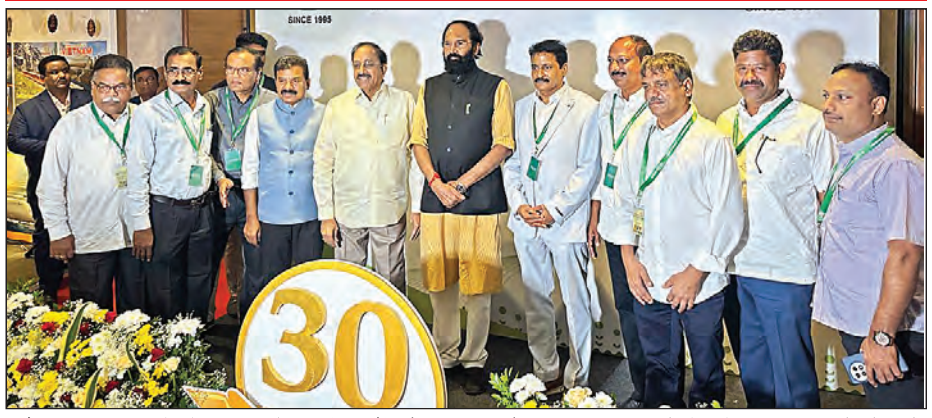

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि तेलंगाना को 'भारत का बीज भंडार' बने रहने के लिए अनुसंधान को मज़बूत करना होगा, निर्यात का विस्तार करना होगा और बुनियादी ढाँचे को उन्नत करना होगा। जुबली हिल्स स्थित एक होटल में सीड्समैन एसोसिएशन द्वारा आयोजित हैदराबाद सीड कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए, उन्होंने बीज कंपनियों को 'राष्ट्र निर्माता' बताया और उन्हें पूर्ण सरकारी समर्थन का आश्वासन दिया। कॉन्क्लेव को कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, विधायक के सत्यनारायण और अन्य ने भी संबोधित किया।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज कृषि में सबसे महत्वपूर्ण सामग्री है, जो खाद्य सुरक्षा और किसान समृद्धि का आधार बनता है। उन्होंने कहा, 'बीज उपज निर्धारित करते हैं, उर्वरकों और सिंचाई की दक्षता बढ़ाते हैं और कृषि चक्र के केंद्र में होते हैं। किसानों की आय को बनाए रखने के लिए उच्च उपज वाली किस्में आवश्यक हैं।' उन्होंने बीज कंपनियों से अनुसंधान और विकास में तेज़ी लाने, विशेष रूप से अधिक उपज और बेहतर चावल की पैदावार वाली नई धान की किस्में विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'सभी फसलों में नवाचार ही किसानों की आय में सुधार का मार्ग है।' उत्तम कुमार रेड्डी ने तेलंगाना के बीज उद्योग की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य से चावल और बीज की किस्में पहले ही फिलीपींस पहुँच रही हैं और उन्हें इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, बुर्किना फासो और अन्य अफ्रीकी देशों को निर्यात करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार बीज निर्माता कंपनियों की सभी समस्याओं का समाधान करेगी।

तेलंगाना भारत के बीज भंडार के रूप में उभरा : तुम्मला

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि तेलंगाना ने देश भर में 'भारत के बीज भंडार' का खिताब हासिल किया है और भविष्य में इसके 'वैश्विक बीज राजधानी' बनने की उम्मीद है। गुरुवार को, तुम्मला नागेश्वर राव और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी सीड्समैन एसोसिएशन द्वारा आयोजित हैदराबाद बीज सम्मेलन-2025 की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन के दौरान, मंत्री तुम्माला ने पिछले 25 वर्षों में किसानों, वैज्ञानिकों, उद्योगों और सरकारी संस्थाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सीड्समैन एसोसिएशन की भूमिका की सराहना की। उन्होंने बताया कि तेलंगाना गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन में देश में अग्रणी है, जहाँ राज्य सालाना एक करोड़ क्विंटल बीज पैदा करता है। इसमें से 75 लाख क्विंटल धान, 10 लाख क्विंटल मक्का और 10 लाख क्विंटल ज्वार व अन्य छोटे अनाज हैं। तुम्मला नागेश्वर राव ने बताया कि वर्तमान में बीज उत्पादन लगभग 8 लाख एकड़ में होता है, जिसमें लगभग 3.5 लाख किसान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य हर साल 2,000 करोड़ रुपये मूल्य के एक लाख टन बीज निर्यात करता है और सरकार द्वारा लागू किए गए कड़े उपायों की बदौलत तेलंगाना के बीजों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में काफी सम्मान प्राप्त है। मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ये उपलब्धियाँ किसानों की लगन, अनुशासन और जागरूकता का परिणाम हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में 1,30,000 एकड़ में फैली पाम ऑयल की खेती भविष्य में विस्तार करेगी, जिससे तेलंगाना के आर्थिक परिदृश्य में संभावित रूप से बदलाव आएगा।

तीन नाबालिग लड़कियों का अपहरण, मारपीट

हैदराबाद, 25 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर से तीन नाबालिग लड़कियों का कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया और यदाद्री भुवनगिरी जिले के एक लॉज में तीन लड़कों द्वारा उनका यौन उत्पीड़न किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली तीन लड़कियां कक्षाएं छोड़कर उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में घूम रही थीं, तभी एक लड़का उनसे मिला। उनसे दोस्ती करने के बाद, लड़के ने अपने दो और दोस्तों से उनका परिचय कराया। मंदिर में तीर्थयात्रा कराने के बहाने वे लड़के उन्हें यदाद्री शहर ले गए और एक लॉज में उनके साथ बलात्कार किया।

त्योहारी सीजन में विशेष ट्रेनों की घोषणा की

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने त्योहारी सीजन में यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। काचीगुडा-अनकापल्ली स्पेशल ट्रेन (ट्रेन संख्या 07055) 2 से 30 अक्टूबर के बीच चलेगी, जबकि अनकापल्ली-काचीगुडा (ट्रेन संख्या 07056) 3 से 31 अक्टूबर के बीच सेवा में रहेगी। इसके अलावा, चेर्लापल्ली-एच. निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन (ट्रेन संख्या 07095) 7 से 16 अक्टूबर तक चलेगी। काचीगुडा-अनकापल्ली स्पेशल ट्रेन मल्काजगिरी, चेर्लापल्ली, गुंटूर, विजयवाड़ा और एलुरु जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। चेर्लापल्ली-एच. निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन काजीपेट, पेद्दापल्ली, मंचेरियल, नागपुर, भोपाल, झांसी और आगरा छावनी जैसे स्टेशनों पर ठहरेगी। इन विशेष ट्रेनों में यात्रियों के लिए प्रथम श्रेणी एसी, द्वितीय श्रेणी एसी, तृतीय श्रेणी एसी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे उपलब्ध होंगे।

तेलंगाना में अगले दो दिनों में भारी बारिश की संभावना

> मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूरे प्रशासन को अलर्ट पर रखा

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में अगले 2 दिनों में भारी बारिश होने के मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सभी विभागों के अधिकारियों को अलर्ट पर रहने को कहा है।

राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी के मद्देनजर अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति पर कड़ी नजर रखने का आदेश दिया गया है। सभी जिला कलेक्टरों को भारी बारिश प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति की नियमित रूप से समीक्षा करने का निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले इलाकों में रहने वालों को पहले ही खाली करा दिया जाए और उन्हें राहत शिविरों में आश्रय प्रदान किया जाए।

बाढ़ के पानी से भरी सड़कों पर यातायात भी रोक दिया जाए और पुलों की सुरक्षा की जांच की जाए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बिजली विभाग को भारी बारिश के दौरान जनता की सुरक्षा के लिए लटकते तारों को हटाने के साथ-साथ निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए विशेष उपाय करने के निर्देश दिए। दशहरा की छुट्टियों के दौरान शैक्षणिक संस्थानों को भी अलर्ट पर रखा जाए। भारी बारिश के दौरान लोगों से घरों से बाहर न निकलने की अपील करते हुए, मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में जीएचएमसी, हाइड्रा, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों को अलर्ट पर रहने का आदेश दिया।

चदरघाट में दो समूहों की झड़प तीन लोग घायल

हैदराबाद, 25 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चदरघाट के शंकरनगर इलाके में बुधवार रात दो समूहों के बीच हुई झड़प में 3 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह विवाद तब भड़का जब कुछ लोग एक स्थानीय निवासी के घर पहुंचे और उस पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने भी पलटवार किया, जिसके बाद झगड़ा बढ़ गया। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले एक व्यक्ति ने दूसरे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे उनके बीच रंजिश शुरू हो गई थी। इसी विवाद के चलते बुधवार रात झड़प हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

पुनर्वास केंद्र में एक व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 25 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात मियापुर स्थित एक पुनर्वास केंद्र में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। पीड़ित संदीप, जो आंध्र प्रदेश का मूल निवासी है, को नशे की लत लगने के बाद नौ महीने पहले उसका परिवार पुनर्वास केंद्र में ले आया था। नलगोंडा जिले के आदिल और हैदराबाद के बरकस निवासी सुलेमान भी तीन महीने पहले पुनर्वास केंद्र में शामिल हुए थे। मियापुर पुलिस ने बताया, 'बुधवार को आदिल और सुलेमान ने संदीप पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए उससे झगड़ा किया। गुस्से में आकर दोनों ने संदीप पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।' मामला दर्ज कर लिया गया है।

उपराष्ट्रपति ने तिरुमला में नवनिर्मित तीर्थयात्री सुविधा परिसर का उद्घाटन किया

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है पीएसी-5

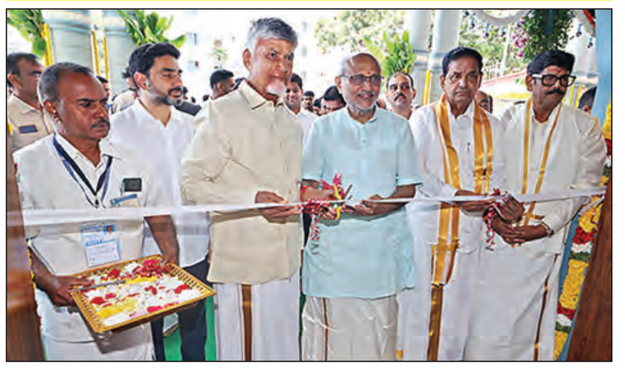

तिरुमाला, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू के साथ गुरुवार को तिरुमाला में नवनिर्मित 'तीर्थयात्री सुविधा परिसर (पीएसी-5)' का उद्घाटन किया।

2,69,617 वर्ग फुट क्षेत्र में 102 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, इस आधुनिक सुविधा में 16 शयनगृह हैं, जिनमें से प्रत्येक में एक मातृ-आहार कक्ष, कल्याणकट्टा और अन्नप्रसादम हॉल है। इस परिसर में 2,400 सुरक्षा लॉकर, 216 शौचालय, 216 स्नानघर और दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए 12 शौचालय हैं, जिनमें 24/7 गर्म पानी उपलब्ध है। इसके अलावा, प्रत्येक मंजिल पर निरंतर आरओ जल सुविधा और दस हाई-स्पीड लिफ्ट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। गणमान्य व्यक्तियों ने 'मुंडन गतिविधि, लॉकर आवंटन प्रणाली और एआई-सक्षम अपशिष्ट छंटाई मशीनों' सहित विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिनसे तीर्थयात्री यूपीआई/क्यूआर लॉगिन के माध्यम से टेट्रा-पैक और नाश्ते के पैकेट का निपटान कर सकते हैं। उन्होंने 'श्रीवारी पोटू' में डबल-शूट, विजन-आधारित रंग छंटाई मशीनों का भी उद्घाटन किया, जिन्हें जेन सॉल्यूशंस, कोयंबटूर द्वारा विकसित और टीवीएस कंपनी द्वारा दान किया गया है। ये मशीनें सामग्री से अशुद्धियों और बाहरी कणों को हटाकर लड्डू और अन्य प्रसाद बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाएंगी। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष बीआर नायडू, कार्यकारी अधिकारी एके सिंघल, जेईओ वीरब्रह्मम, सीवीएसओ मुरलीकृष्ण, सीई सत्यनारायण, बोर्ड के सदस्य और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इससे पहले, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री नायुडू के साथ तिरुमला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। महाद्वारम पहुंचने पर, मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उपराष्ट्रपति का पारंपरिक 'इष्टिका फल' से स्वागत किया।

उन्होंने अपने परिवार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। बाद में, रंगनायकुला मंडपम में, उपराष्ट्रपति ने वैदिक विद्वानों से 'वेदासर्वचनम' प्राप्त किया। टीटीडी अध्यक्ष नायुडू और ईओ सिंघल ने उन्हें तीर्थ प्रसादम, 2026 टीटीडी कैलेंडर और डायरी, और श्रीवरु की एक लेमिनेटेड तस्वीर भेंट की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.